THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 43 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.13 2082 शनिवार, 10 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आतंकी तहव्वुर राणा 6 जून तक न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को शुक्रवार को एनआईए रिमांड से पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। एनआईए की विशेष अदालत ने तहव्वुर को 6 जून न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। सुरक्षा कारणों के चलते राणा को निर्धारित तारीख से एक दिन पहले ही कोर्ट में पेश किया गया था। एनआईए ने तहव्वुर राणा को 10 अप्रैल को स्पेशल प्लेन से अमेरिका से भारत लेकर आई थी। 10 अप्रैल को उसे स्पेशल एनआईए जज चंद्रजीत सिंह ने उसे 18 दिन की कस्टडी में भेज दिया था। इसे दोबारा 12 दिन के लिए बढ़ा दिया गया था। 30 अप्रैल को कोर्ट ने एनआईए की मांग पर राणा की आवाज और लिखावट के सैंपल लेने की परमिशन दी थी।

राजनाथ सिंह ने की अहम बैठक

> सीडीएस-सेना प्रमुखों के साथ की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को शीर्ष सैन्य नेतृत्व के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य की व्यापक समीक्षा की। यह समीक्षा बैठक भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की पाकिस्तान की हालिया कोशिशों को नाकाम करने के एक दिन बाद की गई। बताया जा रहा है कि बैठक में उभरती सुरक्षा स्थिति के हर पहलू पर चर्चा की गई। बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी शामिल हुए।

पाकिस्तानी सेना की कोशिश को नाकाम किया :

भारत ने कल रात जम्मू, पठानकोट, उधमपुर और कुछ अन्य स्थानों पर मिसाइलों और ड्रोन से सैन्य ठिकानों पर हमला करने की पाकिस्तानी सेना की कोशिश को नाकाम कर दिया था। पाकिस्तानी प्रयासों को विफल करने के बाद रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारत अपनी संप्रभुता की रक्षा करने और अपने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

दुश्मन के प्रयासों को विफल कर दिया :

भारतीय सैन्य अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों को प्रभावी ढंग से नाकाम कर दिया और दुश्मन के प्रयासों को विफल कर दिया। भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की पाकिस्तान की ताजा कोशिशें इसी तरह की कोशिश के 24 घंटे से भी कम समय बाद सामने आई हैं।

भारतीय सशस्त्र बलों ने मिसाइलों और ड्रोन का उपयोग किया

इससे पहले गुरुवार दोपहर को रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने मिसाइलों और ड्रोन का उपयोग करके देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में 15 शहरों में सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की पाकिस्तान की कोशिशों को नाकाम कर दिया। इसने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने बुधवार रात अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, भटिंडा, चंडीगढ़, नल, फलौदी, उत्तरलाई और भुज को निशाना बनाने की कोशिश की।

शहीद मुरली नायक को देश की श्रद्धांजलि

आंध्र प्रदेश का सपूत वीरगति को प्राप्त

पेनुकोंडा, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी सैन्य संघर्ष के बीच देश ने एक और वीर सपूत खो दिया। आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साईं जिले के गोरंटला मंडल के कल्ली थांडा गांव के जवान एम. मुरली नायक जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन सिंदूर के तहत चल रहे सैन्य अभियानों के दौरान सीमा पार फायरिंग में शहीद हो गए। मुरली नायक की शहादत की खबर से न केवल उनके गांव में, बल्कि पूरे राज्य और देश में शोक की लहर दौड़ गई है। मुरली नायक उन जवानों में शामिल थे जो जम्मू-कश्मीर के संघर्ष क्षेत्रों में तैनात थे, जहां पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान द्वारा लगातार सीजफायर उल्लंघन किया जा रहा है। 8 मई की रात, पाकिस्तान की ओर से की गई अचानक फायरिंग का भारत की सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया।

पाक नागरिकों को ढाल बना रहा : कर्नल सोफिया

> 400 ड्रोन दागे > अपने एयरस्पेस में विमान उड़ने दिए ताकि भारत जवाबी हमला न करे

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार शाम 5.30 बजे पाकिस्तान के साथ तनाव पर लगातार तीसरे दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह मौजूद रहीं। इससे पहले 7 और 8 मई को भी सरकार की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी गई थी।

कर्नल सोफिया ने कहा :

8-9 मई की मध्य रात्रि को पाकिस्तानी सेना ने सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के इरादे से भारतीय युद्ध क्षेत्र में कई बार हमला किया। अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर 36 स्थानों पर घुसपैठ का प्रयास किया गया। करीब 300-400 ड्रोन का इस्तेमाल किया था। इनका मकसद खुफिया और वायु रक्षा प्रणालियों की जानकारी लेना था। शुरूआती जांच में यह सामने आया कि तुर्किये के ड्रोन थे। इनकी जांच की जा रही है। भारतीय सेनाओं ने इन्हें नष्ट कर दिया। एक यूएवी भी मूवमेंट कर रही थी, जिसे निष्क्रिय कर दिया गया। पाकिस्तान ने एलओसी पर भारी फायरिंग की, इसमें कुछ जवान घायल हुए। 7 मई 2025 को रात साढ़े आठ बजे मिसाइल और ड्रोन हमला किया और उस दौरान अपना एयर स्पेस बंद नहीं किया। नागरिकों का इस्तेमाल ढाल के लिए किया। पंजाब सेक्टर में हाई एयर डिफेंस अलर्ट के दौरान हमारा एयरस्पेस नागरिक उड़ानों के लिए बंद है, लेकिन पाकिस्तान के इलाके में नागरिक उड़ान चल रही थी। पाकिस्तान का नागरिक विमान दमस से उड़ान भरकर लाहौर तक गया।

मौजूदा स्थिति में हमें उनका मनोबल नहीं गिराना चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को केंद्र से कहा कि वह शॉर्ट सर्विस कमीशन की महिला सैन्य अधिकारियों को सेवा से मुक्त न करे, जिन्होंने उन्हें स्थायी कमीशन देने से इनकार करने के फैसले को चुनौती दी है। न्यायालय ने कहा कि मौजूदा स्थिति में उनका मनोबल न गिराया जाए। मामले में जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने 69 सैन्य अधिकारियों की तरफ से दायर याचिकाओं को अगस्त में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया और कहा कि अगली सुनवाई तक उन्हें रिहा नहीं किया जाना चाहिए।

इस दौरान जस्टिस कांत ने कहा, मौजूदा स्थिति में, आइए उनका मनोबल न गिराएं। वे शानदार अधिकारी हैं, आप उनकी सेवाओं का उपयोग कहीं और कर सकते हैं। यह वह समय नहीं है जब उन्हें सुप्रीम कोर्ट में घूमने के लिए कहा जाए। उनके पास रहने और देश की सेवा करने के लिए बेहतर जगह है। वहीं केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि यह सशस्त्र बलों को युवा बनाए रखने की नीति पर आधारित एक प्रशासनिक निर्णय था।

जज कैश केस : सीजेआई ने पीएम-राष्ट्रपति को रिपोर्ट सौंपी

> तीन जजों की कमेटी जांच कर रही > जस्टिस वर्मा का जवाब भी भेजा गया

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने जस्टिस यशवंत वर्मा कैश रिकवरी केस की जांच रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपी। इस केस के जांच तीन जजों वाली कमेटी कर रही है। इस रिपोर्ट के साथ जस्टिस वर्मा का जवाब भी भेजा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने ऑफिशियल जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई इन-हाउस प्रोसेस के तहत की गई है। जब किसी जज के खिलाफ एग्जीक्यूटिव एक्शन जरूरी लगता है, तब सुप्रीम कोर्ट सरकार को रिपोर्ट सौंपता है। फिलहाल, इस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया है। सीजेआई संजीव खन्ना ने जस्टिस वर्मा मामले की जांच करने

के लिए 21 मार्च को कमेटी बनाई थी। इसमें पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू, हिमाचल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट की जस्टिस अनु शिवरामन शामिल थे। कमेटी ने 25 मार्च को जांच शुरू की थी। 4 मई को सीजेआई को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। 16 मार्च को जस्टिस यशवंत वर्मा के बंगले के बाहर भी सफाई के दौरान सफाई कर्मचारियों को 500-500 रुपये के अधजले नोट मिले थे। सफाईकर्मियों ने बताया कि 4-5 दिन पहले भी हमें ऐसे नोट मिले थे।

ये नोट सफाई के दौरान सड़क पर पत्तों में पड़े हुए थे। 23 मार्च को जस्टिस यशवंत वर्मा को वापस इलाहाबाद भेजने की बात का इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने विरोध किया था। बार ने जनरल हाउस मीटिंग बुलाई थी, जिसमें जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की मांग का प्रस्ताव पारित किया गया था।

भारत से पहले राउंड की लड़ाई में हारा पाकिस्तान

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पहले राउंड की लड़ाई में भारत ने पाकिस्तान को हरा दिया है। इसके साथ ही पाकिस्तान में तैनात चीनी हथियार भी पहली परीक्षा में फेल होते नजर आ रहे हैं। पहले भारत के एयरस्ट्राइक का पता लगाने में पाकिस्तान नाकाम रहा, फिर उसका पीएल-15 मिसाइल भारत में निशाना को हिट किए बिना गिर गया, जिसकी टेक्नोलॉजी अब भारत जान सकता है और फिर भारत ने लाहौर में चीनी डिफेंस सिस्टम को ध्वस्त कर चीनी डिफेंस सिस्टम की कलई खोलकर रख दी। लिहाजा चीन काफी ध्यान से भारत और पाकिस्तान के बीच के संघर्ष पर नजर बनाए हुआ है। क्योंकि चीन, दुनियाभर के देशों को अपने हथियार बेचना चाहता है। हालांकि चीन ने सालों से कोई युद्ध नहीं लड़ा है, लेकिन पाकिस्तान चीनी हथियारों से भारत का मुकाबल कर रहा है या करने वाला है, लिहाजा पश्चिमी देशों की नजर भी युद्ध के अलावा चीनी हथियारों पर है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के मुताबिक पिछले पांच सालों में पाकिस्तान ने चीन से 81 प्रतिशत ज्यादा हथियार खरीदे हैं।

'सेना प्रमुख प्रादेशिक सेना के अफसर और सैनिक को तैनात कर सकते हैं'

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे सैन्य तनाव के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अब सेना प्रमुख को अधिकार दिया गया है कि वे प्रादेशिक सेना के हर अफसर और सैनिक को तैनात कर सकते हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर नियमित सेना की मदद की जा सके या उसकी ताकत बढ़ाई जा सके।

तीन साल तक लागू रहेगा आदेश :

रक्षा मंत्रालय के सैन्य मामलों के विभाग ने 6 मई को इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। इसमें कहा गया है कि यह आदेश 10 फरवरी 2025 से प्रभावी होगा और 9 फरवरी 2028 तक लागू रहेगा। इसका मतलब है कि अगले तीन सालों तक सेना प्रमुख के पास टीए को किसी भी जरूरी मिशन के लिए तैनात करने का पूरा अधिकार रहेगा।

प्रादेशिक सेना : 75 सालों की सेवा :

प्रादेशिक सेना, जिसे 9 अक्टूबर 1949 को स्थापित किया गया था, ने पिछले साल अपनी 75वीं वर्षगांठ मनाई थी। यह बल न सिर्फ युद्ध के समय देश की सेवा करता है, बल्कि आपदा राहत, पर्यावरण सुरक्षा और मानवीय मदद में भी सक्रिय भूमिका निभाता है। टीए पूरी तरह से नियमित सेना के साथ जुड़ा हुआ है और इसके जवानों को उनकी बहादुरी और सेवा के लिए कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं।

देश में 14 बटालियन होंगी तैनात :

सरकार की अधिसूचना के अनुसार, मौजूदा 32 टीए इन्फैंट्री बटालियनों में से 14 को तैनात करने का आदेश दिया गया है। इन्हें देश के कई सैन्य कमानों में भेजा जाएगा। साउथर्न कमांड, ईस्टर्न कमांड, वेस्टर्न कमांड, सेंट्रल कमांड, नॉर्दर्न कमांड, साउथ वेस्टर्न कमांड, अंडमान और निकोबार कमांड और आर्मी ट्रेनिंग कमांड (एआरटीआरएसी)। अधिसूचना में यह भी साफ किया गया है कि इन बटालियनों की तैनाती तभी होगी जब बजट में इसके लिए पैसे उपलब्ध होंगे या फिर आंतरिक बचत से पैसे की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही, जिन यूनिट्स को रक्षा मंत्रालय के अलावा किसी अन्य मंत्रालय की मांग पर तैनात किया जाएगा, उसका खर्च संबंधित मंत्रालय ही उठाएगा।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पीएम ने पहली बार सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पहली बार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक के बाद एक तीन पोस्ट किए। उन्होंने अमेरिकी पादरी रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट को नए पोप चुने जाने पर बधाई दी। इसके अलावा पीएम मोदी ने महाराणा प्रताप और रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती को लेकर भी रिएक्शन दिए। पीएम मोदी ने पहले पोस्ट में अमेरिकी पादरी रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट को नया पोप चुने जाने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैं भारत की जनता की ओर से परमपावन पोप लियो XIV को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। कैथोलिक चर्च का उनका नेतृत्व शांति, सद्भाव, एकजुटता और सेवा के आदर्शों को आगे बढ़ाने के गहन महत्व के क्षण में आया है। भारत हमारे साझा मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए उनके साथ निरंतर संवाद और सहभागिता के लिए प्रतिबद्ध है।

'जवानों का जोश हाई, पाकिस्तान को मिलेगा मुंहतोड़ जवाब'

जम्मू, 9 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान अपने नापाक इरादों से बाज नहीं आ रहा है और जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में लगातार गोलाबारी कर रहा है। शुक्रवार को जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उरी सेक्टर का दौरा किया और पाकिस्तानी गोलाबारी से हुए नुकसान का आकलन किया और सुरक्षा बलों से बातचीत की। उन्होंने सीमावर्ती गांवों लगमा और गिंगल में जाकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और राहत कार्यों की समीक्षा की। उपराज्यपाल ने क्षेत्र में तैनात भारतीय सेना के जवानों से भी मुलाकात की और उनका उत्साह बढ़ाया। जवानों से बातचीत के दौरान एलजी ने पूछा, जोश कैसा है? जिस पर सैनिकों ने गर्जना करते हुए जवाब दिया, हाई, साहब! इस क्षण को एलजी कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर साझा किया।

हमारी चर्चा आतंकवाद का मुकाबला करने पर केंद्रित थी : जयशंकर

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी से फोन पर बात की। बातचीत की जानकारी विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट के जरिए दी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज दोपहर ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी से फोन पर बात हुई। हमारी चर्चा आतंकवाद का मुकाबला करने पर केंद्रित थी, जिसके प्रति जीरो टॉलरेंस (शून्य सहिष्णुता) होना चाहिए।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार देर रात अमेरिका सहित कई देशों के अपने समकक्षों संग बात की। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के किसी भी उकसावे वाले प्रयास का दृढ़ता से मुकाबला करने के भारत के संकल्प पर जोर दिया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बातचीत में विदेश मंत्री जयशंकर ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ काम करने की वाशिंगटन की प्रतिबद्धता की सराहना की।

उन्होंने बातचीत के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, सीमा पार आतंकवाद के प्रति भारत की लक्षित और संतुलित प्रतिक्रिया को रेखांकित किया। तनाव बढ़ाने के किसी भी प्रयास का दृढ़ता से मुकाबला किया जाएगा। इसके अलावा, विदेश मंत्री ने इटली के उपप्रधानमंत्री और विदेश मामलों एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्री एंटोनियो तजानी से भी बात की थी। विदेश मंत्री ने दोहराया, आतंकवाद का दृढ़ता से मुकाबला करने के लिए भारत की लक्षित और नियंत्रित प्रतिक्रिया पर चर्चा की गई। किसी भी तनाव बढ़ाने वाली कार्रवाई की कड़ी प्रतिक्रिया होगी। साथ ही, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यूरोपीय संघ के उच्च प्रतिनिधि/उपाध्यक्ष काजा काल्लास के साथ चल रहे घटनाक्रम पर चर्चा की। भारत ने अपनी कार्रवाइयों में संयम बरता है। हालांकि, किसी भी उकसावे वाली कार्रवाई का कड़ा जवाब दिया जाएगा। वहीं, अमेरिका ने गुरुवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद मौजूदा तनाव के बीच भारत और पाकिस्तान को उसका दोहरा संदेश है, तनाव कम करें और बातचीत जारी रखें।

मणिपुर में 9 उग्रवादी गिरफ्तार, देशी पिस्तौल और हथगोले जब्त

इंफाल, 9 मई (एजेंसियां)। मणिपुर पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने तीन जिलों से कई प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (एमएफएल) के चार सदस्यों को थौबल जिले से और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पंबेई) के तीन सदस्यों को थौबल जिले से गिरफ्तार किया गया।

वहीं, कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (नोयोन) के एक सदस्य को इंफाल ईस्ट जिले से और केसीपी पीडब्लूजी के एक उग्रवादी को बिष्णुपुर से गिरफ्तार किया गया।

उग्रवादियों के पास से देशी पिस्तौल और हथगोले समेत गोला-बारूद जब्त किया गया।

धोनी-सचिन पायलट जिस आर्मी का हैं हिस्सा, उसकी भी लग सकती है बॉर्डर पर ड्यूटी

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी और राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट टेरिटोरियल आर्मी का हिस्सा हैं। अब भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते टेरिटोरियल आर्मी की भी बॉर्डर पर ड्यूटी लग सकती है। रक्षा मंत्रालय के सैन्य मामलों के विभाग ने टेरिटोरियल आर्मी नियम 1948 के नियम 33 के तहत थलसेना प्रमुख को यह अधिकार दे दिया है कि वो टेरिटोरियल आर्मी के सभी अधिकारियों और सैनिकों को जरूरी सुरक्षा ड्यूटी या नियमित सेना के समर्थन में सक्रिय सेवा (एंबॉडीमेंट) में बुला सकते हैं। जारी अधिसूचना के अनुसार, मौजूदा 32 टेरिटोरियल आर्मी इन्फैंट्री बटालियनों में से 14 बटालियनों को देश के विभिन्न सैन्य कमानों, साउदर्न कमांड, ईस्टर्न कमांड, वेस्टर्न कमांड, सेंट्रल कमांड, नॉर्दर्न कमांड, साउथ-वेस्टर्न कमांड, अंडमान व निकोबार कमांड और आर्मी ट्रेनिंग कमांड

(आर्ट्रैक) में तैनात किया जाएगा। तैनाती सिर्फ तभी की जाएगी जब इसके लिए बजट में धन उपलब्ध हो या आंतरिक बजट की बचत से इसे दोबारा आवंटित किया गया हो। अगर टेरिटोरियल आर्मी की यूनिट किसी और मंत्रालय के अनुरोध पर तैनात की जाती है, तो उसकी लागत संबंधित मंत्रालय के बजट से काटी जाएगी, न कि रक्षा मंत्रालय के बजट से।

क्या होती है टेरिटोरियल आर्मी?

टेरिटोरियल आर्मी, सेना का ही हिस्सा है। आर्मी को जहां भी जरूरत होती है वहां पर टेरिटोरियल आर्मी अपनी यूनिट उपलब्ध कराती है और रेगुलर आर्मी की मदद करती है। इस आर्मी की खास बात यह है कि अगर कोई शख्स सेना में काम करने का सपना रखता है लेकिन वो कोई और नौकरी भी कर रहा है तो वो इन दोनों ड्यूटी को एक साथ कर सकता है। टेरिटोरियल आर्मी में 18 से 42 साल के उम्र के नागरिक जो ग्रेजुएट हों, शारीरिक-मानसिक तौर पर फिट हों, वो लेफ्टिनेंट के तौर पर शामिल हो सकते हैं। इसमें शामिल होने की यह शर्त भी है कि आपके पास अपना कमाई का जरिया होना चाहिए। यह एक वॉलंटियर सर्विस होती है, यह पक्की नौकरी नहीं होती है। जब तक जरूरत होगी सर्विस देने को कहा जा सकता है, ऐसा नहीं होता है कि आप रिटायर होने तक जॉब में रहेंगे।

क्या होती है ड्यूटी?

टेरिटोरियल आर्मी नियमित सेना का हिस्सा है और इसकी फिलहाल भूमिका नियमित सेना को रेगुलर कर्तव्यों से मुक्त करना और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने और उन स्थितियों में जरूरी सेवाओं के रखरखाव में नागरिक प्रशासन की सहायता करना है। यह उन हालातों में अहम रोल निभाती है जहां कोई प्राकृतिक या किसी तरह की आपदा की वजह से लोग परेशानी में होते हैं, साथ ही या फिर देश की सुरक्षा खतरे में हो तो भी यह अहम भूमिका निभाते हैं।

धोनी और सचिन पायलट हिस्सा

क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी भारतीय टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल हैं। उन्हें 2011 में इस सम्मान से सम्मानित किया गया था और वो यह गौरव पाने वाले पहले क्रिकेटर बने थे। उन्होंने पैराशूट रेजिमेंट के साथ बुनियादी ट्रेनिंग भी पूरा की और एक योग्य पैराट्रूपर हैं। 6 सितंबर 2012 को, सचिन पायलट अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने की सशस्त्र बलों में जाने की इच्छा को पूरा करते हुए, प्रादेशिक सेना में एक अधिकारी के रूप में नियुक्त होने वाले भारत के पहले केंद्रीय मंत्री बने थे। टेरिटोरियल सेना में अधिकारी होने की वजह से उन्हें कैप्टन पायलट के नाम से जाना जाता है। सचिन पायल और महेंद्र सिंह धोनी के साथ-साथ अनुराग ठाकुर, कपिल देव समेत कई दिग्गज टेरिटोरियल आर्मी का हिस्सा हैं।

आजादपुर सब्जीमंडी सबसे बड़ा ब्लैकस्पॉट 2024 में यहां 11 लोगों की गई थी जान

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। वर्ष 2024 का दिल्ली का सबसे बड़ा ब्लैक स्पॉट आजादपुर सब्जी मंडी है। ब्लैक स्पॉट यानि वह जगह जहां एक वर्ष में सड़क दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। वर्ष 2024 में यहां 20 से ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं हुई थीं और इन सड़क दुर्घटनाओं में 11 लोगों की मौत हुई थी। हालांकि ये ब्लैक स्पॉट हर साल बदल रहा है। वर्ष 2023 में ब्लैक स्पॉट आईएसबीटी, कश्मीरी गेट के पास रिंग रोड था। दिल्ली यातायात पुलिस की ओर से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2024 में जो 10 सबसे बड़े ब्लैक स्पॉट हैं उनमें आजादपुर सब्जी मंडी पहले स्थान पर है।

शादी के दो दिन बाद आया धरती मां का बुलावा

नई नवेली दुल्हन को छोड़कर देश सेवा के लिए रवाना हुआ जवान

वाशिम, 9 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात हैं। इस बीच वाशिम जिले के जऊलका गांव का लाल, कृष्णा राजू अंभोरे ने देशभक्ति और कर्तव्यपरायणता की मिसाल पेश की है। छुट्टी लेकर घर आए कृष्णा राजू अंभोरे की दो दिन पहले शादी हुई है। विवाह के महज दो दिन बाद ही जब सेना से ड्यूटी का बुलावा आया, तो उन्होंने एक क्षण की भी देरी किए बिना अपनी जिम्मेदारी निभाने का फैसला किया। वह दुल्हन और परिवार को छोड़कर देश सेवा के लिए रवाना हो गए। कृष्णा राजू की दुल्हन ने नम आंखों से पति को विदा किया। दुल्हन की आंखों में आंसू थे, लेकिन कृष्णा की आंखों में देश के लिए समर्पण था। अपनी नवविवाहित पत्नी को नम आंखों से विदा कर, वह तुरंत देश की सेवा में रवाना हो गए। आज शुक्रवार को 2.30 जब वह ड्यूटी पर उत्तराखंड लौटने के लिए वाशिम रेलवे स्टेशन पहुंचे, तो गांव के लोग उन्हें विदा करने पहुंचे। वहां का माहौल देशभक्ति से ओतप्रोत था। गांववालों ने जयकारों के साथ उन्हें विदा किया और पाकिस्तान को धूल चटाने की शुभकामनाएं दीं। गांव के बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक, सभी की आंखों में गर्व साफ झलक रहा था। कृष्णा का यह कदम न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे गांव और जिले के लिए प्रेरणा बना है। देश पहले है, बाकी सब बाद में – यह बात कृष्णा ने अपने साहसिक निर्णय से सिद्ध कर दिया। बता दें कि भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर तनाव की वजह से सेना और अर्धसैनिक बलों के कर्मियों की छुट्टियां कैंसिल की गई हैं। छुट्टी पर गए जवानों को बुलाया गया है। इसी क्रम में कृष्णा राजू को भी ड्यूटी ज्वाइन करने को लेकर कहा गया था।

नारको टेरर मॉड्यूल के दो आरोपी गिरफ्तार हथियार और सात लाख की ड्रग मनी बरामद

खडूर साहिब, 9 मई (एजेंसियां)। भारत व पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच पंजाब की शांति को भंग करने का बड़ा प्रयास किया गया। पाकिस्तान से संबंधित नारको व टेरर मॉड्यूल से जुड़े दो लोगों को तरनतारन जिले की पुलिस ने काबू किया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि तरनतारन के एसएसपी अभिमन्यु राणा की अगुवाई में जिले में बड़ा ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सीआईए स्टाफ की टीम को सूचना मिली कि पाकिस्तान से संबंधित मॉड्यूल के कुछ लोग इलाके में बड़ी वारदात को अंजाम देने की ताक में हैं। सूचना के आधार पर सीआईए स्टाफ की टीम ने जगरूप सिंह, लवप्रीत सिंह को थाना सिटी की हदबंदी से गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से सात पिस्टल, सात मैगजीन, 80 के करीब कारतूस, पांच किलो हेरोइन, सात लाख 20 हजार की ड्रग मनी के अलावा नोट गिनने वाली मशीन बरामद की गई है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पंजाब पुलिस की यह बड़ी कामयाबी है। जगरूप सिंह और लवप्रीत सिंह के खिलाफ थाना सिटी तरनतारन में केस दर्ज कर लिया है। उनको बाद दोपहर स्थानीय अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

पीएम मोदी ने सीएम भूपेंद्र पटेल से की फोन पर बात

बढ़ते तनाव के बीच गुजरात की सीमा सुरक्षा का लिया जायजा

अहमदाबाद, 9 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से टेलीफोन पर बातचीत की और सीमावर्ती राज्य के रूप में गुजरात की तैयारियों तथा सीमा पर तनाव की वर्तमान स्थिति में राज्य सरकार द्वारा की गई अग्रिम योजना का विवरण प्राप्त किया तथा इस संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए उठाए गए पर्याप्त कदमों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। खासतौर पर कच्छ, बनासकांठा, पाटन, जामनगर जैसे संवेदनशील जिलों में, जिनकी सीमा पाकिस्तान से लगती है। अधिकारियों ने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच गुरुवार रात गुजरात के कच्छ और बनासकांठा के सीमावर्ती जिलों के कई हिस्सों में 7 घंटे से अधिक समय तक बिजली गुल रही। कच्छ और बनासकांठा दोनों जिले पाकिस्तान की सीमा से सटे हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की कि भुज, नलिया, नखत्राणा और गांधीधाम कस्बों सहित कच्छ के कई हिस्सों में पाकिस्तान की किसी भी आक्रामक हरकत को रोकने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर पूरी तरह से बिजली गुल कर दी

गई। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने 7-8 मई की रात को उत्तरी और पश्चिमी भारत में सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर पाकिस्तान कू ओर से लॉन्च किए गए सभी ड्रोन और मिसाइलों को सफलतापूर्वक रोक दिया था। अवंतीपोरा से भुज तक फैले हमलों के प्रयासों को तकनीकि से लैस एंटी-यूएवी और मिसाइल रक्षा प्रणालियों का इस्तेमाल करके प्रभावी ढंग से मुकाबला किया गया। जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि भारतीय धरती पर कोई नुकसान या हताहत न हो। रिपोर्टों के मुताबिक, भारत ने अपने एस-400 वायु रक्षा प्रणाली के जरिए से सभी ड्रोन और मिसाइलों को बेअसर कर दिया। इसी तरह बनासकांठा जिले के सुईगाम और उसके आसपास के 20 गांवों में ब्लैकआउट घोषित कर दिया गया।

ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना का एमओयू आज, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र को मिलेगा लाभ

भोपाल, 9 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस की मौजूदगी में शनिवार को भोपाल में 'ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज' परियोजना का एमओयू होगा। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने बताया कि केन-बेतवा लिंक परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के बाद अब मध्य प्रदेश में तीसरी महत्वपूर्ण अंतरराज्यीय नदी परियोजना ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना पर कार्य होगा। इस अंतरराज्यीय संयुक्त परियोजना के सभी अवरोध अब दूर हो गए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना विश्व की सबसे बड़ी ग्राउंड रिचार्ज परियोजना है। इसके जरिए महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर ताप्ती नदी की तीन धाराएं बनाकर राष्ट्रहित में नदी जल की बूंद-बूंद का उपयोग सुनिश्चित कर कृषि भूमि का कोना-कोना सिंचित करेंगे। उन्होंने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना में कुल 31.13 टीएमसी जल का उपयोग होगा। इसमें से 11.76 टीएमसी मध्य प्रदेश को और 19.36 टीएमसी जल महाराष्ट्र राज्य के हिस्से में आएगा। इस परियोजना में प्रस्तावित बांध एवं नहरों से मध्य प्रदेश कुल 3 हजार 362 हैक्टेयर भूमि उपयोग में लायी जाएगी। परियोजना में कोई गांव प्रभावित नहीं होगा अतः इसमें पुनर्वास की भी आवश्यकता नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रदेश की एक-एक नदी के एक-एक बूंद जल का समुचित उपयोग राष्ट्र और राज्य के हित में करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जिस तरह पिछले दिनों हमने पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना का राजस्थान के साथ कार्य प्रारंभ किया है,

रोहिंग्या अवैध हैं तो देश से निकालना चाहिए, सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा क्यों कहा

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने रोहिंग्या शरणार्थियों को लेकर जो टिप्पणी की है, वो उनकी मुसीबतों को बढ़ा सकता है। देश की सर्वोच्च अदालत ने कहा कि अगर भारत में रह रहे रोहिंग्या शरणार्थी कानून के मुताबिक विदेशी पाए जाते हैं तो उनको डिपोर्ट किया जाना चाहिए। यानी अगर रोहिंग्या शरणार्थियों के पास भारत में रहने का सही दस्तावेज नहीं होता है तो फिर उनका देश निकाला तय है। सुप्रीम कोर्ट के तीन जज जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता, जस्टिस एन। कोटिश्वर सिंह की तीन सदस्यीय पीठ ने सर्वोच्च अदालत के पुराने आदेश का हवाला दिया। अदालत ने साफ किया कि शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त की तरफ से दिए गए पहचान पत्र इन लोगों की कोई

मदद नहीं कर पाएंगे। यानी इसकी मदद से भारत में रहना वैध नहीं माना जाएगा। जस्टिस दीपांकर दत्ता ने साफ कह दिया कि अगर भारत के फॉरेनर्स एक्ट के तहत वे विदेशी पाए जाते हैं तो फिर उनको डिपोर्ट करना ही पड़ेगा। अदालत उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें रोहिंग्या शरणार्थियों के गुजारे पर चिंता जताई गई थी। कहा गया था कि वो काफी बुरी परिस्थितियों में जीवन जी रहे हैं। साथ ही, उनको डिपोर्ट करने का मुद्दा भी उठा था। वकील कोलिन गोन्जाल्विस और वकील प्रशांत भूषण रोहिंग्या शरणार्थियों की तरफ से अदालत में पेश हो रहे थे। उन्होंने कहा कि कुछ शरणार्थी जिनके पास संयुक्त राष्ट्र से हासिल पहचान पत्र था, उसे पुलिस ने ले लिया है और उनको डिपोर्ट कर दिया गया है। हालांकि, सरकार की तरफ से अदालत में मौजूद सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने साफ किया कि भारत रिफ्युजी कंवेशनन का हिस्सा नहीं है। सरकार ने संयुक्त राष्ट्र की तरफ से जारी होने वाले शरणार्थी कार्ड को भी विवादित बताया। रोहिंग्या शरणार्थियों की तरफ से अदालत में दलीलें रख रहे वकीलों ने साफ किया कि अदालत कम से कम दस बरस से इन शरणार्थियों को राहत देते रही है। पर सरकार की तरफ से उनको डिपोर्ट करने की कार्रवाई तब हुई जब इस मामले पर सुनवाई शुरू होनी थी। प्रशांत भूषण ने कहा कि म्यांमार इन लोगों को अपने यहां नहीं ले रहा है। भूषण ने इन लोगों को स्टेटलेस यानी बगैर किसी राज्य के नागरिक कहा। भूषण की दलील थी कि सुप्रीम कोर्ट का ये आदेश कि संयुक्त राष्ट्र से हासिल शरणार्थी पहचान पत्र एक अंतरिम आदेश था। इस पर अदालत ने साफ किया कि अप्रैल 2021 में चूंकि इस बारे में फैसला हो चुका है, और कोई आदेश देने की जरूरत नहीं। अप्रैल 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू कश्मीर में शरणार्थी के तौर पर गुजारा कर रहे उन रोहिंग्या लोगों को किसी भी तरह का राहत देने से इनकार कर दिया था, जिनके डिपोर्टेशन की प्रक्रिया शुरू हो रही ती। अब इस मामले की अगली सुनवाई 14 मई को होगी। उस दिन अदालत क्या फैसला सुनाती है, ये देखने वाला होगा।

एससी: उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना से नाराज

सुप्रीम कोर्ट ने गुंटूर के डिप्टी कलेक्टर को तहसीलदार बनाने का दिया आदेश

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना करने से नाराज सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश सरकार के एक अधिकारी को पदावनत करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना करने वाले डिप्टी कलेक्टर को पदावनत कर तहसीलदार के पद पर नियुक्ति करें। दरअसल उच्च न्यायालय ने आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में झोपड़ियां न हटाने का निर्देश दिया था, लेकिन अधिकारी ने उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना की। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने पर कड़ी नाराजगी जताई। पीठ ने कहा कि प्रत्येक अधिकारी, चाहे वो कितने भी ऊंचे पद पर क्यों न हो, वह अदालत द्वारा पारित आदेशों का सम्मान करने के लिए बाध्य हैं। पीठ ने कहा कि न्यायालय के आदेश की अवहेलना कानून के शासन की उस नींव पर हमला है, जिस पर हमारा लोकतंत्र आधारित है। पीठ ने कहा, 'हालांकि हम नरम रुख अपनाते हैं, लेकिन सभी को यह संदेश दिया जाना चाहिए कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना भी ऊंचा क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है।' शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के उस आदेश की पुष्टि की, जिसमें अधिकारी को उच्च न्यायालय के आदेश की जानबूझकर और पूरी तरह से अवज्ञा करने का दोषी पाया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारी को दो महीने जेल की सजा सुनाने वाले उच्च न्यायालय के आदेश को संशोधित किया।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच महबूबा मुफ्ती का चौंकाने वाला बयान

'खुदा न खास्ता अगर न्यूक्लियर का इस्तेमाल हुआ तो कोई नहीं बचेगा'

जम्मू, 9 मई (एजेंसियां)। कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान लगातार सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है। पाकिस्तानी सेना आम लोगों को निशाना बनाकर फायरिंग कर रही है। हालांकि भारतीय सेना भी पाकिस्तान के उकसावे की कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब दे रही है। इस बीच जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने दोनों तरफ से संयम बरतने की अपील की है।

उन्होंने कहा, "मौजूदा तनाव के कारण हमारे लोग प्रभावित हो रहे हैं। यह दोनों पक्षों की ओर से संयम बरतने और तनाव कम करने का समय है, क्योंकि निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं।" महबूबा

मुफ्ती ने कहा कि अगर तनाव जारी रहा तो संघर्ष पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लेगा। मिलिट्री एक्शन किसी चीज का स्थायी समाधान नहीं होता है। हमें राजनीति के तहत इस मसले को सुलझाना चाहिए। इसमें दोनों तरफ से लोग मर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के लोग कब तक ऐसे मरते रहेंगे?- महबूबा मुफ्ती

उन्होंने कहा, "जम्मू-कश्मीर के लोग कब तक ऐसे मरते रहेंगे? हमारे बच्चों को क्यों मारा जा रहा है उनका खून क्यों बहाया जा रहा है?" पूर्व सीएम ने कहा, "दोनों तरफ के नेताओं को बातचीत से इसका हल निकालना चाहिए। दोनों तरफ के पीएम को बातचीत से इसका हल निकालना चाहिए।" महबूबा मुफ्ती ने कहा, "दोनों देश न्यूक्लियर पावर है, खुदा न खास्ता अगर न्यूक्लियर का इस्तेमाल हुआ तो कोई नहीं बचेगा।"

22 अप्रैल के बाद बढ़ा तनाव

बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकियों के हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। पाकिस्तान और पीओके में 9 जगहों पर सेना ने ऑपरेशन में 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया।

इस कार्रवाई से पाकिस्तान बौखलाया है। पाकिस्तानी सेना जम्मू-कश्मीर में सीमा पर गोलीबारी कर रही है। सीजफायर उल्लंघन में एक जवान शहीद हो गया। इसके साथ ही 16 आम लोगों की जान गई। पाकिस्तान ने भारत के 15 शहरों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले की भी कोशिश की। हालांकि एयर डिफेंस सिस्टम ने इसे समय रहते ही नष्ट कर दिया।

जामा मस्जिद के शाही इमाम अहमद बुखारी के पोते का वीडियो आया सामने, कहा- 'जो आतंकवादी हैं, वो कभी मुसलमान हो ही नहीं सकते'

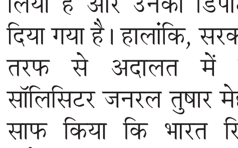

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया। इसके बाद भारत और पाकिस्तान में तनाव बना हुआ है। ऐसे में पहलगाम हमले को लेकर लगातार बयान आ रहे हैं। दिल्ली जामा मस्जिद के शाही इमाम रहे सैयद अहमद बुखारी ने भी इस हमले की निंदा की थी। वहीं मौजूदा शाही इमाम और अहमद बुखारी के बेटे शाबान बुखारी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद कहा कि 'घुसकर मारा, सबक सिखाया और आंतकियों को मिट्टी में मिलाया।' अब इस पर शाबान बुखारी के बेटे अरीब बुखारी का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में अरीब बुखारी कह रहे हैं, कश्मीर में जो कुछ भी हुआ, उससे मैं बहुत दुखी हूं। इस्लाम हमको आतंकवाद नहीं सिखाता। इस्लाम हमको प्यार और मुहब्बत सिखाता है। मैं दिल से कहता हूं कि जो आतंकवादी हैं, वो कभी मुसलमान हो ही नहीं सकते। हमें आतंकवाद के खिलाफ लड़ना चाहिए। साथ ही अरीब बुखारी ने कहा, नफरत न फैलाएं, हमको आपस में लड़ाई नहीं करनी चाहिए। हम सभी भारतीय हैं। जय हिंद।

तिहाड़ जेल में गजब लापरवाही, जमानत मिली किसी को, रिहा हो गया कोई और!

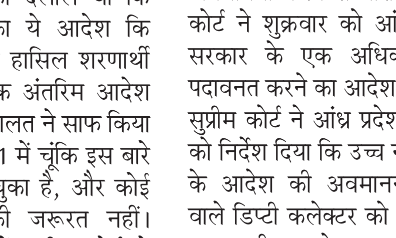

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। तिहाड़ जेल और अदालत प्रशासन की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। गैंगरेप से जुड़े एक मामले में कोर्ट ने जिस आरोपी को जमानत दी थी, उसकी जगह गलती से किसी और आरोपी को रिहा कर दिया गया। जब अदालत को इस गड़बड़ी का पता चला, तो उसने गलती से रिहा हुए आरोपी को तुरंत सरेंडर करने का आदेश दिया, लेकिन अब तक आरोपी ने सरेंडर नहीं किया है। वहीं, एक अन्य मामला जेल नंबर 8 से जुड़ा है, जहां एक अंडरट्रायल कैदी को उस स्थिति में रिहा कर दिया गया जब उसका जमानत आदेश पहले ही रद्द हो चुका था। तिहाड़ जेल प्रशासन ने इस चूक की पुष्टि करते हुए अदालत को पूरी जानकारी सौंप दी है।

ये था पूरी घटना

आरोपी बंटी उर्फ दशरथ सिंह ने अपने वकील एस.के। जैन के जरिए कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने अदालत को बताया कि मामला संदिग्ध है, क्योंकि पीड़िता ने घटना के सात दिन बाद पीसीआर कॉल की और मेडिकल जांच कराने से भी इनकार कर दिया। इसी आधार पर बंटी को जमानत देने की मांग की गई। अभियोजन पक्ष ने इसका विरोध किया, लेकिन दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने 6 मई 2025 को बंटी को एक जमानती के साथ 30,000 रुपये के बेल बॉन्ड पर सशर्त जमानत दे दी।

मिलता-जुलता केस

तिहाड़ की जेल नंबर 8 से एक और लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां एक अंडरट्रायल कैदी तीन अलग-अलग मामलों में जेल में बंद था। आरोपी को पहले दो मामलों में जमानत मिल चुकी थी और इसी आधार पर उसने तीसरे मामले में भी अपने वकील के जरिए जमानत की मांग की थी। सूत्रों के मुताबिक, शुरुआत में आरोपी को तीसरे मामले में भी जमानत मिल गई थी, लेकिन बाद में किसी कारणवश अदालत ने उसका बेल ऑर्डर रद्द कर दिया। हालांकि, यह जानकारी जेल प्रशासन तक समय पर नहीं पहुंची और आरोपी को रिहा कर दिया गया। जब इस गलती का पता चला, तो जेल अधिकारियों ने खुद अदालत को पूरे मामले की जानकारी दी।

मेरा हैदराबाद

सुविचार: जीवन में तूफ़ान आते है तो उससे लड़ना सीखो उससे कब तक भागते रहोगे ।

गच्चीबावली इंडोर स्टेडियम में मिस वर्ल्ड का उद्घाटन समारोह आज

मिस वर्ल्ड कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के विचारों के अनुरूप

फाइल फोटो

फाइल फोटो

हैदराबाद 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार बड़ी महत्वाकांक्षा के साथ मिस वर्ल्ड 2025 समारोह का आयोजन करेगी, जो संस्कृति और सौंदर्य का मिश्रण होगा। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के विचारों के अनुरूप, अधिकारी इन प्रतियोगिताओं में सुंदर कार्यक्रम आयोजित करेंगे जो तेलंगाना की संस्कृति, कला और परंपराओं को प्रतिबिंबित करेंगे। इन उत्सवों में तेलंगाना की विभिन्न प्रकार की लोक, जनजातीय, शास्त्रीय कलाओं तथा हैदराबाद में न पाए जाने वाले कला रूपों का संयोजन किया जाता है, तथा दुनिया भर में तेलंगाना की प्रसिद्धि और सांस्कृतिक वैभव को प्रदर्शित करने का प्रयास किया जाता है। दुनिया भर से हैदराबाद पहुंचने वाली खूबसूरत महिलाओं के स्वागत के लिए, इस महीने की 3 से 9 तारीख तक राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम, पेरीनी, कथक, ड्रम, बाजा भजनत्री और मंगला वाद्ययंत्रों का प्रदर्शन करने वाले समूहों के साथ उनका स्वागत करने की व्यवस्था की गई है। चौबीसों घंटे उपलब्ध इन कलाकारों ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भाग लेने आई सुंदरियों का हवाई अड्डे पर स्वागत किया।

जैसे ही वे सभी तेलंगाना की धरती पर हैदराबाद पहुंचे, उनका भगवा तिलक और आरती के साथ स्वागत किया गया। मिस वर्ल्ड का भव्य उद्घाटन समारोह कल (10 मई) गच्चीबावली इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जिसमें तेलंगाना की संस्कृति और कला का प्रभावशाली प्रदर्शन होगा। इनमें से पहला कार्यक्रम तेलंगाना राज्य गान के गायन से शुरू होता है। विश्व कवि डॉ. एन्डेसरी द्वारा लिखित इस गीत की रचना ऑस्कर विजेता एम.एम. केरावनी द्वारा रचित इस गीत को मिस वर्ल्ड समारोह में प्रसिद्ध गायक एवं प्रशिक्षक कोमांडुरी रामाचारी के विद्यार्थियों द्वारा 50 सदस्यीय गायन मंडली के रूप में गाया जाएगा। इसके बाद, पेरीनी नृत्य प्रदर्शन, जिसने काकतीय काल से तेलंगाना के शास्त्रीय नृत्य के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त की है, भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा। 250 महिला कलाकार पेरीनी लास्य परंपरा का पालन करते हुए इस नृत्य का प्रदर्शन करने जा रही हैं। इस नृत्य का निर्देशन पेरीनी संदीप ने किया तथा संगीत की रचना प्रसिद्ध संगीत विशेषज्ञ फणी नारायण ने की। लगभग दस मिनट लंबा यह नृत्य मुख्य रूप से सौंदर्य, संस्कृति और महिला सशक्तिकरण के विषयों पर प्रकाश डालता है। इसके अलावा, सभी कलाकार अपनी प्रस्तुति के हिस्से के रूप में एक तारे, एक तितली और मिस वर्ल्ड लोगो के आकार में एक साथ प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद कार्यक्रम की शुरूआत महाद्वीप के अनुसार तेलंगाना लोक और जनजातीय कला रूपों के प्रदर्शन के साथ होगी, जो दुनिया भर की सुंदर महिलाओं के परिचय की प्रस्तावना होगी। इनमें सींग नक्काशी कलाकारों के श्री रामकृष्ण समूह का प्रदर्शन भी शामिल होगा, जो भद्राचलम में गोदावरी बेसिन का एक स्तंभ बन गए हैं। इसके बाद, कटले श्रीधर के समूह के साथ दूसरे महाद्वीप की सुंदरियों को मंच पर पेश किया जाएगा, जो आदिलाबाद क्षेत्र के गोंड लोगों की एक अनूठी कला, गुसाडी का प्रदर्शन करेंगे। इसी तरह, तेलंगाना लोक परंपरा की एक विशिष्ट विशेषता के रूप में पहचाने जाने वाले ड्रम का प्रदर्शन उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार की मंडली द्वारा किया जाएगा और बंजारा महिलाओं की कलाबाजी, जो तेलंगाना के आदिवासी गौरव के प्रतीक के रूप में पहचानी जाती है, का प्रदर्शन श्रीमती स्वप्ना की मंडली द्वारा किया जाएगा। इसके बाद, ओग्गुडोलु कला का प्रदर्शन, जो तेलंगाना में ग्रामीण जीवन का प्रतीक बन गया है, उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार विजेता श्री चौधरीपल्ली रवि कुमार की मंडली द्वारा किया जाएगा। इसका अंतिम परिणाम इन सभी कला रूपों का सम्मिश्रण है। राज्य सरकार ने इस उद्घाटन समारोह को विशेष रूप से सौंदर्य और संस्कृति के संयोजन वाले समारोह के रूप में डिजाइन किया है।

तेलंगाना भवन, नई दिल्ली में नियंत्रण कक्ष स्थापित

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीमावर्ती राज्यों में रहने वाले तेलंगाना निवासियों के लिए तेलंगाना भवन, नई दिल्ली में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए, तेलंगाना सरकार ने नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है, जिसका उद्देश्य वर्तमान में सीमावर्ती राज्यों में रह रहे और फंसे हुए तेलंगाना के लोगों को समय पर सहायता, सूचना और सेवाएं प्रदान करना है।

निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए यह नियंत्रण कक्ष 24 घंटे संचालित होता है।

चंद्रशेखर रेड्डी ने तेलंगाना सीआईसी के रूप में शपथ ली

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय वन सेवा के पूर्व अधिकारी डॉ.जी. चंद्रशेखर रेड्डी ने शुक्रवार को तेलंगाना राज्य सूचना अधिकार अधिनियम आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में आधिकारिक रूप से शपथ ली।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने शपथ ग्रहण समारोह का संचालन किया, जो हैदराबाद के राजभवन के दरबार हॉल में हुआ। मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी, उपसभापति बंदा प्रकाश, राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष कोडंडा रेड्डी, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, डीजीपी जितेंद्र, राज्य चुनाव आयोग की आयुक्त रानी कुमिदिनी, सतर्कता आयुक्त एमजी गोपाल, सीएमओ अधिकारी शेषाद्रि, श्रीनिवास राजू, माणिक राज, श्रीनिवासुलु, राजभवन सचिव दाना किशोर, सरकार के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, महेश दत्त एक्का, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रघुनंदन राव, बुद्ध प्रकाश, विनय कृष्ण रेड्डी, अतिरिक्त डीजीपी महेश भागवत और अन्य इस कार्यक्रम में मौजूद थे। जी. चंद्रशेखर रेड्डी कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष तक या पैंसठ वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहेंगे।

बस से कुचलकर महिला इंजीनियर की मौत

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार देर रात मियापुर के मदीनागुडा में टीजीएसआरटीसी बस की चपेट में आने से दोपहिया वाहन पर सवार एक महिला सॉफ्टवेयर कर्मचारी की मौत हो गई।

पीड़िता की पहचान गोपी प्रिया (29) के रूप में हुई है, जो आरसी पुरम के अशोक नगर की रहने वाली थी और हाईटेक सिटी में एक सॉफ्टवेयर फर्म में काम करती थी। पुलिस के अनुसार, गोपी प्रिया अपने स्कूटर पर मियापुर से अपने घर जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। मदीनागुड़ा में यूपीएचसी के पास पहुंचने पर एक अज्ञात वाहन ने उसके स्कूटर को टक्कर मार दी और वह अपना संतुलन खोकर सड़क पर गिर गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि वह मुख्य सड़क पर गिर गई और पीछे से आ रही बस ने उसे कुचल दिया। नतीजतन, उसे गंभीर रक्तस्राव हुआ और उसे पास के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहाँ बाद में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसके परिवार के सदस्यों की शिकायत के आधार पर मियापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

तेलंगाना ईएपीसीईटी 2025 के नतीजे 11 मई को घोषित किए जाएंगे

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजीईएपीसीईटी) 2025 के नतीजे रविवार, 11 मई को घोषित किए जाने हैं। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, जो शिक्षा विभाग की भी देखरेख करते हैं, सुबह 11 बजे नतीजों का अनावरण करेंगे। घोषणा के बाद, उम्मीदवार वेबसाइट https://eapcet.tgche.ac.in/ पर अपने रैंक और स्कोर कार्ड देख सकेंगे। परीक्षा के आयोजन निकाय जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू)- हैदराबाद ने शुक्रवार को परिणाम घोषणाओं और अंतिम उत्तर कुंजियों को अंतिम रूप देने के लिए एक समिति की बैठक की। तेलंगाना में ईएपीसीईटी परीक्षाएं 29 अप्रैल से 4 मई तक आयोजित की गईं। कृषि और फार्मा प्रवेश परीक्षाएं 29 और 30 अप्रैल को आयोजित की गईं, और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं 2 से 4 मई तक आयोजित की गईं। इन परीक्षाओं में करीब 3 लाख छात्र शामिल हुए।

पूर्व तट रेलवे
निविदा आमंत्रण सूचना
निविदा सं. 30247002B, दिनांक : 05.05.2025
कार्य का नाम: COFMOW विनिर्देश संख्या COFMOW/HPSPMAE/2021 (संशोधन-0) या नवीनतम के अनुसार थ्री फेज लोको ट्रैक्शन मोटर्स के लिए पिनियन माउंटिंग और निष्कर्षण के लिए स्वचालित उच्च दबाव हाइड्रोलिक प्रणाली का डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, स्थापना, प्रशिक्षण, परीक्षण और कमीशनिंग, क्षमता - 2500 BAR सहवर्ती सहायक उपकरण और आवश्यक पुर्जों के साथ।
डवारंटी अवधि: डिलीवरी की तारीख के 30 महीने बाद।
मात्रा : 03 संख्यक।
द्रष्टव्य : सामग्री 60 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।
निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 04.06.2025 को 1500 बजे।
TPI एजेंसी द्वारा निरीक्षण किया जाता है ।
संपूर्ण विस्तृत विवरण : www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।
वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर
PR-110/Q/25-26

साइबर अपराध इकाई हैदराबाद ने दूसरे राज्यों से 24 आरोपियों को पकड़ा

पीड़ितों को 1 करोड़ 49 लाख रुपये वापस किए गए

हैदराबाद 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीते अप्रैल 2025 के महीने के दौरान साइबर अपराध इकाई हैदराबाद सिटी ने पूरे भारत से 24 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। वे पूरे भारत में 313 मामलों में शामिल हैं और तेलंगाना में 53 मामलों में उनकी संलिप्तता की पहचान की गई है। राज्यवार गिरफ्तार अभियुक्तों में (दिल्ली-11, बिहार-1, मध्य प्रदेश-1, महाराष्ट्र-5, उत्तर प्रदेश-3, पश्चिम बंगाल-3) से शामिल हैं। राज्यवार अलग-अलग मामलों में आरोपियों की संलिप्तता: (आंध्र प्रदेश 12, महाराष्ट्र 43, दिल्ली 24, हरयाणा 6, झारखंड 9, कर्नाटक 74, ओडिशा 12, पंजाब 4, तमिलनाडु 29, उत्तर प्रदेश 20, पश्चिम बंगाल 22, राजस्थान 8, गुजरात 14, मध्य प्रदेश 4, मिजोरम 1, पुडुचेरी 3, केरल 10, जम्मू और कश्मीर 2, बिहार 2, अंडमान और निकोबार 1, उत्तराकाण्ड 1, छत्तीसगढ़ 10, गोवा 2) में रही है। आरोपियों के पास से जब्त संपत्ति में मोबाइल फोन-31, चेक बुक-38, डेबिट कार्ड-29, सिम कार्ड-20, बैंक पास बुक-8, रबर स्टैम्प-5, शेल कंपनी स्टैम्प-4, लैपटॉप-4, साबुन बार्स-115, ओटीपी डिटेक्टर-2, क्यूआर कोड स्कैनर-2, पैन कार्ड-2, मेमोरी कार्ड-2, स्वाइप मशीन-1 आदि शामिल है। कुछ पता लगाए गए मामलों के संक्षिप्त तथ्य के रूप में हैदराबाद निवासी पीड़ित, डॉक्टर से एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें कहा गया था कि उनकी कंपनी उनके पंजीकृत ब्रांड नाम के तहत त्वचा देखभाल और बाल देखभाल उत्पाद बेचती है। पिछले महीने में, उन्होंने पाया है कि उनके ब्रांड के उत्पादों में से एक साबुन का अनधिकृत रूप से सफेद लेबल वाला निर्माण किया जा रहा है और तीसरे पक्ष के विक्रेताओं द्वारा ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर बेचा जा रहा है। नकली उत्पाद खरीदने और इस्तेमाल करने वाले निर्दोष ग्राहकों को स्वास्थ्य संबंधी समस्या और त्वचा संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अनधिकृत बिक्री से कंपनी के वैध कारोबारी राजस्व पर भी असर पड़ रहा है। इन विक्रेताओं की हरकतें ट्रेडमार्क उल्लंघन, गलत बयानी और अनुचित व्यापार प्रथाओं का गठन कर सकती हैं। इस संबंध में, आईटी अधिनियम-2008 की धारा 66 सी और डी, बीएनएस की धारा 318 (4) और 319 (2) और कॉपीराइट अधिनियम की धारा 63 और 65 के तहत अपराध संख्या 153/2025 के तहत पीएस साइबर क्राइम, हैदराबाद में मामला दर्ज किया गया है। इसी तरह दूसरे मामले में पीड़ित, हैदराबाद के एक 40 वर्षीय निजी कर्मचारी को 13 दिसंबर 2024 को फेसबुक मैसेंजर के माध्यम से एक अज्ञात व्यक्ति से एक संदेश मिला, जिसमें दावा किया गया था कि वह एक सॉफ्टवेयर डेवलपर है। जालसाज ने दावा किया कि इस तरह के रिटर्न केवल उनके प्लेटफॉर्म के माध्यम से ही संभव हैं और उन्होंने दो वेबसाइट साझा की। उन्होंने इन वेबसाइटों पर पीड़ित के लिए एक लॉगिन खाता बनाया, जिसके माध्यम से पीड़ित ने शुरू में जमा और कुछ निकासी की। पीड़ित द्वारा कुल 17,39,000- रुपये (केवल सत्रह लाख उनतीस हजार रुपये) का निवेश करने के बाद, वेबसाइट ने इस राशि को लाभ के रूप में प्रदर्शित किया। हालांकि, बाद में घोटालेबाजों द्वारा निकासी विकल्प को निष्क्रिय कर दिया गया। जब पीड़ित ने धन निकालने का प्रयास किया, तो जालसाज ने कराधान और मुद्रा रूपांतरण के लिए अतिरिक्त भुगतान की मांग की, यह दावा करते हुए कि उन शुल्कों का भुगतान करने के बाद ही निवेश की गई राशि वापस की जाएगी। डीसीपी साइबर क्राइम यूनिट हैदराबाद सिटी दारा कविता ने शिकायत के आधार पर, आईटी अधिनियम की धारा 66सी, 66डी और बीएनएस की धारा 318(4), 319(2), 336(3), 338 और 340(2) के तहत अपराध संख्या 381/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है और वर्तमान में पीएस साइबर क्राइम, हैदराबाद में जांच चल रही है। साइबर क्राइम यूनिट हैदराबाद सिटी ने अप्रैल 2025 के महीने में स्टॉक ट्रेडिंग और निवेश, फेडेक्स और मनी लॉन्ड्रिंग, ओटीपी धोखाधड़ी, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, ग्राहक सेवा धोखाधड़ी, एपीके फ़ाइल धोखाधड़ी और ऐसे अन्य 45 विभिन्न मामलों में कुल 1,49,85,333 रुपये (केवल एक करोड़ उनतालीस लाख अस्सी पांच हजार तीन सौ तैंतीस रुपये) की राशि वापस की।

बंजारा हिल्स मी-सेवा केंद्र के पास मलबे का ढेर हटाने के लिए जीएचएमसी से अपील

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स के रोड नंबर 7 पर मी-सेवा केंद्र के पास व्याप्त बदबू और गंदगी को सहन करने में असमर्थ, बंजारा हिल्स के निवासी और रोड नंबर 7 पर मी-सेवा केंद्र में आने वाले आगंतुक ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) से नागरिक सेवा केंद्र के बाहर के क्षेत्र में फैले कबाड़ और मलबे के विशाल ढेर को हटाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। बंजारा हिल्स रोड नंबर 7 पर मी-सेवा केंद्र एक व्यस्त केंद्र है, जहां नागरिक बिजली बिलों का भुगतान करने, सरकारी प्रमाणपत्रों के लिए आवेदन करने और अन्य प्रशासनिक कार्यों जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं का उपयोग करने के लिए आते हैं।

आगंतुकों की शिकायत है कि केंद्र के सामने का क्षेत्र अब कचरे के ढेर, टूटे हुए कंक्रीट स्लैब, प्लास्टिक कचरे और अन्य मलबे से भर गया है। यह गंदगी न केवल आगंतुकों के लिए रास्ता रोकती है, बल्कि एक गंदा और असुरक्षित वातावरण भी बनाती है। यह स्थिति उन लोगों के लिए एक बड़ी असुविधा बन गई है जो आवश्यक सेवाओं के लिए केंद्र पर निर्भर हैं, और अब समय आ गया है कि अधिकारी इस बढ़ती समस्या को दूर करने के लिए कदम उठाएं। सबसे ज़्यादा प्रभावित वरिष्ठ नागरिक और चलने-फिरने में असमर्थ लोग हैं, केंद्र तक पहुंचना एक संघर्ष बन गया है। मलबे के कारण चलना मुश्किल हो जाता है, और कचरा कीटों को आकर्षित कर रहा है, जिससे क्षेत्र में सभी के स्वास्थ्य को खतरा है। आगंतुक निराश हैं, और निवासी जीएचएमसी की ओर से कार्रवाई न किए जाने से निराश हैं, जबकि केंद्र इतना महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थान है। बंजारा हिल्स के निवासी जीएचएमसी से मलबे को हटाने और मी सेवा केंद्र के पास सफाई बनाए रखने में मदद करने के लिए जल्दी से कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं।

पूर्व तट रेलवे
निविदा आमंत्रण सूचना
निविदा सं. 30255441, दिनांक : 05.05.2025
कार्य का नाम: RDSO विनिर्देश संख्या RDSO/PE/SPEC/AC/0184-2015 (संशोधन 1) और RDSO पत्र संख्या EL/7.1.108/MSSBC दिनांक 17.09.2021 के अनुसार RDSO पत्र संख्या ELI7.1.108/SBC/MAIN. दिनांक 07.01.2022 के खंड B के SN 3 के अनुसार तकनीकी मापदंडों और अनुमोदित मेक के अनुरूप एयरोसोल अग्नि जांच एवं दमन प्रणाली कारतूस 1 संख्या 8/10 ग्राम ऑनबोर्ड पैनल में और 1 संख्या 100 ग्राम अंडरस्लंग पैनल में प्रदान किया जाना है। इसे एलएचबी नॉन-एसी कोचों के एसबीसी में स्थापित किया जाएगा। इसे एलएचबी नॉन-एसी कोचों के SBC में स्थापित किया जाएगा। इस आइटम की स्थापना के लिए आवश्यक सभी आवश्यक संशोधन, बैक पीस, माउंटिंग सहायक उपकरण आदि आपूर्तिकर्ता के अधिकार क्षेत्र में होंगे। खोरधा रोड मण्डल के लिए 625 संख्यक, वाल्टियर मण्डल के लिए 420 संख्यक, संबलपुर मण्डल के लिए 50 संख्यक, मेमु/खोरधा रोड के लिए 05 संख्यक एवं कैरिज मरम्मत कार्यशाला/ मन्चेश्वर के लिए 100 संख्यक। (कुल 1200 संख्यक), (01 नंबर = 01 कोच सेट) [वारंटी अवधि: डिलीवरी की तारीख से 30 महीने बाद]
[निरीक्षण एजेंसी: TPI, स्टेज निरीक्षण: नहीं, चरण: 0]
मात्रा : 1200 सेट।
द्रष्टव्य : अनुबंध जारी होने के बाद 0 दिनों के भीतर डिलीवरी शुरू होनी चाहिए और उसके बाद 3 महीने के भीतर पूरी होनी चाहिए। आपूर्ति की दर: आपूर्ति और स्थापना उसके बाद तीन महीने के भीतर पूरी होनी चाहिए।
निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 30.05.2025 को 1500 बजे।
TPI एजेंसी द्वारा निरीक्षण किया जाता है ।
संपूर्ण विस्तृत विवरण : www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।
वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर
PR-109/Q/25-26

CLASSIFIEDS
2 BEDROOM FLAT FOR SALE
IMMEDIATELY FOR SALE 2 BEDROOM WELL FULL FURNISHED FLAT 2 BED ROOM, HALL KICHEN, FLAT FOR SALE, 1312 SFT, NORTH FACING AT VISTA CASTLE, NJR & KLR NAGAR, MEDCHAL VILLAGE, HYDERABAD, NO LOAN, CLEAR PROPERTY
CONTACT: NALIN MEHTA
9347584510

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बिजली की जरूरतों के लिए अगले पांच वर्षों की कार्ययोजना तैयार करें : भट्टी

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में भविष्य की बढ़ती बिजली जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने तेलंगाना बिजली उपयोगिताओं के प्रबंधन को सभी क्षेत्रों को गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अगले पांच वर्षों के लिए एक कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया था। कार्ययोजना के संबंध में शुक्रवार को सचिवालय में राज्य बिजली उपयोगिताओं के प्रबंधन के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव और बिजली उपयोगिताओं के सीएमडी ने अगले पांच वर्षों में दर्ज की जाने वाली मांग के अनुमान और तदनुसार उपयोगिताओं द्वारा की जाने वाली गतिविधियों पर प्रस्तुतियां प्रस्तुत कीं। सबसे पहले ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया ने जेनको, ट्रांसको, उत्तर व दक्षिण वितरण कंपनियों और रेडको की मौजूदा स्थिति पर रिपोर्ट पेश की। उन्होंने कहा कि 1 मई तक मौजूदा क्षमता 20,883 मेगावाट है, जबकि कुल अनुबंधित क्षमता 26,183 मेगावाट है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने अनुमान लगाया है कि वित्तीय वर्ष 2030 तक बिजली की अधिकतम मांग 24215 मेगावाट तक पहुंच जाएगी। उन्होंने बताया कि इस मांग को पूरा करने के लिए सिंगरेनी, एनटीपीसी और जेनको जैसी बिजली उत्पादन कंपनियां आवश्यक कदम उठा रही हैं। टीजी ट्रांसको के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक कृष्ण भास्कर ने कहा कि 2024 में दर्ज की गई अधिकतम बिजली मांग की तुलना में इस साल अधिकतम मांग में 9.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने अनुमान लगाया था कि इस वर्ष राज्य में अधिकतम मांग 16,877 मेगावाट तक पहुंच जाएगी, लेकिन वास्तव में अधिकतम मांग 17,162 मेगावाट दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उनकी परिवर्तन क्षमता 41954 एमवीए है। उन्होंने दिसंबर 2023 से मई 2025 के बीच 3158 एमवीए क्षमता जोड़ी। 2030 तक 122 अतिरिक्त सबस्टेशन बनाकर मौजूदा 389 ईएचटी सबस्टेशनों को बढ़ाकर 511 किया जा रहा है। तेलंगाना लिमिटेड की दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुशर्रफ फारुकी ने कहा कि कंपनी के क्षेत्र में अधिकतम मांग, जो पिछले साल 9862 मेगावाट थी, इस साल 10.48 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11017 मेगावाट हो गई है।

इस साल 10 हजार मेगावाट का मील का पत्थर आसानी से पार कर लिया गया है। मुशर्रफ फारुकी ने कहा कि तेलंगाना राज्य में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए गंतव्य साइबर सिटी सर्कल क्षेत्र में बिजली की अधिकतम मांग पिछले साल की तुलना में 33.69 प्रतिशत बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पिछले साल कंपनी के क्षेत्र में बिजली की खपत के आधार पर उन क्षेत्रों को चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। सीएमडी ने कहा कि पांच साल की कार्य योजना के संबंध में 5330 एमवीए की क्षमता वाले 410 नए 33/11 केवी सबस्टेशनों के निर्माण के लिए उचित व्यवस्था की गई है। नॉर्दर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ऑफ तेलंगाना लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक वरुण रेड्डी ने कहा कि कंपनी के अधिकार क्षेत्र में अधिकतम मांग, जो पिछले साल 5816 मेगावाट थी, इस साल बढ़कर 6281 मेगावाट हो गई है। उन्होंने कहा कि मंचेरियल जिले में अधिकतम मांग में सबसे ज्यादा 24.64 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वरुण रेड्डी ने कहा कि संगठन के भीतर जिन क्षेत्रों में मांग बढ़ रही है, उन्हें भी तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि पांच वर्षीय कार्य योजना के संबंध में 1710 एमवीए की क्षमता वाले 342 नए सबस्टेशनों के निर्माण के लिए उचित व्यवस्था की गई है। रेडको की उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अनिला ने कहा कि वर्तमान में तेलंगाना में 7,913 मेगावाट की क्षमता वाले सौर ऊर्जा संयंत्र हैं और 2030 तक इसे बढ़ाकर 19,874 मेगावाट करने के उपाय किए जा रहे हैं।

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डीअन्नारम, हैदराबाद -500036, तेलंगाना, भारत
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad-500 0036, Telangana, India
040-24067388
9493627388
Website: http://niimh.nic.in

अधिसूचना. 04/2025

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजनाएँ **एसआरएफ (आयु.)-07, एसआरएफ (वनस्पति विज्ञान)-01 और जेआरएफ (इतिहास/पुरातत्व/नृविज्ञान)-01** पद के लिए आवेदन का निमंत्रण है। पूर्ण विवरण इस वेबसाइट http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर मोबाइल नंबर 9493627388 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रभारी सहायक निदेशक

लालू पर केस चलाने के लिए राष्ट्रपति से मंजूरी की जरूरत क्यों पड़ी

क्या कहता है कानून

पटना, 9 मई (एजेंसियां)। 'लैंड फॉर जॉब' मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व रेल मंत्री के खिलाफ केस चलाने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंजूरी दे दी। रेलवे में नौकरी के बदले जमीन के मनी लॉड्रिंग से जुड़ा मामला है। राष्ट्रपति ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 197(1) (अब भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 218) के तहत मंजूरी दी। इस मामले की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की तरफ से दर्ज की गई प्राथमिकी (एफआईआर) के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपनी जांच शुरू की है।

राष्ट्रपति से क्यों लेनी पड़ी परमिशन?

कानून के जानकारों के अनुसार, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 218 न्यायाधीशों और लोक सेवकों पर उनके आधिकारिक कर्तव्यों के दौरान किए गए अपराधों के लिए मुकदमा चलाने के प्रोटोकॉल का फॉर्मेट तैयार करती है। इस लिहाज से, ये जरूरी है कि कोई भी अदालत उचित सरकारी प्राधिकरण की पूर्व मंजूरी के बिना ऐसे अपराधों का संज्ञान नहीं ले सकती है। इस नियम का उद्देश्य अधिकारियों को दुर्भावनापूर्ण मुकदमों से बचाना होता है। ये सुनिश्चित करना है कि वे बिना किसी अनुचित हस्तक्षेप के अपने कर्तव्यों का पालन कर सकें। चूंकि सांसद-विधायक के मामले में उचित प्राधिकारी राष्ट्रपति हैं, इसलिए उनसे अनुमति मांगी गई। जब लैंड फॉर जॉब स्कैम हुआ तो लालू यादव रेल मंत्री थे, इसलिए राष्ट्रपति की परमिशन जरूरी थी।

लालू यादव पर क्या हैं आरोप?

ईडी ने इस मामले में विशेष अदालत (पीएमएलए) नई दिल्ली के सामने अमित कत्याल और लालू प्रसाद यादव के परिवार के सदस्यों यानी राबड़ी देवी, मीसा भारती, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव, हेमा यादव और दो संबद्ध कंपनियों एके इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, एबी एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत 8 जनवरी 2024 को अपनी अभियोजन शिकायत (पीसी) दायर की। रेलवे में इस भर्ती के लिए विज्ञापन या कोई सार्वजनिक नोटिस जारी नहीं किया था। बिहार के रहने वाले लोगों को मुंबई, जबलपुर, कोलकाता, जयपुर और हाजीपुर के जोनल रेलवे में नौकरी मिली थी। पटना में 1,05,292 फुट जमीन लालू परिवार के नाम ट्रांसफर की गई। इस मामले में सीबीआई ने लालू प्रसाद के अलावा उनकी पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के साथ 14 अन्य को आरोपी बनाया है।

'लैंड फॉर जॉब' मामला क्या है?

नौकरी के बदले जमीन लेने के मामले में दर्ज एफआईआर में आरोप है कि लालू यादव ने साल 2004 से 2009 तक रेल मंत्री रहते हुए ग्रुप डी में नौकरी के लिए धांधली की। इच्छुक उम्मीदवारों या उनके परिवारों की जमीन को अपने नजदीकियों के नाम लिखवाए गए। बाद में उन जमीनों को अपने या अपने परिवार वालों के नाम पर ट्रांसफर कराया गया। मतलब, नौकरी के बदले रिश्वत के तौर पर जमीन ली गई। इसी मामले में लालू यादव के साथ उनके परिवार के लोग आरोपी हैं। सीबीआई ने इस मामले में तीन आरोप पत्र और पूरक आरोप पत्र भी दाखिल किया है।

एम्स दिल्ली से पटना लौटे लालू यादव

राजद अध्यक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा सेना के शौर्य पर गर्व

पटना राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव 36 दिनों के लंबे इलाज के बाद शुक्रवार की देर रात दिल्ली से पटना पहुंचे। दिल्ली एम्स के कार्डियो क्रिटिकल केयर यूनिट में उनका इलाज चल रहा था। पटना पहुँचने पर उनकी बेटी और राज्यसभा सांसद मीसा भारती ने बताया कि लालू प्रसाद यादव की तबीयत अब ठीक है, और धीरे-धीरे वह बेहतर हो जायेंगे। 2 अप्रैल को तबीयत बिगड़ने पर लालू यादव को पटना के पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उन्हें तुरंत एम्स दिल्ली रेफर किया गया था। पटना एयरपोर्ट पर लालू को व्हीलचेयर पर लाया गया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव और मीसा भारती उनके साथ मौजूद थे। उनके समर्थकों ने "लालू यादव जिंदाबाद" के खूब नारे लगाए। ऑपरेशन सिंदूर पर पूछने पर लालू प्रसाद यादव ने कहा कि- "हमें हमारी सेना पर गर्व है। हमारी सेना ने जो साहस दिखाया, उस पर पूरे देश को गर्व है। जय हिंद!" उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की हर हरकत का जवाब सेना देना जानती है। वहीं राज्यसभा सांसद मीसा भारती ने कहा कि अब भारत चुप नहीं बैठेगा। मीसा भारती ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए भी लिखा है कि, "ऑपरेशन सिंदूर ने बता दिया है कि भारत अब केवल सहने वाला नहीं, जवाब देने वाला देश बन गया है। पाकिस्तान को अब हरकतों का अंजाम भुगतना होगा। सेना को सलाम।"

ज्वाइनिंग लेटर के साथ सेना की नौकरी करने पहुंचे युवक, हकीकत सामने आते ही एसटीएफ ने कर्नल को किया गिरफ्तार

लखनऊ, 9 मई (एजेंसियां)। सेना में भर्ती के नाम पर 24 युवकों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के सरगना को एसटीएफ ने विभूतिखंड थाना क्षेत्र से गुरुवार को गिरफ्तार किया। फर्जी ज्वाइनिंग लेटर युवकों को दिया तो ठगी की जानकारी हुई। एसटीएफ ने आरोपी के पास से नकदी व दस्तावेज बरामद किए हैं। खुद को कर्नल बताकर ठगी करता था। फिलहाल, पूछताछ कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक विशाल विक्रम सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी चंदौली के धानापुर बमनियांव रायपुर निवासी रविकांत यादव है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वर्ष 2018 में हाईस्कूल पास कर भारतीय सेना में सिपाही के पद पर भर्ती हुआ था। वर्ष 2021 में सेना से छुट्टी लेकर घर आया था, गांव के आसपास के लोगों को बताया कि वह सेना में कर्नल है। सेना में भर्ती करा सकता है। इसके बाद उसने चार युवकों से लगभग 20 लाख रुपये लेकर फर्जी ज्वाइनिंग लेटर दिया था। उन लोगों ने चंदौली के धानापुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था।

भारत-पाक तनाव के बीच वरुण गांधी ने कहा पाक आतंकी एजेंडों का मोहरा

पीलीभीत, 9 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित पीलीभीत से पूर्व सांसद और बीजेपी के नेता वरुण गांधी ने भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव पर पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए एक ओर जहां लोगों से अपील की है कि सभी भारतीय सेना के साथ खड़े हों तो वहीं दूसरी ओर बीजेपी नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लीडरशिप पर गर्व जताया। पूर्व सांसद ने लिखा- इन चुनौतीपूर्ण क्षणों में देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह हमारी सेना के साथ चट्टान की तरह खड़ा रहे। यह मात्र एक युद्ध नहीं, दो विचारधाराओं का टकराव है और पूरी दुनिया इसकी साक्षी है। एक ओर भारत है, जो मानवता, शांति और लोकतंत्र का प्रहरी है; दूसरी ओर पाकिस्तान, जो कट्टरता, अस्थिरता और आतंक का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने लिखा भारत जहाँ स्थिर और सशक्त नेतृत्व के साथ आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहा है, वहीं पाकिस्तान राजनीतिक रूप से अस्थिर है और आतंकी एजेंडों का मोहरा बना हुआ है। अंतर केवल रणनीति का नहीं, नीति और नीयत का भी है। हमारी सेना राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सेवा-भाव से प्रेरित है, और उनकी सेना घृणा, भ्रम और छल से। उन्हें मासूम और निर्दोष नागरिकों तक को मारने में भी कोई संकोच नहीं। बीजेपी नेता ने लिखा कि आज पूरा देश एकजुट होकर वीर सैनिकों के बलिदान और पराक्रम को सलाम कर रहा है। हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश के सशक्त नेतृत्व पर गर्व है, जिसने दृढ़ संकल्प के साथ दुनिया को दिखा दिया है कि मानवता और न्याय की रक्षा में भारत कभी पीछे नहीं हटेगा। दुनिया अब जान और समझ गई है कि 'नया भारत' निर्णय लेने से डरता नहीं है। वह हर नागरिक की सुरक्षा को सर्वोच्च मानता है। जय हिन्द, जय हिन्द की सेना।

'26 का बदला 2600 से', पाकिस्तान को चुभेगी तौकीर रजा की ये बात

लखनऊ, 9 मई (एजेंसियां)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को जो मुंह तोड़ जवाब दिया है, उससे इत्तेहाद ए मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए 26 मासूमों का बदला 2600 होना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। भारत ने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि कोई भी गुस्ताखी की तो जवाब जोरदार मिलेगा, पाकिस्तान फिर भी नहीं माना और गुरुवार (8 मई, 2025) को उसने 15 शहरों के सैन्य ठिकानों पर हमला करने की नाकाम कोशिश की। इस गुस्ताखी की वजह से लाहौर, इस्लामाबाद और कराची जैसे बड़े शहरों में जो तबाही मची है, वो पाकिस्तान कभी भूल नहीं पाएगा। तौकीर रजा ने पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान पर खूब गुस्सा निकाला और भारतीय सेना को मुबारकबाद दी, जिसने आम नागरिकों का ख्याल रखते हुए आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। तौकीर रजा ने यह भी कहा कि ये तो उस जख्म पर मरहम मात्र है, जो पहलगाम में 26 निर्दोषों की निर्मम हत्या से मिला है, पाकिस्तान का पूरा इलाज होना तो अभी बाकी है। तौकीर रजा ने कहा, "मैं ये समझता हूं कि ये जो जख्म दिया गया है, उस पर ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ मरहम है, पाकिस्तान का पूरा इलाज होना अभी बाकी है। हिंदुस्तान ने हमेशा सब्र किया। आतंकवादी हमले बार-बार होते रहे, लेकिन हद तब हो जाती है, जब आईएसआई देख-देख कर और हमारे मुल्क में अफरा-तफरी पैदा करने की कोशिश की जाती है, माहौल को खराब करने की कोशिश की जाती है और मुल्क की गंगा-जमनी तहजीब से खिलवाड़ करने की कोशिश की जाती है।' तौकीर रजा का कहना है कि हिंदुस्तान में 26 बेकसूरों को मारा गया था और पाकिस्तान ने भी हमले के बाद पहले 26 के मारे जाने की ही पुष्टि की थी, जबकि वहां मरने वाले आतंकियों की तादाद ज्यादा है, वो छिपा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 26 का बदला 26 नहीं 2600 होना चाहिए और इस संकट की घड़ी में हम अपने मुल्क के साथ खड़े हैं। मौलाना तौकीर रजा ने मांग की है कि पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले 26 मासूमों को भारत सरकार शहीद का दर्जा दे। पाकिस्तान में जिस तरह आतंकियों का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया, उस पर उन्होंने कहा, 'हम देख रहे हैं कि पाकिस्तान में जो आतंकी मारे गए, उनको राष्ट्रीय सम्मान दिया जा रहा है और उन्हें पाकिस्तान के झंडे में लपेटा गया तो पहलगाम में जो बेकसूर शहीद हुए हैं, उनको शहीद का दर्जा मिलना चाहिए।'

सीएम योगी बोले

सोशल मीडिया की अफवाहों से बचें भारत हर हाल में विजयी रहेगा

लखनऊ, 9 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पहलगाम पर हमला किया था। प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प था और हमारे सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। हमें अपने सशस्त्र बलों के साथ खड़ा होना है और उनका मनोबल बढ़ाना है। आज आप पाकिस्तान को दुनिया के सामने कराहते हुए देख सकते हैं। सोशल मीडिया पर तरह-तरह की अफवाहें फैलाई जाएंगी। हमें प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में काम करते रहना है। भारत हर परिस्थिति में विजयी है और आगे भी विजयी रहेगा। मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को लखनऊ के महाराणा प्रताप चौक, हुसैनगंज चौराहा के पास महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा के सौन्दर्यीकरण का लोकार्पण करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

प्रशासन ने कसी कमर, लगातार की जा रही निगरानी

बता दें कि देश में युद्ध के हालातों के बीच छावनी, रेलवे, एयरपोर्ट प्रशासन ने कमर कस ली है। इन जगहों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सभी जगह एंट्री व निकासी पर कड़ी जांच की जा रही है। रेलवे स्टेशनों की निगरानी ड्रोन से करने की तैयारी है। ट्रेनों में आरपीएफ एस्कॉर्ट बढ़ाया जा रहा है तथा एयरपोर्ट पर बुलेटप्रूफ गाड़ियों से गश्त बढ़ाई गई है। सेना का खुफिया तंत्र भी मुस्तैद हो गया है। हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है।

किशोरों के बीच सहमति से बना प्रेम संबंध अपराध नहीं

हाईकोर्ट ने कहा- पॉक्सो एक्ट का उद्देश्य बच्चों को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा देना, न कि अपराध की श्रेणी में डालना

प्रयागराज, 9 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पॉक्सो एक्ट का उद्देश्य बच्चों को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा देना है, न कि किशोरों के बीच आपसी सहमति से बने प्रेम संबंधों को अपराध की श्रेणी में डालना। न्यायमूर्ति कृष्ण पहल ने यह टिप्पणी राज सोनकर की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कही। जिसे एक नाबालिग लड़की से प्रेम संबंध के मामले में गिरफ्तार किया गया था। चंदौली निवासी 18 साल के राज सोनकर पर थाना चकिया, चंदौली में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 87, 65(1) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। राज सोनकर की ओर से अधिवक्ता

ने दलील दी कि आरोपी पूर्णतः निर्दोष है और उसे झूठे मुकदमे में फंसाया गया है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि एफआईआर दर्ज करने में 15 दिनों की अत्यधिक देरी हुई है, जिसके पीछे कोई तर्कसंगत स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। पीड़िता की उम्र भले ही शैक्षणिक अभिलेखों के अनुसार 16 वर्ष से थोड़ी कम है, परंतु आरोपी स्वयं भी मात्र 18 वर्ष का किशोर है। इस प्रकरण में दोनों के बीच सहमति से बना प्रेम संबंध है, जो कि किशोरावस्था का एक स्वाभाविक व्यवहार माना जाना चाहिए।

बच्चों को यौन शोषण से सुरक्षा देने के लिए बना था कानून

कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि "पॉक्सो एक्ट का निर्माण 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन शोषण से सुरक्षा देने के लिए किया गया था। लेकिन वर्तमान समय में यह कानून कई बार स्वयं किशोरों के शोषण का माध्यम बनता जा रहा है। यह अधिनियम कभी भी किशोरों के आपसी सहमति वाले प्रेम संबंधों को अपराध मानने के लिए नहीं बना था। कोर्ट को हर मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर विचार करना होता है। अगर प्रेम संबंध सहमति से बने हों और पीड़िता भी आरोपी के पक्ष में बयान देती है, तो आरोपी को जेल में रखना न्याय की भावना के विरुद्ध होगा।"

कोर्ट ने आरोपी को दी जमानत

कोर्ट ने जमानत याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि आरोपी के विरुद्ध कोई पूर्व आपराधिक इतिहास नहीं है और वह 7 मार्च 2025 से जेल में बंद है। घटना की मेडिकल पुष्टि भी नहीं हो सकी है, और एफआईआर दर्ज करने में असामान्य विलंब हुआ।

इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए आरोपी को सशर्त जमानत प्रदान की जाती है।

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा था कि पोक्सो एक्ट के तहत सहमति की उम्र पर चर्चा जरूरी

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायपालिका को पोक्सो एक्ट के तहत कंसेंट (सहमति) की उम्र कम करने को लेकर चल रही बहस पर ध्यान देना चाहिए। नई दिल्ली में प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेन्सिस (पोक्सो) एक्ट पर हुए कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही थी।

उन्होंने कहा था कि सब जानते हैं कि पोक्सो एक्ट 18 साल से कम उम्र वालों के बीच सेक्शुअल एक्ट को आपराधिक मानता है, ये देखे बिना कि नाबालिगों के बीच सहमति थी या नहीं, क्योंकि कानून के मुताबिक 18 से कम उम्र वालों के बीच सहमति नहीं होती है।

17 साल का प्रेमी, 15 की प्रेमिका इश्क मुकम्मल न हुआ तो दोनों पहुंचे जंगल, फिर उठाया ये खौफनाक कदम

सोनभद्र, 9 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में 17 साल के लड़का और 15 साल की लड़की के शव मिलने से हड़कंप मच गया। दोनों के शव पीपल के पेड़ पर लटके हुए थे। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था और वह एक-दूसरे के साथ शादी करना चाहते थे। लेकिन, नाबालिग होने की वजह से उनकी उम्र आड़े आ रही थी, जब परिवार के लोगों को घटना की जानकारी हुई तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। घटना के बाद दोनों के घर में कोहराम मच गया। दोनों ने गांव से दूर जंगल में पीपल के पेड़ से लटक कर अपनी जान दे दी। गांव वालों की सूचना पर पहुंची पुलिस और परिवार के लोग वहां का नजारा देख चौंक गए। मामला जिले के रामपुर बरकोनिया थाना क्षेत्र के बैजनाथ गांव का है।

कासगंज की राजनीति में खलबली: चेयरमैन के खिलाफ बगावत में उतरे 13 सभासद, डीएम मेधा रूपम को सौंपा इस्तीफा

कासगंज, 9 मई (एजेंसियां)। नगरपालिका की चेयरमैन और उनके पति के व्यवहार और कार्य से असंतुष्ट होकर 13 सभासदों ने जिलाधिकारी को इस्तीफा सौंप दिया। सभासदों का कहना है कि उनके वार्ड में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी तक नहीं दी जाती। चेयरमैन से पूछा तो वह संतोषजनक जवाब भी नहीं देतीं। डीएम ने अभी इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। नगरपालिका में कुल 25 सभासद हैं। इनमें से 13 सभासद गुरुवार शाम डीएम मेधा रूपम से मिलने पहुंचे। इनमें वार्ड संख्या तीन की सत्यवती, वार्ड 18 के दिलीप कुमार, वार्ड 15 की प्रेमलता, वार्ड चार के गौरव यादव, वार्ड 14 के रामखिलाड़ी, वार्ड 19 के अभिषेक यादव, वार्ड 21 के मनोज कुमार, वार्ड 25 की किशवर जहां, वार्ड दो के वाहिद, वार्ड 11 की पिंकी, वार्ड 17 के दीपक उर्फ दीपू, वार्ड एक के शील प्रिय, वार्ड 12 के अंजू यादव और वार्ड 18 के जितेंद्र सिंह थे। इनका आरोप था कि उनको बताए बिना उनके वार्ड में अनाधिकृत रूप से विकास कार्य किया जा रहा है। वार्ड तीन में पुलिया का निर्माण कार्य चल रहा है। इसकी जानकारी वार्ड के सभासद को नहीं दी गई। सभासद सत्यवती के पुत्र दीपक ने बताया कि सात मई की दोपहर कार्य करा रहे ठेकेदार सुनील गुप्ता उर्फ मंत्री से उन्होंने पूछा तो ठेकेदार ने अभद्रता शुरू कर दी। जाति सूचक शब्द कहे। इस संबंध में उन्होंने थाने में भी तहरीर दी है। जब निर्माण कार्य के संबंध में नगरपालिका की अधिशासी अधिकारी पूजा श्रीवास्तव से पूछा तो उन्होंने निर्माण कार्य की जानकारी से अनभिज्ञता जताई। जेई निर्माण भी इससे अनभिज्ञ थे। उन्होंने कहा कि पुलिया के निर्माण का ठेका भी नहीं उठा है। न ही सुनील गुप्ता उर्फ मंत्री नगरपालिका का ठेकेदार भी नहीं है। इस संबंध में जब नगरपालिका चेयरमैन मीना माहेश्वरी से मुलाकात की तो उनको सभासदों के प्रति व्यवहार सही नहीं था। वह अनाधिकृत रूप से कार्य कर रहे ठेकेदार का ही पक्ष ले रहे थे। दीपक ने बताया कि ये उनके मां के वार्ड में ही नहीं हो रहा बल्कि अन्य वार्डों में भी ऐसा ही चल रहा है। इससे खफा 13 सभासदों ने डीएम को इस्तीफा सौंप दिया है। उन्होंने दस दिन का समय मांगा है। सभासदों ने कहा कि दस दिन में समाधान नहीं होता तो फिर आंदोलन करेंगे।

फर्जी खबरों पर ध्यान न दें भारत-पाक तनाव के बीच अखिलेश की लोगों से अपील

लखनऊ, 9 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोगों से संयम और जिम्मेदार नागरिक के तौर पर व्यवहार करने की अपील की है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे ऑनलाइन प्रसारित होने वाली गलत सूचनाओं या ऐसी खबरें जिसकी पुष्टि नहीं की गई हो उसपर खबरों पर ध्यान नहीं दें। उन्होंने गुरुवार रात सोशल मीडिया एक्स कहा कि हमें अपने देश की बहादुर सेना पर गर्व है। हम सब देश के साथ हैं। उन्होंने लोगों से शांत रहने और किसी भी तरह की गलत रिपोर्ट को शेयर करने से बचने की अपील की। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा गलत कंटेंट किस तरह से लोगों के बीच पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि हो सकता है को गलत सूचना अशांति पैदा करने की दुश्मन की रणनीति हो। अखिलेश यादव ने कहा कि संकट का समय समझदारी की और भी ज्यादा मांग करता है। सभी देशवासियों से अपील है कि किसी भी गलत समाचार और सूचना पर न तो विश्वास करें, न ही आगे शेयर करें।

नरकटियागंज सीट से चुनाव लड़ेंगे बाहुबली राजन तिवारी

पश्चिम चंपारण, 9 मई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर सूबे की राजनीति में हलचल तेज हो चुकी है। सभी दलों ने अपनी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है और संभावित उम्मीदवारों ने मैदान में उतरना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में पश्चिम चंपारण जिले की नरकटियागंज विधानसभा सीट इस बार खासा सुर्खियों में है। इसकी वजह है पूर्व विधायक राजन तिवारी, जिन्होंने साफ-साफ एलान कर दिया है कि वे इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर नरकटियागंज से चुनाव लड़ेंगे। राजन तिवारी ने कहा, "जिस तरह सूर्य का पूरब से निकलना तय है, उसी तरह नरकटियागंज से मेरा चुनाव लड़ना तय है। मैंने पार्टी के लिए मेहनत की है, अब मैं अपनी मजदूरी मांग रहा हूं।"

लगातार क्षेत्र में कर रहे हैं जनसंपर्क

राजन तिवारी के मुताबिक, उन्हें क्षेत्र की जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। वे लगातार जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं और हर वर्ग के लोगों से जुड़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि लोग उन्हें आशीर्वाद दे रहे हैं और नरकटियागंज की जनता खुद उन्हें चुनावी मैदान में देखना चाहती है।

राजन तिवारी ने कहा- मेरे जीन में संघ का खून है

सिर्फ राजनीति ही नहीं, सामाजिक कार्यों से भी जुड़ाव रखने वाले राजन तिवारी ने बताया कि वे पहले भी जनप्रतिनिधि रह चुके हैं और अब पूरी तरह समाजसेवा में जुटे हैं। वे संघ से जुड़े हुए हैं और खुद को 'संघी' बताते हैं। उन्होंने कहा, "मेरे जीन में संघ का खून है। मैं बाल एकल सेवक रहा हूं, और मेरी शिक्षा गोरखपुर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर से हुई है।" राजन तिवारी का कहना है कि उन्होंने बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व को अपनी दावेदारी की जानकारी दे दी है और उन्हें टिकट मिलने का भरोसा है। हालांकि नरकटियागंज सीट से अन्य दावेदार भी टिकट के लिए सक्रिय हैं, जिससे मुकाबला दिलचस्प होता जा रहा है।

वर्तमान में रश्मि वर्मा हैं विधायक

गौरतलब है कि वर्तमान में नरकटियागंज से भाजपा की रश्मि वर्मा विधायक हैं। अगर राजन तिवारी को टिकट मिलता है तो यह सीट 2025 के चुनाव में राजनीतिक गर्मी का केंद्र बन सकती है। बाहुबली से समाजसेवी बने राजन तिवारी की वापसी ने इस बार के चुनावी समीकरणों को और रोचक बना दिया है।

भारत पाकिस्तान तनाव के बीच आरएसएस प्रमुख का बड़ा बयान, ऑपरेशन सिंदूर से मिला न्याय

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले तीन दिन से तनाव जारी है। पहलगाम में पाकिस्तान के आतंकियों ने सैलानियों पर जो हमला किया गया था, उसका बदला भारतीय सेना की ओर से ले लिया गया है। भारत ने पाकिस्तान के आतंकी कैंपों को बुरी तरह से तबाह कर दिया और भारी संख्या में आतंकियों को मौत के घाट भी उतार दिया गया है। इसके बाद वे पाकिस्तान बौखलाया हुआ है और भारत पर गोलाबारी कर रहा है। इस बीच भारतीय सेना इसका माकूल जवाब भी दे रही है। अब इस पूरे मामले पर आरएसएस प्रमुख का बयान सामने आया है। जिसमें सेना के शौर्य और साहस की जहां एक ओर तारीफ की गई है, वहीं भारतीय नागरिकों से भी सहयोग की बात कही गई है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बयान आया सामने

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया है कि पहलगाम की कायरतापूर्ण आतंकवादी घटना के बाद पाकिस्तान की ओर से प्रायोजित आतंकवादियों और उनके समर्थकों पर की जा रही निर्णायक कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारत सरकार के नेतृत्व और सैन्यबलों का हार्दिक अभिनंदन। आरएसएस की ओर से कहा गया है कि हिंदू यात्रियों के नृशंस हत्याकांड में आहत परिवारों और पूरे देश को न्याय दिलाने के लिए हो रही इस कार्रवाई ने समूचे देश के स्वाभिमान एवं हिम्मत को बढ़ाया है।

भारतीय सेना की ओर से उठाया गया कदम बहुत जरूरी

सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि हमारा यह भी मानना है कि पाकिस्तान में आतंकियों, उनके ढांचे के साथ ही पूरे सहयोगी तंत्र पर की जा रही सैनिक कार्रवाई देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक एवं अपरिहार्य कदम है। राष्ट्रीय संकट की इस घड़ी में संपूर्ण देश तन-मन-धन से देश की सरकार एवं सैन्य बलों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तानी सेना की ओर से भारत की सीमा पर धार्मिक स्थलों के साथ ही नागरिक बस्ती क्षेत्र पर किए जा रहे हमलों की हम निंदा करते हैं और जो इन हमलों का शिकार हुए हैं, उनके परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करते हैं।

देशवासियों से भी की गई अपील

इतना नहीं मोहन भागवत ने कहा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस चुनौतीपूर्ण मौके पर समस्त देशवासियों से आह्वान करता है कि शासन एवं प्रशासन द्वारा दी जा रही सभी सूचनाओं का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करें। इसके साथ-साथ इस अवसर पर हम सबको अपने नागरिक कर्तव्य का निर्वहन करते हुए यह भी सावधानी रखनी है कि राष्ट्र विरोधी शक्तियों के सामाजिक एकता एवं समरसता को भंग करने के किसी भी षड्यंत्र को सफल न होने दें। समस्त देशवासियों से अनुरोध है कि अपनी देशभक्ति का परिचय देते हुए सेना एवं नागरी प्रशासन के लिए जहां भी, जैसी भी आवश्यकता हो, हरसंभव सहयोग के लिए तत्पर रहें और राष्ट्रीय एकता तथा सुरक्षा को बनाए रखने के सभी प्रयासों को बल प्रदान करें।

पंजाब में पाक की नापाक हरकत, बॉर्डर वाले इलाकों में पहुंचे सीएम मान के मंत्री

अमृतसर, 9 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है, लेकिन पाकिस्तान अपनी करतूतों से बाज नहीं आ रहा है। जम्मू से लेकर राजस्थान और पंजाब तक पाकिस्तान ने अपनी नापाक साजिश को अंजाम दिया है। इसी के चलते चंडीगढ़ से लेकर अमृतसर तक एयर अटैक अलर्ट के सायरन बजाए जा रहे हैं और ब्लैकआउट किया गया है। इसी बीच पंजाब सरकार हालात से निपटने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री मान के मंत्री आज सीमावर्ती जिलों में आपातकालीन सेवाओं की रिव्यू किया। अस्पतालों, फायर स्टेशनों का निरीक्षण किया, राशन की उपलब्धता और आपातकालीन सेवाओं का निरीक्षण किया। पंजाब में हालात न बिगड़ जाए इसी के चलते पहले से ही तैयारियां की गई है।

मंत्री लाल चंद कटारूचक्क और डॉ रवजोत सिंह गुरदासपुर पहुंचे। मंत्री कुलदीप धालीवाल और मोहिंदर भगत अमृतसर का कार्यभार संभालेंगे। पंजाब के हमले पर मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, मैं पाकिस्तान को उचित जवाब देने के लिए सभी सेना अधिकारियों को सलाम करता हूं। हम इस दुश्मन देश को नहीं छोड़ेंगे। मुझे उम्मीद है कि उन्होंने अपना सबक सीख लिया है और आगे कुछ भी ऐसी कोशिश नहीं करेंगे। नागरिक प्रशासन, पुलिस प्रशासन, राजनीतिक समूहों और खुफिया विभाग के सभी लोग हमारी जमीन पर हैं। हमारे सरकारी अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। उन्होंने आगे कहा, हमारे स्वास्थ्य विभाग को मजबूत किया गया है। उन दिनों के लिए स्कूल बंद कर दिए गए हैं। किसी को भी घबराने या डरने की जरूरत नहीं है। हमने सभी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की है। साथ ही उन्होंने कहा, (राशन की) कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। भारत के अटैक के बाद पाकिस्तान तिलमिला गया है। इसी के बाद देश ने गुरुवार को भारत के 15 इलाकों में अटैक करने की नाकाम कोशिश की।

पाकिस्तान ने जम्मू और राजस्थान के साथ पंजाब में भी हमला करने की कोशिश की। पंजाब में, सशस्त्र बलों ने गुरुवार रात पठानकोट, जालंधर, अमृतसर और भटिंडा सहित कुछ स्थानों को निशाना बनाने के पाकिस्तान के कई प्रयासों को विफल कर दिया है। इसी के बाद अमृतसर में ब्लैकआउट किया गया है और एयर अटैक के अलर्ट के सायरन बजाए जा रहे हैं। पाकिस्तान के साथ 553 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करने वाला पंजाब हाई अलर्ट पर है। इसी के चलते किसी भी इमरजेंसी का सामने करने के लिए सभी तैयारियां कर ली गई है।

इंदौर देश का पहला ऐसा शहर, जहां नहीं एक भी भिखारी, प्रशासन का बड़ा दावा

इंदौर, 9 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर से बड़ी खबर सामने आई है। यहां इंदौर में प्रशासन के एक अधिकारी ने दावा किया कि इंदौर, देश का पहला भिक्षुकमुक्त शहर बन गया है। अधिकारी का कहना है कि भिखारियों के पुनर्वास के साथ ही भिक्षावृत्ति के खिलाफ कानूनी कदम उठाए जाने की बदौलत शहर ने यह उपलब्धि हासिल की है। जिलाधिकारी आशीष सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि इंदौर देश का पहला शहर बन गया है जो पूरी तरह भिक्षुकमुक्त हो चुका है। उन्होंने बताया कि प्रशासन ने भिखारियों का पुनर्वास करके उन्हें रोजगार से जोड़ा है, जबकि भिक्षावृत्ति में शामिल बच्चों को विद्यालयों में भर्ती कराया गया है। जिलाधिकारी आशीष सिंह ने कहा कि भिक्षावृत्ति के उन्मूलन के लिए इंदौर में चलाया गया अभियान एक मॉडल के रूप में स्थापित हुआ है। इस मॉडल को केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और विश्व बैंक के एक दल ने भी मान्यता दी है।' महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रामनिवास बुधौलिया ने बताया कि इंदौर में भिक्षावृत्ति के खिलाफ फरवरी 2024 से अभियान शुरू किया गया था और तब शहर में करीब 5,000 भिखारी थे जिनमें 500 बच्चे शामिल थे। उन्होंने बताया, ''हमने पहले चरण में भिक्षावृत्ति के खिलाफ जागरुकता अभियान चलाया। फिर भिखारियों का पुनर्वास किया। इस दौरान हमें ऐसे कई भिखारी भी मिले जो राजस्थान से पेशेवर तौर पर भीख मांगने के लिए इंदौर आते थे।' रामनिवास बुधौलिया ने बताया कि प्रशासन ने इंदौर में भीख लेने के साथ ही भीख देने और भिखारियों से कोई सामान खरीदने पर भी कानूनी रोक लगा रखी है और इस प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले लोगों पर अब तक तीन प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन ने शहर में भिक्षावृत्ति की सही सूचना देने वाले व्यक्ति को प्रोत्साहन राशि के रूप में 1,000 रुपये का इनाम देने की घोषणा भी की है और कई लोगों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने देश के 10 शहरों को भिक्षुकमुक्त बनाए जाने की प्रायोगिक (पायलट) परियोजना शुरू की है

'भारत-पाकिस्तान के अंतर को समझे दुनिया' तनाव के बीच बोले कांग्रेस नेता पवन खेड़ा

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के साथ ही दोनों पक्ष जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि पड़ोसी देश को यह समझना चाहिए कि भारत तकनीक के मामले में श्रेष्ठ है। उन्होंने कहा कि भारत की विश्वसनीयता इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि पाकिस्तान के विपरीत, वह नागरिक प्रतिष्ठानों पर हमला नहीं करता है। खेड़ा ने कहा कि भारत ने केवल आतंकवादी शिविरों पर हमला किया है, जो कि भयावह पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में था, लेकिन पाकिस्तान नागरिक क्षेत्रों पर हमला कर रहा था। खेड़ा ने आगे बताया कि पाकिस्तान को समझना चाहिए कि भारत के पास तकनीकी श्रेष्ठता है। दुनिया भर में भारत की विश्वसनीयता अधिक है क्योंकि हम पाकिस्तान की तरह नहीं हैं, जो नागरिक प्रतिष्ठानों पर हमला करेगा। हमने केवल (पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में) आतंकवादी शिविरों पर हमला किया है। पाकिस्तान अभी भी अपनी हरकतों को रोकने के लिए तैयार नहीं है। वे अभी भी नागरिक क्षेत्रों पर हमला करने की कोशिश कर रहे हैं। वैश्विक समुदाय को इस पर ध्यान देने की जरूरत है। इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने जोर देकर कहा कि केंद्र को भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बीच मीडिया में फैलाए जा रहे "प्रचार" को रोकना चाहिए क्योंकि दोनों पक्ष लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं, जिससे नागरिकों की जान को खतरा है। उन्होंने सशस्त्र बलों को समर्थन देने के बजाय युद्ध का जश्न मनाने वालों की भी आलोचना की। सरकार को हो रहे प्रचार को नियंत्रित करना चाहिए। यह हमारी सेना के मनोबल को गिरा देगा। पूरी दुनिया हम पर हंस रही है। यहां तक कि सेवानिवृत्त सेना के लोग भी कह रहे हैं, 'क्या हो रहा है?' हालांकि, उनमें से कुछ टीवी पर जाकर एक्सपर्ट कमेंट्री कर रहे हैं जैसे कि यह क्रिकेट हो। सशस्त्र बलों की स्थिति को बनाए रखा जाना चाहिए क्योंकि वे लड़ रहे हैं, हम नहीं।

बढ़ते तनाव के बीच युद्ध उन्माद के बारे में बोलते हुए, शिवसेना यूबीटी सांसद ने युद्ध का जश्न मनाने के खिलाफ सुझाव दिया क्योंकि सीमावर्ती क्षेत्रों में लोग लगातार खतरे में रह रहे हैं और खतरे में हैं। यह तब हुआ है जब भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के तहत पड़ोसी देश में नौ स्थानों पर आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने के बाद एक-दूसरे के खिलाफ टकराव चल रहा है, जिसे भयावह पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में शुरू किया गया था। बीएसएफ ने पहले जम्मू और कश्मीर के सांबा जिले में इंटरनेशनल बॉर्डर पर घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम किया। इसके अलावा, भारतीय सेना ने जम्मू और कश्मीर के नौशेरा सेक्टर में दो पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। भारतीय और पाकिस्तानी सेना के बीच भारी गोलाबारी के बीच ड्रोन को रोक दिया गया।

दिल दहला देने वाली घटना, पति ने तीन बच्चों के सामने पत्नी की पीट-पीटकर की हत्या

शहडोल, 9 मई (एजेंसियां)। ब्यौहारी थाना क्षेत्र में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक पति ने अपनी पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी, वह भी अपने तीन छोटे बच्चों के सामने। बताया जा रहा है कि पति को पत्नी के चरित्र पर शक था और इसी को लेकर घर में अक्सर झगड़े होते थे। इसी गुस्से में आकर पति ने पत्नी पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपी पति ने पुलिस को गुमराह करने के लिए झूठी कहानी बनाई। वह थाने गया और पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी बाथरूम में गिर गई थी, जिससे उसकी मौत हो गई। लेकिन पुलिसकर्मी को उसकी बातों पर शक हुआ और उसने तुरंत इस मामले की जानकारी थाना प्रभारी को दी।

ड्रोन हमलों के बाद हालात का जायजा लेने जम्मू पहुंचे सीएम उमर अब्दुल्ला, कई इलाकों में स्कूल बंद

जम्मू, 9 मई (एजेंसियां)। भारत की तरफ से शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। यही कारण है कि वो लगातार सीमा पर फायरिंग और हमले की कोशिश कर रहा है। बीते दिन गुरुवार को पाकिस्तान ने 50 से ज्यादा ड्रोन से हमले की कोशिश की जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया। हमले के बाद जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने जम्मू का दौरा किया। पाकिस्तान की तरफ से किए गए ड्रोन हमलों और सायरन की गड़गड़ाहट से भरी रात के बाद, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला शहर में जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए शुक्रवार सुबह जम्मू पहुंचे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि कल रात जम्मू शहर और संभाग के अन्य हिस्सों में पाकिस्तानी ड्रोन हमले के विफल होने के बाद स्थिति का जायजा लेने के लिए अब जम्मू जा रहा हूं। सीएम अब्दुल्ला का जम्मू दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब शहर को गुरुवार रात पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों द्वारा निशाना बनाया गया। हालांकि, भारत ने कहा कि उसने पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइल हमलों को नष्ट कर दिया है, जिसका उद्देश्य जम्मू और पठानकोट सहित कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना था। भारत ने पाकिस्तान के 50 से ज्यादा ड्रोन राख कर दिए हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच हर रोज तनाव बढ़ता जा रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर सीमावर्ती राज्यों में देखने को मिल रहा है। बढ़ते तनाव के बीच जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में स्कूल सोमवार तक बंद कर दिए गए हैं। इस फैसले पर सीएम ने कहा कि स्कूल बंद करने के फैसले पर समीक्षा की जाएगी, इसके बाद ही आगे फैसला लिया जाएगा। गुरुवार रात को जम्मू-कश्मीर के कई शहरों में हवाई हमले के सायरन बजने लगे, जिनमें अखनूर, सांबा, बारामुला और कुपवाड़ा शामिल हैं। पाकिस्तान की तरफ से हमला करने की कोशिश के दौरान इन शहरों में जोरदार धमाके भी सुने गए। हालांकि, भारतीय सेना ने पाकिस्तान की कोशिशों को सफल नहीं होने दिया, जिसके बाद रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारत "अपनी संप्रभुता की रक्षा करने और अपने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

हेमकुंड साहिब यात्रा की तैयारी जोरों पर जवानों ने हिमखंड काटकर बनाया रास्ता

चमोली, 9 मई (एजेंसियां)। हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई को श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे, जिसे लेकर प्रशासन और भारतीय सेना की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। खराब मौसम और भारी बर्फबारी के बावजूद भारतीय सेना के जवानों ने आस्था पथ से बर्फ हटाने का कार्य जारी रखा है। हाल ही में जवान हिमखंडों को काटते हुए हेमकुंड साहिब गुरुद्वारे तक पहुंच गए हैं। गुरुद्वारे के पास पहुंचने पर उन्होंने सबसे पहले अरदास पढ़ी और फिर कपाट खोले। अब सेना के जवान वहीं रुककर यात्रा मार्ग और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में लगे हैं। हेमकुंड साहिब में लंगर हॉल के समीप की बर्फ को भी साफ कर दिया गया है। सेना के जवानों ने सीढ़ी वाले मार्ग से पूरी तरह बर्फ हटा दी है, जबकि घोड़े वाले मार्ग पर बर्फ हटाने का कार्य अभी भी जारी है। अब तक आस्था पथ के चार प्रमुख बैंड से बर्फ हटा दी गई है। दोपहर बाद मौसम बिगड़ने के कारण जवानों को कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, इसके बावजूद वे पूरी तत्परता से लगे हुए हैं। हालांकि यात्रा शुरू होने में अब सिर्फ 17 दिन का समय शेष रह गया है, लेकिन कई व्यवस्थाएं अभी भी अधूरी हैं। पुलना से घांघरिया तक पेयजल, बिजली और संचार सेवाएं अभी बहाल नहीं हो पाई हैं। गोविंदघाट में अलकनंदा नदी पर निर्माणाधीन बैली ब्रिज का कार्य भी देरी से चल रहा है। 5 मार्च को पुराने मोटर पुल के भूस्खलन से क्षतिग्रस्त होने के बाद नया बैली ब्रिज बनाना शुरू किया गया था, लेकिन दो महीने बाद भी अभी तक केवल ढांचा ही तैयार हो पाया है। घोड़े-खच्चरों की आवाजाही के लिए आवश्यक पुल न होने से लोडिंग कार्य प्रभावित हो रहा है। घांघरिया के होटल व्यवसायी खाद्य सामग्री नहीं पहुंचा पा रहे हैं। गोविंदघाट गुरुद्वारे के वरिष्ठ प्रबंधक सरदार सेवा सिंह के अनुसार, घांघरिया गुरुद्वारे में सभी जरूरी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं

इंदौरा के अट्टहाड़ा पुल के नजदीक गिरा नष्ट मिसाइल का टुकड़ा, सेना को किया सूचित

कांगड़ा, 9 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद गुरुवार रात पाकिस्तान की तरफ से पंजाब के कई शहरों में मिसाइलों-ड्रोन से हमले किए गए। हालांकि भारत की तरफ से इसका माकूल जवाब दिया गया। पाकिस्तान की आठ मिसाइलों को भारतीय सेना ने इंटरसेप्ट किया। वहीं, हिमाचल प्रदेश के विधानसभा क्षेत्र इंदौरा के अंतर्गत गुरुवार देर रात को अट्टहाड़ा पुल के नजदीक भारतीय सेना की ओर से हवा में नष्ट किए गए मिसाइल का टुकड़ा मिला है। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान की ओर से छोड़े गए मिसाइल को पठानकोट आर्मी के जवानों ने हवा में नष्ट कर दिया था, लेकिन इसका एक टुकड़ा अट्टहाड़ा पुल के नजदीक गिर गया। इससे आसपास के गांव में दहशत है। पुलिस से क्षेत्र को सील कर दिया है। डीएसपी विशाल वर्मा ने कहा कि इस बारे में भारतीय सेना को सूचना दे दी गई है। उधर, जम्मू-कश्मीर और चंबा के सीमांत क्षेत्रों में आईटीबीपी, पुलिस बटालियन और पुलिस जवानों ने मोर्चा संभाल लिया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमांत क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद किया गया है। चेकपोस्ट और चौकी पर तैनात जवान बुलेट प्रूफ जैकेट पहन कर वाहनों की तलाशी लेंगे। तलाशी के दौरान जवान का दूसरा साथी राइफल लेकर अलर्ट रहेगा। किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि होने पर तुरंत पुलिस कप्तान को सूचित किया जाएगा। कर सीमांत क्षेत्र के दायरे में आने वाले परिक्षेत्र में आईटीबीपी, हिमाचल प्रदेश पुलिस बटालियन, स्थानीय पुलिस जवानों समेत एसपीओ विशेष पुलिस अधिकारी दिन भर पेट्रोलिंग पर रहेंगे। सीमांत क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने के लिए सरकार के निर्देशानुसार अब इस प्रकार की व्यवस्था अमल में लाई गई है। चंबा जिला की पड़ोसी राज्य के लगती सीमांत क्षेत्र में स्थित लंगेरा चेकपोस्ट और संघणी पुलिस चौकी में अब आईटीबीपी जवानों ने मोर्चा संभाल लिया है।

आईटीबीपी जवानों के साथ हिमाचल पुलिस बटालियन और स्थानीय पुलिस चौकी में तैनात जवान, एसपीओ जवान भी कंधे से कंधा मिला कर ड्यूटी देते नजर आ रहे हैं। जिला की सीमांत क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को अब पहले की अपेक्षा बढ़ाया गया है।

सरकारी कर्मचारियों की छुट्टी रद्द, सीएम बोले राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि, सभी विभाग अलर्ट मोड पर रहें

भोपाल, 9 मई (एजेंसियां)। देशभर में बढ़े सुरक्षा तनाव के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को राजधानी भोपाल स्थित समत्व भवन में प्रदेश की सुरक्षा को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और मौजूदा हालातों को देखते हुए प्रदेश में हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जरूरी नागरिक सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए, और सुरक्षा से जुड़े सभी ऐहतियाती कदम तुरंत लागू किए जाएं। उन्होंने अफवाहों पर नियंत्रण और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों व प्रचार पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि लोगों को सचेत और जागरूक करना जरूरी है, ताकि कोई भी भ्रामक जानकारी उन्हें भ्रमित न कर सके। डॉ. यादव ने आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाएं, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते, कोई भी अधिकारी या फील्ड स्टाफ अवकाश पर न जाए। मुख्यमंत्री ने बैठक में मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों से विभागीय समन्वय और तात्कालिक प्रतिक्रिया तंत्र को और बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क और तैयार रहें। इस बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, एसीएस गृह जे.एन. कंसोटिया, एसीएस मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, डीजीपी कैलाश मकवाना, डीजी होमगार्ड अरविंद कुमार, एडीजी इंटेलिजेंस ए. साईं मनोहर समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में प्रदेश की सुरक्षा, नागरिक सुविधाएं और प्रशासनिक तंत्र की समीक्षा की गई।

सीएम धामी ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से की मुलाकात, कई मुद्दों पर की चर्चा

देहरादून, 9 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात कर राज्य की महत्वपूर्ण जल विद्युत एवं पर्यावरणीय परियोजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने राज्य की विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए केंद्र सरकार से सहयोग का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि उत्तराखंड को अपनी विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अन्य राज्यों एवं केंद्रीय पूल से ऊर्जा खरीदनी पड़ती है, जिससे राज्य पर आर्थिक बोझ पड़ता है। उन्होंने कहा कि राज्य की ऊर्जा आत्मनिर्भरता, आर्थिक विकास और पलायन रोकने के लिए पर्यावरणीय अनुकूल जल विद्युत परियोजनाओं का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने यमुना नदी की सहायक टौंस नदी पर प्रस्तावित 72 मेगावाट की त्यूनी-प्लासू जल विद्युत परियोजना के लिए 47.547 हेक्टेयर वन भूमि और राजस्व (बंजर) भूमि के शीघ्र हस्तांतरण की स्वीकृति देने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि गंगा नदी पर कई प्रस्तावित परियोजनाओं को स्वीकृति नहीं मिलने के कारण यमुना और गौरीगंगा, धौलीगंगा जैसी नदियों पर नए विकल्प तलाशे जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कुमाऊं क्षेत्र में प्रस्तावित सिरकारी भ्योल रुपसियाबगड़ जल विद्युत परियोजना का भी उल्लेख किया, जो 120 मेगावाट क्षमता की है और गौरीगंगा नदी पर प्रस्तावित पहली परियोजना है। उन्होंने इसके लिए 29.997 हेक्टेयर वन भूमि के हस्तांतरण और पर्यावरण स्वीकृति के प्रस्ताव को शीघ्र स्वीकृत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह परियोजना सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ स्थानीय रोजगार, विकास और ऊर्जा उत्पादन के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगी। बैठक में मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश स्थित त्रिवेणी घाट से नीलकंठ महादेव मंदिर तक रोपवे निर्माण परियोजना को भी राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की अगली बैठक में अनुमोदित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इस रोपवे से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, ट्रैफिक दबाव कम होगा और स्थानीय लोगों की आजीविका भी बेहतर होगी। मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश स्थित चौरासी कुटिया (बीटल्स आश्रम) के पुनरुद्धार के लिए भी केंद्रीय सहयोग मांगा। उन्होंने कहा कि यह आश्रम योग और आध्यात्मिक पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में उत्तराखंड की पहचान को और मजबूत करेगा। राज्य में बढ़ती वनाग्नि की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से कैम्पा योजना के तहत रु। 404 करोड़ की विशेष सहायता की मांग की। उन्होंने कहा कि वनाग्नि से न केवल पर्यावरण बल्कि वन संपदा और जैव विविधता को भी नुकसान हो रहा है, जिसके नियंत्रण के लिए पंचवर्षीय कार्ययोजना को तत्काल वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।

बाबा साहब की मूर्ति से खिलवाड़

पहली बार चोरी, दूसरी बार तोड़ी, तीसरी बार फिर से किया गया स्थापित

धार, 9 मई (एजेंसियां)। धार के पास स्थित ग्राम जेतपुरा से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। बुधवार को इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन के पास जेतपुरा गांव में उस समय हंगामा मच गया, जब कुछ अज्ञात असामाजिक लोगों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को उखाड़कर एक बस में ले जाने की कोशिश की। जैसे ही यह खबर गांव और आसपास के इलाकों में फैली, समाज के लोग गुस्से से भर गए। समाज के नेताओं ने एकजुट होकर इसका विरोध किया और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। घटना की गंभीरता को देखते हुए नौगांव पुलिस और तहसीलदार मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझाया और स्थिति को शांत किया। प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा को फिर से स्थापित किया और लोगों को आश्वासन दिया कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। लेकिन मामला यहां नहीं रुका। जब गांववाले और समाज के लोग नौगांव थाने में शिकायत दर्ज कराकर घटना स्थल पर लौटे, तो उन्होंने देखा कि हाल ही में स्थापित की गई प्रतिमा को फिर से क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। इस दुस्साहस से गुस्सा और बढ़ गया। स्थिति को देखते हुए एसडीएम रोशनी पाटीदार, तहसीलदार दिनेश उईके, सीएसपी रविंद्र वास्कले और थाना प्रभारी सुनील शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों से बात की और माहौल शांत किया। एक बार फिर से बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा को स्थापित किया गया फिलहाल, नौगांव पुलिस ने ग्राम जेतपुरा के जगदीश डावर की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 10 मई - 2025

खंजर भोंकने में माहिर है पाकिस्तान

राधा रमण

दुनिया जानती है कि मानव सभ्यता के लिए आतंकवाद सबसे बड़ा खतरा है और पड़ोसी देश पाकिस्तान इसका पोषक। इसको लेकर भारत समय-समय पर अंतर्राष्ट्रीय फोरम पर मामला उठाते रहा है। देश की आजादी के बाद से ही पाकिस्तान के शासक और पाकिस्तान की सेना को जब भी मौका मिला उन्होंने भारत और भारतीयों के सीने में खंजर भोंकने की कोशिश की। देश ने हर बार इसका प्रतिवाद किया लेकिन दुष्ट पड़ोसी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आता है। आजादी के बाद पाकिस्तान ने 1965, 1971 और 1999 में भारत से आमने-सामने की युद्ध किया और हर बार बुरी तरह पराजित हुआ। उसके सैनिकों तक ने सरेंडर किया। उसकी सैकड़ों एकड़ जमीन भारत के कब्जे में आई। लेकिन हर बार माफी मांगने के बाद भारत ने उसे माफ़ कर दिया। कहने की जरूरत नहीं कि दुनिया को अब पता चल गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में आज का भारत नया भारत है। यह न तो किसी पर अन्याय करता है न अन्याय सहता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तो वर्षों से कहते रहे हैं कि 'हम किसी को छेड़ेंगे नहीं और अगर किसी ने अकारण छेड़ा तो छोड़ेंगे भी नहीं।' ताजा मामला पिछले माह की 22 अप्रैल का है जब परिवार के साथ पहलगाम के बायसरन घूमने गए निहत्थे पर्यटकों पर पाकिस्तान पोषित आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी और धर्म पूछ-पूछकर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी। दुखद और दर्दनाक यह कि उन्होंने महिलाओं के सामने ही उनके पतियों को मारकर उनकी मांग का सिन्दूर पोंछ दिया। यही नहीं तब से लेकर 6 मई की रात तक पाकिस्तानी सेना सीमा पर लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन करती रही। आखिर भारत कब तक चुप बैठता ! हमारे प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री लगातार दुनिया के देशों को पाकिस्तान की हरकत बताते रहे, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। आखिर में सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर देश के विपक्षी दलों से उनकी राय पूछी तो सबने मुक्तकंठ से सरकार को देश रक्षा के लिए कदम उठाने की खुली छूट दे दी। नतीजतन, राष्ट्रपति की सलाह पर सरकार ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए सेना को फ्री हैंड दे दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय बेटियों के सामने उनकी मांग का सिन्दूर पोंछनेवाले आतंकियों को सबक सिखाने के लिए इस मिशन का नाम 'ऑपरेशन सिन्दूर' रखा और कहा कि, समय, स्थान और तरीका सेना खुद तय करे। फिर 6-7 मई की रात जो कुछ हुआ उसे दुनिया ने देखा। रात 1.05 बजे से 1.30 बजे के बीच महज 25 मिनट के सैन्य ऑपरेशन में हमारे जांबाज सैनिकों ने पाकिस्तानी आतंकियों की चूल हिला दी। पाकिस्तान सीमा के भीतर 100 किलोमीटर घुसकर उसके नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। इसमें जैश-ए-मोहम्मद का प्रशिक्षण स्थल बहावलपुर में मरकज सुभानअल्लाह, तेहरां कला स्थित सरजाल, कोटली में मरकज अब्बास और मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल शामिल है। इसी तरह लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी ठिकाने मुरीदके में मरकज तैयबा, बरनाला में मरकज अहले हदीस और मुजफ्फराबाद में सवाई नाला पर बम बरसाये गए। इसके अलावा हमारे जाबांज हिजबुल मुजाहिद्दीन की शरणस्थली कोटली का मरकज राहिल शाहिद (गुलपुर कैंप) और सियालकोट स्थित मेहमूना जोया पर काल बनकर टूटे। लक्षित हमले में पांच गुलाम कश्मीर (पीओके) और चार पाकिस्तान के हैं। भारतीय सेना के हमले में जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के नौ परिजन और 5 शागिर्द भी मारे गए हैं। बताया तो यह भी जाता है कि इनमें मसूद अजहर का छोटा भाई अब्दुल रऊफ अजहर भी मारा गया। अब्दुल रऊफ जैश-ए-मोहम्मद का ऑपरेशन हेड होने के साथ-साथ मसूद अजहर का दाहिना हाथ माना जाता था। बताया जाता है कि अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की हत्या अब्दुल रऊफ अजहर ने ही की थी। वर्ष 1999 में हुए भारतीय विमान आईसी-814 के अपहरण में भी अब्दुल रऊफ अजहर का नाम आया था। उसे विमान अपहरण का मास्टर माइंड बताया गया था। उस मामले में तत्कालीन सरकार ने जिन तीन आतंकियों को जेल से रिहा किया था, उसमें मसूद अजहर भी शामिल था। आजकल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें पिछले 25 वर्षों से निरीहों की मौत का सौदागर मसूद अजहर अपनों की मौत पर जार-जार रोते दिखाई पड़ रहा है। रोते-रोते वह कहता है कि 'यह देखने से पहले काश, मैं भी मर गया होता।' मसूद अजहर पहले हरकत-उल-मजाहिद्दीन और हरकत-उल-अंसार का कमांडर हुआ करता था। आजकल पाकिस्तानी ख़ुफ़िया एजेंसी आईएसआई की पनाह में एबटाबाद के किसी गुप्त ठिकाने पर मुंह छिपाकर बैठा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर छापामार हमले के बाद सर्वदलीय बैठक में ब्यौरा देते हुए बताया कि भारतीय सैन्य हमले में सौ से अधिक आतंकी मारे गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 'ऑपरेशन सिन्दूर' अभी बंद नहीं किया गया है। अभी तक हमने पाकिस्तानी नागरिकों और सैन्य ठिकानों पर आक्रमण नहीं किया है। हमने अभी केवल कुछ आतंकी ठिकाने नष्ट किये हैं। यह बानगी भर हैं। हम पाकिस्तान के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं। अगर, इतने पर भी नापाक पाकिस्तान अपनी हिमाकत और हरकत से बाज नहीं आया तो भारत फिर धावा बोलेगा। हमारी सेना पाकिस्तान से सीधी लड़ाई के लिए भी कमर कसकर तैयार है। निःसंदेह ऐसा कहकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गेंद पाकिस्तान के पाले में डाल दी है। भारतीय सैनिकों की जांबाजी से पाकिस्तान के हौसले पस्त हो गए हैं। कल तक परमाणु हथियार की गीदड़भभकी देनेवाले पाकिस्तानी राजनेता अब विश्व समुदाय के पास भारत से बचाने की गुहार लगाते फिर रहे हैं। हालांकि आतंक की फैक्ट्री बन चुके पाकिस्तान में वहां के राजनेताओं की कम ही चलती है। वहां सरकार पर सेना का नियंत्रण रहता है और आतंकियों को सेना की शह मिलती रही है। यही कारण है कि 8 मई की रात आतंकियों के समर्थन में पाकिस्तानी सेना ने जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी, मेंढर, पुंछ, अवंतीपोरा, सांबा, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, जैसलमेर, फालोदी, भुज आदि कई स्थानों पर 50 से अधिक मिसाइल और आत्मघाती ड्रोन से हमला कर दिया जिसे भारतीय सेना ने आकाश में ही नाकाम कर दिया। यही नहीं, जवाबी कार्रवाई में भारत ने पाकिस्तान का लाहौर और कराची स्थित एयर डिफेन्स सिस्टम और रावलपिंडी का स्टेडियम तबाह कर दिया। भारत ने 'ऑपरेशन सिन्दूर' के तहत पाकिस्तान के आतंकी शिविरों को निशाना बनाया था लेकिन पाकिस्तान भारत से खुला युद्ध करने और आमादा है। दूसरी तरफ उसकी आंतरिक स्थिति भी ठीक नहीं है। आर्थिक मोर्चे पर बेहाल पाकिस्तान को बलूच विद्रोहियों से निपटना भी मुश्किल हो रहा है। समय-समय पर बलूच लिबरेशन आर्मी के लड़ाके पाकिस्तानी सैनिकों को मारते-पीटते रहते हैं। इसके अलावा पीओके का बड़ा तबका भारत में घुसने और पनाह के लिए तैयार बैठा है। इससे पहले कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बायसरन हमले के बाद देश की जनता आशा-भरी निगाह से सरकार की ओर देख रही थी। इसलिए जो कुछ हुआ, वह होना ही था। भारत हमेशा से अहिंसा का पुजारी रहा है, आज भी है, लेकिन हम अपने नागरिकों की सुरक्षा करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। यह नया भारत है जो दुश्मन की आँख में आँख डालकर बात करता है। कोई हमारी तरफ गलत नजर रखेगा तो हम उसको उसी की भाषा में जवाब देना जानते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यवहार कुशलता के कारण अमेरिका, रूस, फ्रांस समेत दुनिया के अधिकांश देश यह मानते हैं कि भारत को अपनी सुरक्षा करने का पूरा हक है।

अलग-थलग पड़ा पाकिस्तान !

अपनी झूठ की वजह से पाकिस्तान पतन के रास्ते पर तेजी से बढ़ चला है। यही वजह है कि आज उस पर कोई भी देश विश्वास करने को तैयार नहीं है। इससे ज्यादा हास्यास्पद और क्या होगा कि वह कह रहा है कि पहलगाम की आतंकी घटना में उसका कोई हाथ नहीं है। लेकिन कोई भी उसकी बात पर विश्वास नहीं कर रहा है। अब पाकिस्तान ने नया पैंतरा चला है। कह रहा है कि पश्चिमी देशों के कहने पर उसने जिहादी तत्वों को बढ़ावा दिया था। लेकिन पूरी दुनिया उसकी बातों से सहमत नहीं है। चीन जैसा उसका मित्र देश भी ऑपरेशन सिंदूर के बाद उससे नजरें चुराने लगा है। ज्यादातर देशों का मानना है कि भारत का 22 अप्रैल को हुए हमले पर गुस्सा होना जायज है। पाकिस्तान अब एक झूठे देश के रूप में स्थापित हो चुका है। आजादी के बाद कबाइलियों के नाम पर कश्मीर में फौज से घुसपैठ करवाने की कोशिश हो या कारगिल में अपनी फौज को भारतीय चौकियों पर बिठाने की जुर्रत, उसकी करतूतों को विश्व जान चुका है। मुंबई हमले के गुनहगार अजमल कसाब को पाकिस्तानी मानने से इनकार करने पर भी उसका झूठ पकड़ा गया था। ओसामा बिन लादेन भी पाकिस्तान में ही पनाह लिए मिला। यही वजह है कि पहलगाम हमले के आतंकियों को वह अपना मानने से इनकार कर रहा है, लेकिन कोई उस पर यकीन करने को तैयार नहीं है। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के विरोध में तुर्की और अजरबैजान जैसे दो मुस्लिम देशों को छोड़कर कोई भी देश पाकिस्तान का साथ देने को तैयार नहीं हैं। ईरान और सऊदी अरब जैसे देश तो भारत के नजरिए के हिमायती हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ संसद में मजबूत जवाब देने की बात कहते हैं, तो रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ तनाव 'खत्म' करने पर जोर दे चुके हैं। जबकि सच्चाई ये है कि सारे अधिकार पाकिस्तानी सेना चीफ असीम मुनीर के हाथों में है। इसके उलट भारत का इरादा बुलंद और स्थिति स्पष्ट है। 2016 और 2019 में हुए हमलों के बाद भी भारत का ऐसा ही स्टैंड था। सामरिक रणनीति को लेकर किसी तरह का कंफ्यूजन नहीं था। इससे पता चलता है कि भारत जो भी करता है, उसके पीछे एक ठोस कारण होता है; और भारत की बातों पर विश्वास नहीं करने का दुनिया के पास कोई वजह नहीं है। ज्यादातर मुस्लिम देश भी आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के नजरिए के साथ हैं, क्योंकि, भारत ने बताया है कि उसका जवाब हमले के अनुपात में था। भारत स्थिति को और बढ़ाना नहीं चाहता है। इससे पता चलता है कि भारत दोषियों को सजा देना चाहता है। लेकिन, वह अपनी प्रतिक्रिया में समझदारी और गंभीरता भी बनाए रख रहा है। भारत ने सुनिश्चित किया है कि उसकी कार्रवाई में आतंकवादियों, पाकिस्तानी सेना और नागरिकों के बीच अंतर किया जाए। ऑपरेशन सिंदूर का मकसद आतंकी ढांचे को निशाना बनाना था। सरकार ने यह भी कहा कि अगर पाकिस्तान स्थिति को और बढ़ाता है, तो वह जवाब देने के लिए तैयार है। पाकिस्तान ने 7/8 और 8/9 मई की रात को ऐसा करने की कोशिश की और भारत ने अपनी तय रणनीति के अनुसार ही उसका माकूल जवाब भी दिया है और आगे भी ऐसा ही करते रहने का संकल्प भी जाहिर कर चुका है। पाकिस्तान अभी भी झूठ, धमकी और बड़बोलेपन का सहारा ले रहा है, जिसका खामियाजा उसे भुगतना ही पडेगा।

क्या चाचा भतीजे के मिलन से इंडिया गठबंधन में होगी टूट ?

अशोक भाटिया

एक तरफ सीमा से पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिन्दूर के तहत युद्ध की खबरें आ रही है । भारतीय सेना पूरे दम ख़म के साथ पाकिस्तान दहशतगर्दों को धुल चटा रही है व जनता सेना का मनोबल बढ़ाने में लगी है । उसी के साथ महाराष्ट्र से चौकाने वाली राजनैतिक खबरें भी आ रही है । जैसा की हम जानते है महाराष्ट्र की सियासत में हमेशा कुछ न कुछ नया होता ही रहता है। वहां पर राजनीतिक हलचल लगातार बनी रहती है। पिछले कुछ दिनों से ठाकरे परिवार के फिर से एक होने की चर्चा जोरों पर है। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच सुलह-समझौता कराने की कोशिश की जा रही है। इस बीच एक और चौंकाने वाली खबर आ रही है कि पवार परिवार भी एक होने की कवायद में लग गया है।उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के एक साथ आने की सुगबुगाहट के बीच अब चाचा-भतीजे की जोड़ी शरद पवार और अजित पवार के भी साथ आने की खबर तेज हो गई है। राज्य के सियासी गलियारों में ऐसी चर्चा है कि चाचा शरद पवार खुद चाहते हैं कि उनके भतीजे अजित पवार आगे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को एक साथ लेकर चलें। यह कयास ऐसे ही नहीं लगाए जा रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में शरद पवार और अजित पवार एक साथ कई बार एक मंच पर दिख चुके हैं। राजनीति के मैदान में कुछ सालों में भले ही चाचा-भतीजे की राहें अलग हो गई हों, लेकिन दोनों (बारामती सहकार भवन के कार्यक्रम में, 2 बार साहित्य और कला मंच के कार्यक्रम में) एक साथ मंच साझा कर चुके हैं।इससे 2 दिन पहले शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने भी एक सवाल के जवाब में कहा था कि उन्हें परिवार के जुड़ने पर खुशी मिलती है। वो चाहती हैं कि पवार परिवार हमेशा एक साथ रहे।कुछ समय पहले पवार परिवार एक वैवाहिक कार्यक्रम में आपस में मिले थे। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के छोटे बेटे जय पवार की सगाई समारोह में शरद पवार और सुप्रिया सुले दोनों पहुंचे। पुणे में आयोजित सगाई समारोह दोनों परिवारों के लोग शामिल हुए थे। ज्ञात हो कि अजित पवार लंबे समय तक शरद पवार के साथ मिलकर राजनीति करते रहे है । लेकिन करीब 2 साल पहले जुलाई 2023 में उन्होंने चाचा के खिलाफ बगावत कर दिया और एनसीपी के एक धड़े के साथ राज्य में बने महायुति गठबंधन में शामिल हो गए। बाद में अजित पवार की अगुवाई वाले एनसीपी को मुख्य पार्टी घोषित कर दिया गया। यह पार्टी अभी राज्य में महायुति गठबंधन का हिस्सा है।इससे पहले भी कई अन्य अवसरों पर चाचा और भतीजे आपस में मिलते रहे हैं। जब राज्य के सबसे ताकतवर ठाकरे परिवार में अलगाव खत्म होने के कगार पर है और उद्धव तथा राज आपस में मिलने जा रहे हैं तो पवार परिवार के भी मिलन के कयास लगने लगे हैं। समाचारों के अनुसार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के एक ताजा बयान से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। उन्होंने भविष्य में एनसीप के दोनों गुटों के फिर से एक होने की संभावना जताई है। पवार के इस बयान के बाद, एनसीपी के दोनों खेमों से पुनर्मिलन की संभावना को लेकर सकारात्मक संकेत मिले हैं। शरद पवार ने तो यहां तक कहा कि सुप्रिया सुले को पार्टी के मर्जर पर फैसला लेना है। शरद पवार ने मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि उनकी पार्टी का एक वर्ग अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीप के साथ हाथ मिलाने के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि पुनर्मिलन पर फैसला लेने में वह सक्रिय रूप से शामिल नहीं हैं। शरद पवार ने यह भी कहा कि उनकी बेटी सुप्रिया सुले, जो एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं, को अपने चचेरे भाई अजित पवार के साथ बैठकर इस मामले पर चर्चा करनी होगी। शरद पवार ने कहा कि अगर पुनर्मिलन होता है, तो दूसरों को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। मतलब, अगर दोनों परिवार मिलकर साथ आ जाएं तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। शरद पवार ने याद दिलाया कि जब उन्होंने पार्टी बनाई थी, तब आज अलग हुए सभी लोग साथ थे। उन सभी की विचारधारा एक ही है। इसलिए अगर भविष्य में ये सभी फिर से एक साथ आते हैं, तो उन्हें कोई आश्चर्य नहीं होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या वे पहले से ही इंडिया गठबंधन में हैं, शरद पवार ने कहा कि इंडिया गठबंधन अभी सक्रिय नहीं है। इसलिए उन्हें अपनी पार्टी को फिर से बनाना होगा, उसे मजबूत करना होगा, युवाओं को उसमें शामिल करना होगा और काम करना होगा। 2 जुलाई, 2023 को एनसीपी में विभाजन के बाद से, दोनों गुट एक-दूसरे के खिलाफ खुलकर बोलते रहे हैं। पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान, एनसीपी के दोनों गुटों ने न केवल एक-दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार उतारे, बल्कि जमकर चुनाव प्रचार भी किया। दोनों गुटों ने एक दूसरे को हराने के लिए पूरी ताकत लगा दी थी। लेकिन, विधानसभा चुनावों के बाद एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया। अजित पवार के गुट ने 59 में से 41 सीटें जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया। पुणे के वसंतदादा पाटिल शुगर इंस्टीट्यूट में आयोजित बैठक की यह तस्वीर महाराष्ट्र की राजनीति में खास मानी जा रही है, क्योंकि इसमें चाचा शरद पवार और भतीजे अजित पवार के बीच कोई दूरी नजर नहीं आ रही। जुलाई 2023 में जब अजित पवार बगावत कर अलग हो गए थे, तब से चाचा और भतीजा बहुत कम मौकों पर एक साथ एक ही मंच पर नजर आए। अगर किसी मौके पर एक मंच साझा करना पड़ा भी तो दोनों एक-दूसरे के बगल में बैठने से बचते थे, लेकिन इस बैठक में न केवल दोनों अगल-बगल बैठे, बल्कि इसके बाद जो कुछ भी हुआ, उसने महाराष्ट्र की सियासत में कयासों का सिलसिला शुरू कर दिया। दरअसल, शरद पवार और अजित पवार दोनों ही वसंतदादा पाटिल शुगर इंस्टीट्यूट के पदाधिकारी हैं। इस आधिकारिक बैठक के संपन्न होने के बाद चाचा-भतीजा एक बंद कमरे में फिर से मिले। दोनों के बीच करीब आधे घंटे तक बातचीत हुई। बातचीत किस मसले पर थी, यह तो साफ नहीं है, लेकिन इस मुलाकात से यह चर्चा जरूर शुरू हो गई कि चाचा-भतीजा फिर से कोई 'खिचड़ी' पका रहे हैं। शरद पवार और अजित पवार के बीच हुई इस बैठक से उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना तिलमिला गई। पार्टी के सांसद संजय राऊत ने तो यहां तक कह दिया कि दोनों पवार एक ही हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि एकनाथ शिंदे के अलग होने के बाद उनकी पार्टी के लोग शिंदे गुट के नेताओं से मिलते-जुलते या चाय पीते नजर नहीं आते। शरद पवार अपने भतीजे के साथ एक बैठक करते हैं और महाराष्ट्र की सियासत में खलबली मच जाती है। इस मुलाकात के बाद अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या शरद पवार महाविकास अघाड़ी से अलग होकर कोई नया राजनीतिक समीकरण तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं? इसके पीछे वजह है शरद पवार की छवि। शरद पवार अक्सर ऐसे राजनीतिक फैसले ले लेते हैं, जिनका अंदाज़ा बड़े-बड़े सियासी पंडित भी नहीं लगा पाते। खुद संजय राऊत 2019 में कह चुके हैं कि शरद पवार के दिमाग को समझने के लिए 100 जन्म लेने पड़ेंगे।

जाहिर है शरद पवार के पुनर्मिलन के संकेत के साथ, एमवीए - एनसीपी (एसपी), कांग्रेस और शिवसेना (यूटीबी) के गठबंधन का भविष्य अब अधर में लटक गया है। एनसीपी (एसपी) प्रमुख राज्य में एमवीए के लिए मार्गदर्शक शक्ति रहे हैं। उन्होंने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में विपक्षी गठबंधन के लिए प्रमुख प्रचारक की भूमिका निभाई थी। अब, एमवीए का भविष्य अनिश्चित लग रहा है।

भारत का आतंक पर कभी न भूलने वाला प्रहार

योगेश कुमार गोयल

ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये भारत ने साबित कर दिया है कि वह अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं बल्कि आतंक के स्त्रोतों पर निर्णायक और सर्जिकल प्रहार करने वाला राष्ट्र बन चुका है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जिस तरह भारत ने सीमा पार स्थित आतंकी ठिकानों पर निशाना साधते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, उसने न केवल पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाई बल्कि भारत की नई सैन्य नीति को भी स्पष्ट कर दिया कि अब हम चुप नहीं बैठेंगे बल्कि हम आतंक के जन्मस्थल तक जाएंगे और वहां आग लगाएंगे। यह ऑपरेशन केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, यह उस बदले हुए भारत की घोषणा थी, जो अब बातों से नहीं, बमों से जवाब देता है, जो कूटनीति की किताब बंद करके अब अपने लड़ाकू विमानों और मिसाइलों की बोली में संवाद करता है। भारतीय वायुसेना ने जब पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर आतंकियों के अड्डों पर सर्जिकल स्ट्राइक की तो यह महज जवाबी हमला नहीं था, यह स्पष्ट संदेश था कि भारत अब किसी आतंकी की मांद को भी सुरक्षित नहीं छोड़ेगा, चाहे वह सरहद के इस पार हो या उस पार। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य स्पष्ट था, उन स्थानों को ध्वस्त करना, जहां से भारत में आतंक का बीज बोया जाता है।

पहलगाम हमला, जिसमें हमारे निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया, उसकी साजिश कहीं और नहीं, पाकिस्तान की फौज, आईएसआई और लश्कर-ए-तैयबा जैसों की सांठगांठ से ही तैयार की गई थी। भारत ने न केवल इस साजिश को समझा बल्कि उसे जड़ से उखाड़ने की भी ठान ली है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने जिस साहस, रणनीति और सटीकता का परिचय दिया, वह दुनिया के किसी भी शीर्ष सैन्य बल को चुनौती देने के लिए पर्याप्त है। पाकिस्तान हमेशा से ही दोहरी भूमिका निभाता रहा है, एक ओर वह अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर शांति और वार्ता की बात करता है तो दूसरी ओर अपने क्षेत्र को आतंकियों के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में प्रयोग करता है। भारत ने अब उस नकाब को पूरी तरह नोच फेंका है। ऑपरेशन सिंदूर ने बता दिया कि भारत अब उन भाषणों या प्रस्तावों से संतुष्ट नहीं होगा, जो संयुक्त राष्ट्र में दिए जाते हैं बल्कि उन बंकरों को नेस्तनाबूद करेगा, जहां से ये षड्यंत्र जन्म लेते हैं।

भारत द्वारा यह कार्रवाई अचानक नहीं की गई बल्कि पहले खुफिया एजेंसियों के माध्यम से आतंकियों की गतिविधियों की पूरी जानकारी जुटाई गई। सैटेलाइट इमेजिंग, मानव खुफिया नेटवर्क और तकनीकी निगरानी के जरिये भारत को यह स्पष्ट हो गया था कि पाक अधिकृत कश्मीर में कुछ स्थान आतंकियों के लांच पैड के रूप में कार्य कर रहे हैं। यह भी सामने आया कि हालिया पहलगाम हमले की योजना भी यहीं से बनाई गई थी। भारत की यह नीति अब 'हिट ऐंड होल्ड' की है कि हमला करो, कब्जा करो और दबाव बनाए रखो। इस ऑपरेशन में सबसे प्रभावशाली बात यह रही कि भारतीय लड़ाकू विमानों ने रात के अंधेरे में बेहद सटीकता से अपने लक्ष्य साधे और सीमित समय में वहां से निकल आए। यह 'नो वॉर्निंग, नो वॉर' रणनीति का आदर्श उदाहरण था। पाकिस्तान के वायु रक्षा तंत्र को भनक तक नहीं लगी और जब तक वहां के सैन्य प्रतिष्ठान कुछ समझ पाते, तब तक भारत अपना काम करके वापस लौट चुका था। इस ऑपरेशन में केवल आतंकी ठिकानों को ही नहीं, उन ठिकानों को भी निशाना बनाया गया, जहां से उन्हें रसद, हथियार और प्रशिक्षण दिया जाता था। यह केवल आतंकियों के खिलाफ नहीं बल्कि आतंक को संरक्षण देने वाली पूरी पाकिस्तानी सैन्य और खुफिया संरचना के खिलाफ कार्रवाई थी।

यही कारण है कि पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य गलियारों में इस ऑपरेशन के बाद सन्नाटा छा गया। हालांकि पाकिस्तान की प्रतिक्रिया पूर्वानुमेय थी, पहले इन्कार, फिर विक्टिम कार्ड खेलना और अंत में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से गुहार लगाना लेकिन अब वैश्विक परिदृश्य बदल चुका है। अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अन्य लोकतांत्रिक देश भारत के साथ खड़े हैं। आतंक के प्रति उनकी नीति अब स्पष्ट है कि जो आतंक को शरण देगा, वह खुद सुरक्षित नहीं रहेगा। इसीलिए, भारत द्वारा किए गए इस ऑपरेशन को विश्वभर में नैतिक समर्थन और वैधता प्राप्त हुई है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ऑपरेशन सिंदूर का सैन्य पक्ष जितना शक्तिशाली था, उतनी ही मजबूत उसकी कूटनीतिक तैयारी भी थी। भारत ने पहले ही अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के आतंक समर्थक चेहरे को उजागर कर दिया था। एफएटीएफ जैसे मंचों पर पाकिस्तान की असफलताएं जगजाहिर हैं। ऐसे में भारत का यह सैन्य कदम उस लंबे कूटनीतिक संघर्ष का परिणामी वार था, जिसे वर्षों से संजोया जा रहा था। ऑपरेशन सिंदूर ने यह भी दिखा दिया कि भारत अब केवल एलओसी तक सीमित नहीं है।

शांति में शिव हैं हम अशांति में प्रचंड रुद्र

बलदेव राज भारतीय

भारत, वह पवित्र भूमि जिसने सहस्राब्दियों से शांति, सह-अस्तित्व और संयम को अपनी आत्मा का आधार बनाया है। यह वही देश है जिसने विश्व को 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का उदात्त संदेश दिया, जिसने युद्ध के मैदानों में भी मानवता की मर्यादा को सर्वोपरि रखा, और जिसने अपने शत्रुओं को क्षमा करके यह सिद्ध किया कि सच्ची शक्ति विनाश में नहीं, बल्कि संयम और नियंत्रण में निहित है। परंतु इतिहास इस बात का भी साक्षी है कि जब-जब भारत की इस सहनशीलता को कमजोरी समझने की भूल की गई, तब-तब इस शांतिप्रिय राष्ट्र ने रुद्र का रौद्र रूप धारण कर अपने शत्रुओं को उनकी औकात दिखाई है। आज समय फिर उसी मोड़ पर खड़ा है, जब भारत को अपनी शक्ति, शौर्य और संकल्प का परिचय देना पड़ रहा है। यह परिचय है ऑपरेशन सिंदूर—एक ऐसा अभियान जो भारत की शांति की पुकार को रुद्र तांडव में बदलने की क्षमता रखता है। भारत के सुदर्शन चक्र S 400 की ताकत दुनिया देख रही है और आगे भी देखेगी। पाकिस्तान ने युद्ध छेड़ा जरूर है, पर इसे खत्म भारत करेगा। कराची, लाहौर, इस्लामाबाद इत्यादि शहरों में हुई बर्बादी का जिम्मेदार पाकिस्तान स्वयं है। उसने भारत पर ड्रोन और मिसाइल हमला करने की भूल की है। जिसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ेगा। हम शांति और अहिंसा के पुजारी हैं। परन्तु इसका अर्थ दुश्मन यह न निकाले कि हम कमजोर हैं, क्योंकि शांति में शिव हैं हम, अशांति में प्रचंड रुद्र। अपनी पर आएं तो हम तांडव मचा सकते हैं। भारत का इतिहास केवल युद्धों और विजयों की गाथा नहीं, बल्कि शांति और सौहार्द की कहानी है। प्राचीन काल से ही भारत ने विश्व को अहिंसा का मार्ग दिखाया। भगवान बुद्ध और महावीर के उपदेशों से लेकर महात्मा गांधी के सत्याग्रह तक, भारत ने हमेशा संवाद और शांति को प्राथमिकता दी। लेकिन यह वही भारत है जिसने चाणक्य की कूटनीति, शिवाजी के गोरिल्ला युद्ध और रानी लक्ष्मीबाई के अदम्य साहस से यह भी सिद्ध किया कि जब बात मातृभूमि की रक्षा की आती है, तो यह राष्ट्र न केवल शस्त्र उठाता है, बल्कि उसे विजय तक ले जाता है। आज का भारत एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति है, जिसकी आवाज न केवल एशिया में, बल्कि विश्व मंच पर भी गूंजती है। भारत की अर्थव्यवस्था, उसकी तकनीकी प्रगति और उसकी सांस्कृतिक विरासत ने उसे विश्व में एक अनूठा स्थान दिलाया है। परंतु इसके साथ ही भारत की सीमाओं पर चुनौतियां भी बढ़ी हैं। आतंकवाद, सीमापार घुसपैठ और कायराना हमले भारत की शांति को भंग करने की साजिशें हैं। ऐसे में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह शांति का पुजारी है, पर रुद्र रूप धारण करने से भी नहीं हिचकता। ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य रणनीति का वह स्वरूप है, जो शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और आतंकवाद के प्रति उसकी जीरो टॉलरेंस नीति को दर्शाता है। यह कोई साधारण सैन्य अभियान नहीं, बल्कि एक सुनियोजित, लक्षित और प्रभावी कार्रवाई है, जिसका उद्देश्य सीमापार बैठे उन आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करना है, जो भारत की धरती पर खून की होली खेलने की साजिश रचते हैं। यह अभियान उन निर्दोष नागरिकों के आंसुओं का प्रतिशोध है, जो आतंकवाद की भेंट चढ़े। यह उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर किए। ऑपरेशन सिंदूर का नाम ही अपने आप में प्रतीकात्मक है। 'सिंदूर' भारतीय संस्कृति में मंगलसूचक और शक्ति का प्रतीक है। यह वह चिह्न है जो भारतीय नारी अपने माथे पर लगाती है, जो उसके सौभाग्य और सम्मान का प्रतीक है।

तर्क, कुतर्क और जादू.

डॉ टी महादेव राव

अब शायद लोगों का तर्क के प्रति नजरिया ही बदला हुआ लगता है। आप चाहे जितनी दलीलें दे दो उनको नहीं मानना है तो नहीं ही मानेंगे। लॉजिक कहां मिस हो गया पता नहीं। आप अपना माथा फोड़कर भी गलत को गलत साबित नहीं कर सकते। सही को सही सिद्ध नहीं कर पाएंगे। लोगों की सोच और उससे जुड़े कुछ अंधविश्वास हैं कि वे ऐसे हो गए हैं। क्या कहते हो छोटू! आपकी इन बातों में लॉजिक या तर्क या दलील चाहे जो भी हो, मैं नहीं मानता भैया। तुम्हारी अपनी मान्यताएं और विश्वास जरूरी है कि सभी मानें? अगर ऐसा होने लगे तो ज्ञान का जो भंडार हमारे पास व्हाट्सएप, इंस्टा और ट्विटर के माध्यम से आता है, उसका क्या होगा? हम आपकी बातें सीधे सीधे क्यों मान लें? इसलिए कि मेरे दलील में दम है। मेरे तर्क सही हैं और मेरा लॉजिक सही में लॉजिक है। ऐसा तो हर आदमी सोचता है कि वह सही है और सामने वाला गलत है। राजनीति में देखें तो हम भगवान हैं सामने वाला तुच्छ और दुष्ट है। कोर्ट कचहरी में देखे तो बस सड़क पे सांडों जैसे एक दूसरे पर वकील चिल्लाते हैं दलील मनवाने के लिए। नजरिए में फ़र्क की वजह से कोई किसी की बात मानने के लिए तैयार ही नहीं। सूरज पूरब से उगता है, दो और दो चार होते हैं, चांद रात को निकलता है। इन बातों के लिए तर्क या लॉजिक की क्या जरूरत है छोटू? बात मत घुमाओ भैया। सार्वजनिक सत्य हैं ये सब। इनका तर्क या लॉजिक से क्या लेना देना, बोलिए। अब जो जीत सकता है यह जानते हुए उसके पास जाकर उसे प्रेरणा देना और हारने वाले को ढाढस बंधाने में फर्क है कि नहीं। बिलकुल नहीं है। जीतने वाले से काम निकलवाना और हारे के आंसू पोंछना जग की रीत है। इसमें फर्क क्या है? चूंकि रावण गलत था, इसके लिए सारे लंकावासी गलत हैं, क्या यह सही है? राम जैसे मर्यादा पुरुषोत्तम अयोध्या में थे इसका मतलब सारी जनता अयोध्या की सज्जन है क्या यह सही है? बिलकुल सही है। जैसे पहले चंबल का मतलब डाकू, लुटेरे, हत्यारे ही होता रहा। खैर अब बदल गया सब कुछ। अच्छा तो विभीषण, त्रिजटा जैसे अच्छे लोग भी तो थे लंका में।

कुंडली में मंगल दोष कर रहा परेशान?

ज्येष्ठ माह के इन 5 दिन करें हनुमान जी की खास पूजा

हिंदू धर्म में हर तिथि हर वार का अत्यधिक महत्व शास्त्रों में बताया गया है। हिंदू धर्म में हनुमानजी की पूजा सभी संकटों से उबारने वाली मानी गई है। बजरंगबली को मंगलवार का दिन भी अत्यंत प्रिय है। भगवान राम के परम भक्त हनुमानजी की पूजा का महत्व तब और बढ़ जाता है, जब उनकी पूजा जेठ महीने में पड़ने वाले मंगलवार पर की जाती है। ज्येष्ठ मास में इस बार पांच बड़े मंगल पड़ेंगे। हनुमानजी को ज्येष्ठ मास क्यों प्रिय है और क्यों जेठ के मंगलवार को हनुमानजी की विशेष पूजा करनी चाहिए,

कब-कब है बड़ा मंगल

पहला बड़ा मंगल- 13 मई 2025
दूसरा बड़ा मंगल- 20 मई 2025
तीसरा बड़ा मंगल- 27 मई 2025
चौथा बड़ा मंगल- 2 जून 2025
पांचवां बड़ा मंगल- 10 जून 2025

भगवान राम और हनुमान जी की मुलाकात शास्त्रों के अनुसार, ज्येष्ठ माह में पड़ने वाले मंगलवार के दिन लोग शुभ कार्य करते हैं। ज्येष्ठ माह खासकर पवन पुत्र को समर्पित होता है, क्योंकि इसी महीने भगवान राम और हनुमानजी की मुलाकात हुई थी।

इतना ही नहीं, इस महीने में प्यासे को पानी पिलाना चाहिए। जगह-जगह प्याऊ लगाने चाहिए। इसके अलावा इस महीने में किए गए दान-पुण्य से बड़े फल की प्राप्ति होती है, क्योंकि साल का यह सबसे बड़ा महीना माना जाता है।

जरूर करें यह उपाय

अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल दोष या मंगल ग्रह नीच या शत्रु क्षेत्र में विराजमान होता है, तो व्यक्ति के साथ दुर्घटना होना जैसे चोट लगना या शत्रु पक्ष हावी रहता है। साथ ही व्यक्ति पराक्रम नहीं दिखा पाता है।

ऐसी स्थिति में आपको हनुमान जी की आराधना करनी चाहिए। बड़े मंगल को मंदिर में जाकर हनुमान जी को चोला चढ़ाएं और घी का दीपक लगाएं। उसके बाद हनुमान चालीसा, सुंदरकांड, बजरंग बाण का पाठ करने से भी मंगल ग्रह के कारण मिलने वाली पीड़ा कम होती है।

कुल देवता होते हैं नाराज तो बेटे-बेटी का मुंह नहीं देख पाता इंसान

यदि किसी व्यक्ति के कुंडली में संतान दोष है तो काफी प्रयासों के बाद भी वह बेटे या बेटीका मुंह नहीं देख पाता है। उसे संतान का सुख प्राप्त नहीं होता है। आपका जीवन सुखी रहे, इसके लिए आपको समय समय पर अपने कुल देवता की पूजा करनी चाहिए। उनके लिए भोग लगाना चाहिए। कुल देवता प्रसन्न होते हैं तो व्यक्ति का परिवार बढ़ता है। यदि कुल देवता नाराज होते हैं तो वंश आगे नहीं बढ़ पाता है। आइए दिवाकर पंचांग से जानते हैं कि कुंडली में कुल देवता का दोष क्या है? संतान प्राप्ति का उपाय क्या है?

कुल देवता के दोष से नहीं होती संतान

यदि सूर्य मकर या कुंभ राशि में होकर पाप ग्रहों से युक्त हो या फिर लग्न में पाप ग्रह हों तो कुल देवता की नाराजगी से संतान नहीं होती है।

यदि कुंडली के लग्न भाव पर पाप ग्रह की दृष्टि पड़ रही हो और शनि छठे भावस्थ हो, चंद्र, सूर्य और बुध को विशेष दृष्टि से देख रहा हो तो कुल देवता की नाराजगी से संतान

नहीं होती है।

कुंडली के 6वें भाव में बुध और शनि हों, लग्न के सूर्य और चंद्रमा पर क्रूर ग्रहों की दृष्टि हो तो कुल देवता के श्राप से व्यक्ति को संतान नहीं होती है।

यदि कुंडली का पंचमेश पाप ग्रहों वाला हो या दृष्ट हो या फिर पंचमेश षष्ठेश वाला हो या दृष्टि हो तो कुल देवता का श्राप लगता है, पुत्र या पुत्री का सुख नहीं मिलता है।

यदि पंचमेश गुरु वाला हो और सप्तमेश मंगल युक्त हो तो कुल देवता के श्राप से संतान नहीं होती है।

संतान प्राप्ति के उपाय

पति और पत्नी साथ में पुत्रदा एकादशी कर व्रत करते हैं तो उनको संतान सुख मिल सकता है।

संतान की प्राप्ति के लिए श्री वंशकवच और स्तोत्र का पाठ करें। संतान गोपाल स्तोत्र, श्रीहरिवंश पुराण और श्री गोपाल सहस्त्रणाम का पाठ करें। बछड़े वाली गाय का दान करें।

संतान सुख पाने के लिए संतान गणपति स्तोत्र का पाठ करें। गणेश चतुर्थी का व्रत करें। श्री चरणव्यूह का भी पाठ कर सकते हैं।

पुत्र या पुत्री की प्राप्ति के लिए छठी मैया की पूजा करें। षष्ठी देवी स्तोत्र का पाठ करें। सोमवती अमावस्या या अमावस्या पर स्नान, दान, पूजा पाठ करें। पितृ तर्पण, ब्रह्म भोज आदि करें। लाभ होगा।

भाद्रपद के शुक्ल पक्ष में श्री महालक्ष्मी व्रत करें। 16 दिनों तक श्री महालक्ष्मी का पूजन करें। आपके संतान सुख में बढ़ोत्तरी होगी।

घर से निकलने से पहले मीठा खाना शुभ या अंधविश्वास?

भारत में रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी कई परंपराएं हैं, जिनका सीधा संबंध हमारे विश्वास, भावनाओं और पुराने अनुभवों से होता है। इन्हीं में से एक है घर से बाहर जाते समय कुछ मीठा खाना। बहुत से लोग मानते हैं कि इससे दिन अच्छा जाता है और काम में सफलता मिलती है। लेकिन कुछ लोगों को यह उलझन भी होती है कि क्या यह सिर्फ एक रिवाज है या इसके पीछे कोई ठोस वजह भी है।

मीठा खाना क्यों माना जाता है शुभ?

जब भी किसी ज़रूरी काम पर निकलना हो, तो घर के बड़े बुजुर्ग अक्सर कहते हैं 'थोड़ा सा दही शक्कर खा लो' या 'कुछ मीठा खाकर जाओ।' इसके पीछे यह मान्यता है कि मीठे स्वाद से मन खुश होता है और सोच में ताजगी

आती है। मीठा खाने से जुबान पर मिठास आती है, जिससे बातचीत में नरमी बनी रहती है और मन शांत रहता है।

यही नहीं, जब कोई इंसान अच्छे मूड में होता है, तो वह ज्यादा आत्मविश्वास से भरा होता है और किसी भी काम को अच्छी तरह कर पाता है। यही वजह है कि घर से निकलते समय मीठा खाना एक तरह से अच्छा संकेत माना जाता है।

क्या अकेले मीठा खाना काफी है?

कुछ मान्यताओं के अनुसार, सिर्फ मीठा खाना ही नहीं, उसके साथ पानी पीना भी ज़रूरी होता है। कहा जाता है कि यह मिलकर शुभ फल देते हैं। पानी शरीर को ठंडक देता है और मन को संतुलन में रखता है। जब आप बाहर गर्मी या तनाव में निकलते हैं, तो पानी शरीर को तरोताजा रखता है और मन को शांत करता है। इसलिए कहा जाता है कि मीठे के साथ थोड़ा पानी पी लेना और भी बेहतर होता है।

सिंगल रहना पसंद करते हैं इन 5 राशि के लोग

क्या आपने कभी सोचा है कि कुछ लोग बिना किसी रिश्ते के भी पूरी तरह खुश और संतुष्ट क्यों रहते हैं, जबकि कुछ हमेशा अपनी लाइफ में किसी को ढूंढते रहते हैं? इसका जवाब शायद उनकी राशि में ही छिपा है। ज्योतिष एवं वास्तु शास्त्री अंशुल त्रिपाठी के अनुसार, कुछ राशियों के लोग सिंगल रहकर भी खुद की कंपनी को एंजॉय करते हैं। उन्हें सच्चे प्यार से परहेज नहीं है, लेकिन वो अकेले रहने की आज़ादी और खुद के लिए जीने को भी पूरी तरह अपनाते हैं। तो चलिए जानते हैं कौन-सी हैं वो 5 राशियां, जिन्हें अकेले रहना सच में पसंद होता है।

वृषभ

वृषभ राशि के लोगों को अपनी लाइफ में ज्यादा रोक टोक पसंद नहीं आती है। ये लोग अपनी मर्जी से डिसिजन लेना और लाइफ जीना पसंद करते हैं। हालांकि, इन्हें सच्चे प्यार से परहेज नहीं होता है। वृषभ राशि के लोग जब सिंगल होते हैं तो खुद पर और करियर पर बेहतर तरीके से फोकस कर पाते हैं।

सिंह

सिंह राशि के लोग शानदार पर्सनैलिटी और लीडरशिप क्वालिटी के लिए जाने जाते हैं। उन्हें लाइमलाइट में रहना और खुद पर ध्यान पाना पसंद है। ये लोग अपने दम पर सब हासिल करना चाहते हैं। सिंगल रहते हुए

वो खुद पर फोकस करते हैं, अपने गोल्स पूरे करते हैं और लाइफ को अपने अंदाज में जीते हैं।

तुला- तुला राशि के लोग भले ही बैलेंस और रिलेशनशिप के लिए जाने जाते हों, लेकिन उन्हें अकेले रहकर भी शांति और ग्रोथ मिलती है। उन्हें खुद के साथ समय बिताना काफी पसंद होता है। सिंगल रहकर उन्हें फैसले लेने की आजादी मिलती है और वो अपने इमोशंस को अच्छे से समझ पाते हैं।

धनु- धनु राशि के लोग घूमने-फिरने और नई चीजें ट्राई करने में भरोसा रखते हैं। उनकी लाइफ का मकसद होता है आज़ादी और मस्ती से जीना। सिंगल रहकर वह चीजों को अपने हिसाब से करते हैं। रिलेशनशिप का बंधन उन्हें कभी-कभी बंधा हुआ महसूस करवा सकता है। इसलिए अगर कोई धनु राशि वाला इंसान सिंगल है, तो समझ जाइए कि वो इसमें भी पूरी तरह खुश है।

कुंभ- कुंभ राशि के लोग अपनी आजादी और स्पेस को सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। उन्हें किसी से पूछे बिना अपने मन की करना अच्छा लगता है। चाहे नई चीजें सीखना हो, किताबें पढ़ना हो या अपने शौक पूरे करना। ये लोग अपने रिश्तों की कद्र करते हैं, लेकिन उन्हें खुद के साथ समय बिताना भी उतना ही ज़रूरी लगता है।

भक्त की परीक्षा लेने आया था अंग्रेज फिर माता ने कर दिया कुछ ऐसा

देवभूमि के नाम से प्रसिद्ध हिमाचल प्रदेश में अनेक ऐसे धार्मिक स्थल हैं, जो भक्तों की आस्था का केंद्र बने हुए हैं। इन्हीं में से एक है कांगड़ा जिले में स्थित गुणा माता मंदिर। यह मंदिर समुद्र तल से करीब 2300 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और ओक व देवदार के घने जंगलों से घिरा हुआ है। गुना देवी मंदिर हिंदू देवी काली को समर्पित है और इसे एक प्रमुख सिद्धपीठ माना जाता है।

धौलाधार पर्वतमाला से दिखाई देता है अनुपम दृश्य

यह मंदिर हिमाचल प्रदेश के निचले हिस्से में स्थित है। यहां से धौलाधार पर्वतमाला के खूबसूरत दृश्य दिखाई देते हैं, जो यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को एक दिव्य अनुभव प्रदान करते हैं। शांत वातावरण, घने जंगल और आध्यात्मिक ऊर्जा से यह स्थान श्रद्धा और सौंदर्य का अद्भुत संगम बन गया है।

अंग्रेज अफसर ने भी किया था नमन

गुणा माता की महिमा का उल्लेख एक ऐतिहासिक प्रसंग से भी जुड़ा है। कहा जाता है कि माता के सच्चे भक्त चनालू सेठ की परीक्षा लेने के उद्देश्य से एक अंग्रेज अफसर मंदिर पहुंचा था। उसने माता की शक्ति को परखने के लिए एक बहुत बड़ा बर्तन लाने को कहा। लेकिन माता की कृपा से वह बर्तन चांदी के सिक्कों से भर गया। यह देखकर अंग्रेज अधिकारी भी माता की शक्ति के आगे नतमस्तक हो गया और मंदिर में शीश नवाया।

श्रद्धालुओं की मन्नतें करती हैं पूरी

यह मंदिर सदियों से श्रद्धालुओं की मन्नतें पूरी करता आ रहा है। यहां हर साल हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। जब भी किसी की मुराद पूरी होती है, तो वे माता के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए 'जातर पर्व' का आयोजन करते हैं। यह आयोजन स्थानीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा बन चुका है।

धर्मशाला के बल्ह गांव में स्थित है मंदिर

गुणा माता का यह प्रसिद्ध मंदिर धर्मशाला के निकट नड्डी पर्यटक स्थल के बल्ह गांव में स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए भक्तों को कुछ दूरी पैदल भी चलना होता है, लेकिन यात्रा का हर क्षण एक आध्यात्मिक अनुभव बन जाता है।

भक्तों की श्रद्धा से जुड़ी है मां की दिव्यता

माता की भक्त रूबी कपूर कहती हैं कि गुणा माता की महिमा अपार है। उन्होंने बताया कि सिर्फ स्थानीय नहीं, बल्कि दूर-दराज से भी लोग यहां अपनी मन्नतें लेकर आते हैं। जब उनकी मुरादें पूरी होती हैं, तो वे पुनः माता का आशीर्वाद लेने यहां लौटते हैं। यह परंपरा सदियों से चलती आ रही है, जिससे माता के प्रति लोगों की आस्था और अधिक मजबूत हुई है।

बुद्ध पूर्णिमा? बन रहा रवि योग, लगेगी पाताल की भद्रा

वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को बुद्ध पूर्णिमा मनाई जाती है। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर रवि योग बन रहा है और भद्रा लग रही है। रवि योग एक शुभ योग माना जाता है। बुद्ध पूर्णिमा का दिन बौद्ध धर्म के लोगों के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है। इस दिन भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था, जिन्होंने बौद्ध धर्म की स्थापना की थी। आइए जानते हैं कि इस साल बुद्ध पूर्णिमा कब है? बुद्ध पूर्णिमा का महत्व क्या है?

बुद्ध पूर्णिमा 2025 तारीख

वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख शुक्ल पूर्णिमा तिथि 11 मई दिन रविवार को रात 8 बजकर 1 मिनट से शुरू हो रही है। यह तिथि 12 मई दिन सोमवार को रात 10 बजकर 25 मिनट तक मान्य रहेगी। ऐसे में वैशाख पूर्णिमा 12 मई को है। इस आधार पर देखा जाए तो इस साल बुद्ध पूर्णिमा 12 मई सोमवार को है।

बुद्ध पूर्णिमा पर रवि योग और भद्रा

बुद्ध पूर्णिमा के दिन रवि योग है और भद्रा पाताल लोक की है। रवि योग सुबह 5 बजकर 32 मिनट से बनेगा, जो सुबह 06 बजकर 17 मिनट तक रहेगा। रवि योग में सभी प्रकार के दोष मिट जाते हैं। उस दिन भद्रा का प्रारंभ सुबह 05 बजकर 32 मिनट से होगा और यह सुबह 09 बजकर 14 मिनट तक रहेगी। इस भद्रा का वास पाताल लोक में है।

गौतम बुद्ध की 2587वीं जयंती

12 मई को वैशाख पूर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध की 2587वीं जयंती मनाई जाएगी। इस दिन बौद्ध धर्म के अनुयायी प्रार्थना करते हैं और भगवान बुद्ध के उपदेशों का अनुसरण करने का प्रयास करते हैं। वैशाख पूर्णिमा के दिन भगवान बुद्ध का जन्म लुंबिनी में हुआ था, जो इस समय नेपाल में है।

बुद्ध पूर्णिमा का महत्व

बुद्ध पूर्णिमा बौद्ध धर्म के लोगों के लिए एक विशेष दिन है। भगवान बुद्ध एक ऐसे महापुरुष हैं, जिनके जीवन से जुड़े 3 बड़ी घटनाएं वैशाख पूर्णिमा के अवसर पर हुईं। वैशाख पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध का जन्म हुआ। जिस दिन बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई, वह भी वैशाख पूर्णिमा थी। जब भगवान बुद्ध ने अपने प्राण छोड़े तो उस दिन वैशाख पूर्णिमा थी। बिहार के बोधगया में बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई और कुशीनगर में उनका निधन हुआ। ज्ञान प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने पहला उपदेश सारनाथ में दिया था।

महिलाओं के गुस्से और तनाव को करें दूर बिना दवा के पाएं काबू और बेहतर सेहत

ऐसा ही एक तरीका है तांबे की अंगूठी पहनना। शायद सुनने में थोड़ा अजीब लगे, लेकिन इसका असर बहुत अच्छा होता है। कई लोग इसे सिर्फ एक धातु मानते हैं, लेकिन इसमें छिपे गुण हेल्थ और मूड दोनों को बेहतर बना सकते हैं।

गुस्से पर असर

तांबा ठंडक देने वाला माना जाता है। जब यह अंगूठी के रूप में हाथ में पहना जाता है, तो धीरे-धीरे इसका असर बॉडी पर दिखने लगता है। यह मन को शांत रखने में मदद करता है और गुस्से को कम करता है। खासकर उन महिलाओं के लिए जो ऑफिस और घर दोनों की जिम्मेदारियां निभाते हुए तनाव से घिर जाती हैं, यह एक नेचुरल तरीका है मन को स्थिर रखने का।

बॉडी की ताकत बढ़ती है

आयुर्वेद में भी कहा गया है कि तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने से शरीर की ताकत बढ़ती है। इसी तरह तांबे की अंगूठी पहनने से भी

बॉडी में मौजूद कई तरह के वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने की ताकत बढ़ती है। इससे इंफेक्शन से बचाव होता है और इम्यूनिटी मजबूत बनती है।

ब्लड प्रेशर में मदद

जो लोग हाई या लो ब्लड प्रेशर की परेशानी से जूझ रहे हैं, उनके लिए भी यह अंगूठी फायदेमंद हो सकती है। तांबा स्किन के ज़रिए बॉडी में धीरे-धीरे समा जाता है और ब्लड सर्कुलेशन को सही बनाए रखता है। इससे हार्ट और ब्लड वेसल्स बेहतर तरीके से काम करते हैं।

कॉपर की कमी दूर होती है

बॉडी में अगर कॉपर की कमी हो जाए तो इसका असर बालों, त्वचा और एनर्जी लेवल पर दिखने लगता है। तांबे की अंगूठी पहनने से धीरे-धीरे यह कमी पूरी होती है। यह बिना किसी दवा के बॉडी को ज़रूरी मिनरल देने का नेचुरल तरीका है।

पेट की सेहत बेहतर बनती है

अगर आपको गैस, अपच या एसिडिटी जैसी समस्याएं रहती हैं, तो तांबे की अंगूठी फायदेमंद हो सकती है। यह पाचन तंत्र पर पॉजिटिव असर डालती है और पेट की अंदरूनी गर्मी को कम करती है।

त्वचा में निखार लाती है

तांबा जब लगातार स्किन के संपर्क में रहता है तो इससे त्वचा पर चमक आ जाती है। यह स्किन की गंदगी और तेल को बैलेंस करता है और स्किन को हेल्दी लुक देता है।

घुटनों में असहनीय दर्द के बाद भी नहीं मानी हार, ट्रांसफॉर्मेशन जर्नी देख सब हैरान!

साउथ इंडस्ट्री और हिंदी फिल्मों में अपने मजबूत किरदारों से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी 'फैट-टू-फिट' जर्नी दिखा रही हैं.

साउथ इंडस्ट्री और हिंदी फिल्मों में अपने मजबूत किरदारों से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस रितिका सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी 'फैट-टू-फिट' जर्नी दिखा रही हैं. उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने घुटनों की चोट के बावजूद वजन घटाया और फिर से पुरानी फिगर हासिल की.

रितिका सिंह ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसकी शुरुआत में उन्होंने बताया कि उनका वजन बढ़ गया था और वह 72 किलो तक पहुंच गई थीं. इसके बाद वीडियो में उन्होंने दिखाया कि कैसे उन्होंने वर्कआउट करके, मेहनत और लगन से अपना वजन घटाया और फिर से फिट शेप में वापस लौट आईं.

वीडियो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, "पिछले तीन महीने मेरे लिए बेहद बदलाव भरे रहे. सिर्फ इसलिए नहीं कि मेरा वजन बहुत बढ़ गया था, बल्कि इसलिए भी कि मेरे घुटनों की पुरानी चोटें और दर्द देने लगी थीं. दर्द इतना ज्यादा था कि मैं ठीक से चल भी नहीं पा रही थी, किक मारना या डांस करना भी मुश्किल हो गया था. तभी मैंने आईने में खुद को देखा और खुद से कहा कि 'बस बहुत हो गया, अब खुद को पूरी तरह बदलने का वक्त आ गया है.'"

इस दौरान सामने आई चुनौतियों के बारे में बताते हुए उन्होंने आगे लिखा, "मैंने अपनी लाइफस्टाइल में कई बड़े बदलाव किए, जैसे डाइट, एक्सरसाइज, और रूटीन में सुधार किया... लेकिन मेरे लिए सबसे बड़ा बदलाव कुछ छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना था, जो अक्सर 'छोटी और बेकार' लगती हैं, लेकिन असल में सबसे ज्यादा असर उन्हीं चीजों ने डाला." उदाहरण के तौर पर ऐसी चीज़ें हो सकती हैं:

एक्ट्रेस ने पोस्ट के आखिर में कहा, "मैं इस बारे में और बात करना चाहूंगी, क्योंकि मुझे सच में लगता है कि ये कई लोगों की मदद कर सकता है, ताकि वे न सिर्फ बेहतर दिखें, बल्कि सबसे जरूरी बात बेहतर महसूस भी करें."

अब हॉलीवुड साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म में कंगना रनौत निभाएंगी लीड रोल

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अब हॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। वह हॉरर ड्रामा 'ब्लेस्ड बी द एविल' में पहली बार मुख्य भूमिका निभाएंगी। इस प्रोजेक्ट में कंगना के साथ टीन वुल्फ, टायलर पोसी और हॉलीवुड आइकन सिल्वेस्टर स्टेलोन की बेटी स्कारलेट रोज स्टेलोन होंगी।

जल्द शुरू होगी शूटिंग

एक रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म का निर्माण इस गर्मी में न्यूयॉर्क शहर में शुरू होने वाला है। निर्माताओं ने खुलासा किया कि टीम ने जानबूझकर अमेरिकी स्थानों का चयन किया ताकि हाल ही में घोषित ट्रम्प इंडस्ट्री टैरिफ से उत्पन्न किसी भी अनिश्चितता से बचा जा सके।

साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म है 'ब्लेस्ड बी द एविल'

इस फिल्म का निर्देशन अनुराग रुद्र ने किया है। जिन्होंने गाथा तिवारी लायंस मूवीज के अध्यक्ष और संस्थापक के साथ मिलकर इसकी स्क्रिप्ट भी लिखी है। 'ब्लेस्ड बी द एविल' एक साइकोलॉजिकल हॉरर है।

क्या होगी फिल्म की कहानी?

रिपोर्ट के मुताबिक कहानी एक ईसाई कपल पर केंद्रित है जो गर्भपात के आघात से जूझ रहा है। एक नई शुरुआत की तलाश में, वह एक अंधेरे और भयावह इतिहास वाले एक छोड़े हुए खेत को खरीदते हैं, लेकिन यहां उनका सामना एक दुष्ट शक्ति से होता है। फिल्म के निर्देशक अनुराग ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, 'ग्रामीण भारत में पैदा होने और अपना बचपन बिताने के कारण, मुझे ऐसी कहानियां सुनाई गईं जो मेरे दिमाग और दिल में बस गईं। यह लोककथा इतनी खास थी कि मुझे वास्तव में सभी कहानियों पर विश्वास था। मैं उन्हें सिनेमा की कला के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करना चाहता था।'

कंगना रनौत का वर्क फ्रंट

अभिनेत्री कंगना रनौत ने अभी तक इस प्रोजेक्ट को लेकर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। अभिनेत्री को आखिरी बार 'इमरजेंसी' में देखा गया था। इस फिल्म से उन्होंने निर्देशन की भी शुरुआत की। फिल्म में उन्होंने भारत की दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई थी।

जूनियर आर्टिस्ट की मौत के मामले में कांतारा के मेकर्स ने जारी किया बयान, लोगों से की ये अपील

ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा चैप्टर 1' के निर्माताओं ने अब जूनियर आर्टिस्ट की मौत के मामले में एक बयान जारी किया है। जिसमें निर्माताओं ने दावा किया कि जूनियर आर्टिस्ट एमएफ कपिल की मौत फिल्म के सेट पर नहीं हुई, बल्कि तब हुई जब वह किसी निजी काम से गए थे। साथ ही मेकर्स ने लोगों से झूठी अफवाहें न फैलाने की भी अपील की है।

मेकर्स ने खारिज की अफवाहें

प्रोडक्शन हाउस होम्बले फिल्म्स ने इस मामले में एक विस्तृत बयान जारी किया है। इसमें जूनियर आर्टिस्ट की मौत सेट पर होने की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा गया है, "हाल ही में हुई चर्चाओं के मद्देनजर, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि यह घटना कंतारा के सेट पर नहीं हुई। उस दिन कोई शूटिंग निर्धारित नहीं थी और दुर्भाग्यपूर्ण घटना उनके निजी कार्यक्रम के दौरान हुई, जो किसी भी फिल्म से संबंधित गतिविधि के दायरे से बाहर है। हम सभी से ईमानदारी से अनुरोध करते हैं कि वे फिल्म या उसके क्रू को लेकर किसी भी तरह की अफवाह फैलाने से बचें।" साथ ही मेकर्स ने कपिल की मौत पर दुख भी जताया।

6 मई को डूबने से हुई थी मौत

जूनियर आर्टिस्ट की मौत 6 मई को कर्नाटक के कोल्लूर के पास एक नदी में तैरते समय डूबने से हुई थी। यह बताया गया था कि कपिल की मौत कंतारा फिल्म के सेट पर हुई थी, जब शूटिंग ब्रेक पर थी। इसको लेकर ही मेकर्स पर सवाल उठ रहे थे और उन पर कानूनी कार्रवाई की मांग भी की जा रही थी। अब मेकर्स ने अपनी ओर से आधिकारिक बयान जारी करके इस मामले पर अपनी सफाई दी गई है।

नशे की हालत में मलयालम अभिनेता विनायकन ने किया हंगामा, पुलिस ने हिरासत में लिया

मलयालम अभिनेता विनायकन उस समय चर्चाओं में आ गए जब उन्हें केरल के कोल्लम में एक होटल में शराब पीकर उत्पात मचाने के बाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया। हालांकि, बाद में उन्हें थाने से जमानत पर छोड़ भी दिया गया। यह घटना गुरुवार 8 मई को हुई।

होटल में चेकआउट के वक्त किया हंगामा

मामले में अंचलुमुडु पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी की ओर से बताया गया कि अभिनेता 2 मई से पास में एक मूव शूट के लिए होटल में रह रहे थे। 8 मई को चेकआउट के दौरान उन्होंने नशे की हालत में होटल में हंगामा किया। जिसके बाद उन्हें मेडिकल चेक-अप के लिए ले जाया गया और फिर अंचलुमुडु पुलिस स्टेशन ले जाया गया। यहां उनके खिलाफ सार्वजनिक स्थान पर नशे में पाये जाने के मामले के तहत मामला दर्ज किया गया। हालांकि बाद में उन्हें बेल पर रिहा कर दिया गया।

पुलिस पर भी भड़के अभिनेता

पुलिस की ओर से ये भी बताया गया कि अभिनेता सभी पर चिल्ला रहे थे। यहां तक कि पुलिस पर भी वो चिल्ला रहे थे। अभिनेता को थाने के अंदर भी पुलिस पर चिल्लाते हुए देखा गया।

पुलिस ने बताया कि अभिनेता को थाने से जमानत पर रिहा कर दिया गया, क्योंकि उनका एक साथी उनकी जमानत के तौर पर खड़ा था।

वैसे यह पहली बार नहीं है जब अभिनेता विनायकन को नशे में हंगामा करने के लिए गिरफ्तार किया गया है। पहले भी ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं।

साउथ की साई पल्लवी का पिंपल्स से भर गया था चेहरा, फिर भी कभी नहीं किया मेकअप

..ठुकरा दी थी फेयरनेस क्रीम की करोड़ों की एड... नाम है...

हम बात कर रहे हैं साउथ की उस एक्ट्रेस के बारे में जिसे कभी अपने चेहरे और लुक्स को लेकर इनसिक्योरिटी होती थी. लेकिन आज उसकी गिनती सफल अभिनेत्रियों में की जाती है. नाम है साई पल्लवी. 9 मई 1992 को जन्मीं अभिनेत्री के बारे में बहुत कम लोग ही जानते हैं कि वह अभिनय की दुनिया में आने से पहले एक डॉक्टर थीं. साई पल्लवी अपने कई इंटरव्यू में बता चुकी है कि वो ब्यूटी प्रोडक्ट से दूर रहती हैं, यहां तक कि वो किसी भी कॉस्मेटिक प्रोडक्ट का प्रचार भी नहीं करतीं.

मुंहासों से होती थी इनसिक्योरिटी

एक इंटरव्यू में साउथ एक्ट्रेस ने बताया कि वो अपने चेहरे पर मुहांसे, अपनी आवाज और लुक्स से उन्हें इनसिक्योरिटी महसूस होती थी. साल 2015 में मलयालम फिल्म 'प्रेमम' से अपना एक्टिंग करियर शुरू करने वाली साई पल्लवी महज कुछ सालों में ही फिल्म इंडस्ट्री की सबसे चहेती एक्ट्रेस बन गई. उनके मेल फैन की फॉलोइंग लाखों में हैं.

ठुकरा दी थी करोड़ों की फेयरनेस एड

रिपोर्ट्स की माने तो साई पल्लवी को साल 2019 में एक कंपनी ने फेयरनेस क्रीम के विज्ञापन के लिए ऑफर किया था, जिसके लिए उन्हें 2 से 3 करोड़ रुपए मिल रहे थे. हालांकि, अभिनेत्री ने विज्ञापन को यह कहकर ठुकरा दिया कि वह इस तरह की चीजों को प्रमोट नहीं करेंगी. एक इंटरव्यू में पल्लवी ने खुलासा किया था कि वह ज्यादा मेकअप करने के पक्ष में नहीं रहती हैं.

जो नेचुरल है वो ही सही है

अभिनेत्री का मानना है कि वह भारतीय हैं और उन्हें जो रंग मिला है, वह सही है. सोशल मीडिया पर अभिनेत्री के फैसले की जमकर प्रशंसा हुई थी और यूजर्स ने इसे उनका बेहतरीन फैसला बताया था.

विवादों से भी रहा है नाता

साई की एक्टिंग, खूबसूरती और सरल अंदाज की वजह से तारीफ होती है, तो मुखरता की वजह से वह विवादों में भी रह चुकी हैं. हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू को लेकर अभिनेत्री ने निर्माता-निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री की 'द कश्मीर फाइल्स' को लेकर बात की थी और फिल्म में दिखाए गए कश्मीरी पंडितों के नरसंहार और हत्या को उन्होंने गौ तस्करी करने वालों से तुलना की थी.

एक्ट्रेस ने क्या कहा था

साई ने कहा था कि 'द कश्मीर फाइल्स' में दिखाया गया कि कश्मीरी पंडितों को किस तरह से मारा गया. उन्होंने इस दौरान एक घटना का भी जिक्र किया, जिसमें एक मुस्लिम युवक गाड़ी में गाय लेकर जा रहा था. उसे पीटकर 'जय श्रीराम' के नारे लगवाए गए.

साई पल्लवी ने कहा कि अगर धार्मिक संघर्ष की बात हो रही है, तो फिर इन घटनाओं में अंतर कहां है? उनका मानना है कि कश्मीरी पंडितों का नरसंहार तब हुआ था और ये घटना अब हुई है. हमें खुद को सही रखना चाहिए, तभी सही के लिए आवाज उठा सकते हैं.

पल्लवी ने साल 2005 में आई फिल्म 'कस्तुरी मान' से डेब्यू किया था. इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और काली, मिडिल क्लास, मारी, लव स्टोरी, श्याम सिंह रॉय, गार्गी, अमरन, तंडेल जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं.

रामायण में आएंगी नज़र

साई पल्लवी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स पर नजर डालें तो वह जल्द ही नितेश तिवारी के 'रामायण' में नजर आएंगी. फिल्म में वह माता सीता के किरदार में होंगी, वहीं रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे. 'रामायण' में 'केजीएफ' स्टार यश लंकापति रावण की भूमिका में हैं.

रेखा संग बाथटब में बेकाबू हो गये थे जितेंद्र

इंटीमेट शूट के दौरान पार कर दी सारी हदें, आज भी फिल्म में है वो सीन

रेखा बॉलीवुड की वो एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने हर किरदार में जान डाल दी. एक ब्लॉकबस्टर फिल्म में उनका एक बोल्ड सीन हमेशा चर्चा में रहता है, जिसे लोग आज भी नहीं भूले हैं. 1989 में आई फिल्म 'सौतन की बेटी' में रेखा, जितेंद्र और जया प्रदा लीड रोल में थे. फिल्म के कई सीन दमदार थे, लेकिन बाथटब वाला सीन सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहा. इस सीन में रेखा और जितेंद्र शराब के नशे में चूर होते हैं. फिर दोनों बाथटब में बैठकर नींबू चूसते हैं ताकि नशा उतर जाए.

बेकाबू हो गए थे जितेंद्र और रेखा

कहा जाता है कि शूटिंग के दौरान ये सीन काफी ज्यादा रियल लगने लगा था. लोग मानते हैं कि रेखा और जितेंद्र शूट में कुछ ज्यादा ही बेकाबू हो गए थे. हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है. फिल्ममेकर्स ने कभी इस बात की पुष्टि नहीं की, लेकिन इस सीन को फिल्म में भी जैसा शूट किया गया था वैसा ही रखा गया. फिर भी मीडिया रिपोर्ट्स और दर्शकों के रिएक्शन से ये सीन विवादों में रहा.

थिएटर में जब ये सीन चला तो सीटियां और तालियों से पूरा हॉल गूंज उठा. उस समय इस तरह का सीन बड़े पर्दे पर देखना दर्शकों के लिए चौंकाने वाला था. 'सौतन की बेटी' फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी. लोगों ने न सिर्फ इसकी कहानी को पसंद किया, बल्कि एक्टिंग और म्यूजिक को भी सराहा. इस फिल्म में रेखा की परफॉर्मेंस दमदार रही. वो जितनी बोल्ड दिखीं, उतनी ही भावुक और मजबूत भी नजर आईं. डायरेक्टर सावन कुमार ने फिल्म को बेहद ड्रामेटिक और भावनात्मक अंदाज़ में पेश किया. लेकिन बोल्ड सीन ने फिल्म को अलग ही स्तर पर पहुंचा दिया.

आज भी जब रेखा के करियर के सबसे बोल्ड किरदारों की बात होती है, तो 'सौतन की बेटी' का जिक्र जरूर होता है, खासकर बाथटब वाला सीन.

साउथ एक्टर रवि मोहन रूमर्ड गर्लफ्रेंड केनिशा के साथ आए नजर, दोनों के रिश्तों को लेकर अफवाहें तेज

दक्षिण भारतीय अभिनेता रवि मोहन ने पिछले साल अपनी पूर्व पत्नी आरती से तलाक ले लिया था। इसके कुछ दिनों बाद ही अभिनेता को सिंगर केनिशा फ्रांसिस के साथ देखा गया था, तबसे ही दोनों के बीच अफेयर्स की अफवाहें तेज हो गई थी। अब एक बार फिर से दोनों को एक समारोह में साथ देखा गया है।

शादी समारोह में दोनों साथ दिखे

साउथ अभिनेता रवि मोहन और गायिका केनिशा फ्रांसिस की साथ में कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। दोनों चेन्नई में फिल्म निर्माता इशारी गणेश की बेटी की शादी में शामिल हुए। तस्वीरों में दोनों शादी के लिए मैचिंग आउटफिट पहने दिखे। एक ओर जहां अभिनेता पारंपरिक शर्ट और धोती में नजर आए, वहीं केनिशा सुनहरे रंग की साड़ी पहने दिखी।

दोनों के बीच अफेयर्स की चर्चाएं तेज

पिछले साल अभिनेता रवि मोहन और गायिका केनिशा फ्रांसिस ने अपने रिश्तों को लेकर कहा था कि वह सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। इन दोनों की इस शादी समारोह में उपस्थिति ने फिर से इनके रिश्तों को लेकर अफवाहों को हवा दे दी है।

तलाक के बाद अभिनेता ने बदला था नाम

साउथ एक्टर रवि मोहन और उनकी पूर्व पत्नी आरती ने 15 साल तक एक साथ शादीशुदा जिंदगी के बिताने बाद पिछले साल तलाक ले लिया था।

इस फैसले के बाद अभिनेता ने अपना नाम जयम रवि से रवि मोहन कर लिया था, जिसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर दी थी। इसके साथ ही उन्होंने अपने प्रोडक्शन हाउस का नाम भी बदल दिया था और कहा था कि उनकी जिंदगी का नया अध्याय शुरू हो रहा है।

चौदह वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी के लिए आगे का प्लान

एक दशक से भी अधिक समय बाद, लगातार दो टेस्ट मैचों में दोहरा शतक लगाने के बाद विनोद कांबली अचानक अपनी राह से भटक गए और उनके पाइंट पर कट लगाने की जगह अनुशासनहीनता की कहानियां तेजी से फैलने लगीं। शायद, उनमें से किसी के पास भी राजस्थान रायल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ जैसा सम्मान और ईमानदारी वाला नेक इरादे वाला व्यक्ति नहीं था, जैसा कि 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के पास है। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश तिवारी, राजस्थान रायल्स प्रबंधन, द्रविड़ और वैभव के पिता संजीव के साथ मिलकर इस किशोर के लिए सुरक्षा जाल बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका जीवन आईपीएल के इतिहास में सबसे कम उम्र का शतक बनाने वाले खिलाड़ी बनने के बाद बदल गया है। राहुल द्रविड़ सर ने वैभव को अपने संरक्षण में ले लिया है और उन्होंने उसके माता-पिता और बीसीए अध्यक्ष राकेश तिवारी से भी बात की है। वैभव के माता- पिता से कहा गया है

द्रविड़ सर की किसी भी सलाह पर ध्यान दें। सूर्यवंशी के विकास पर करीबी नजर रखने वाले बिहार क्रिकेट संघ के एक अधिकारी ने बताया, उसमें विशेष प्रतिभा है और अच्छे इरादे वाले लोगों को वैभव को उसकी पूरी क्षमता का एहसास कराने में मदद करने की जरूरत है। भारत की अंडर-19 टीम के साथ काफी काम कर चुके सबसे सम्मानित कोचों में से एक डब्लूवी रमन ने चीजों को सही परिप्रेक्ष्य में रखने की कोशिश की। रमन ने कहा, वह बच्चा है और उसे कोई डर नहीं है। यह तो बस शुरुआत है। उन्होंने आगे कहाः सूर्यवंशी ने जयपुर में पारंपरिक बल्लेबाजी के तरीकों से जुड़ी सभी नियमावलियों को तहस-नहस कर दिया। लेकिन रमन का मानना है कि बच्चे के विकास के लिए यह जरूरी है कि परिवार, खासकर माता-पिता, अपने पैर जमीन पर जमाए रखें। रमन ने कहा, वह 14 वर्ष का है और उसके माता-पिता उसके लिए निर्णय लेंगे और वे निर्णय बहुत महत्त्वपूर्ण होंगे।

शिवरामकृष्णन का मानना है कि उपलब्ध विशाल समर्थन प्रणाली के कारण सूर्यवंशी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, जबकि उनके समय में उनके और मनिंदर सिंह के पास अपने खेल में आने वाली तकनीकी

समस्याओं के बारे में बात करने के लिए कोई नहीं था। बल्लेबाजों को मार्गदर्शन देना बहुत आसान है। गेंदबाज को मार्गदर्शन देने के लिए आपको विचारकों की आवश्यकता होती है। मैं और मन्नी (मनिंदर सिंह) जब 16 और 17 साल के थे, तब हम स्कूल से सीधे निकले थे और पाकिस्तान और वेस्ट इंडीज के खिलाफ मैच खेले थे। उन्होंने याद करते हुए कहा, हम सिर्फ स्पिन के महान खिलाड़ियों की चौकड़ी के बाद आए थे। क्रिकेट तब भी पूर्णकालिक पेशा नहीं था और इसमें कोई तकनीकी सहायता या ज्ञान नहीं था। जब एक पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर, जिन्होंने एनसीए में काम किया है और फ्रेंचाइजी जगत में युवा क्रिकेटरों को बड़े पैमाने पर संभाला है, से पूछा गया कि सूर्यवंशी को कैसे संरक्षित किया जा सकता है, तो उन्होंने कई जानकारियां दीं।

आप सूर्यवंशी की रक्षा करना चाहते हैं? सच कहूं तो आप ऐसा नहीं कर सकते, क्योंकि यह प्राणि का स्वभाव है। वह 14 साल का है और वह गलतियां करेगा। उन्होंने कहा, एक शुभमन गिल हाईवे है और एक पृथ्वी साव बायलेन है। उसे वह रास्ता चुनना होगा, जिस पर वह चलना चाहता है और जाहिर है कि इसमें माता-पिता की भी भूमिका होगी।

ऑस्ट्रेलियाई से ज्यादा साउथ अफ्रीकी आईपीएल 2025 में 72 विदेशी खिलाड़ी

आईपीएल 2025 के सस्पेंड करने का फैसला ले लिया गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसी स्थिति है। दोनों तरफ से लगातार हमले हो रही है और इसी वजह से बीसीसीआई ने यह फैसला लिया है। 22 मार्च को आईपीएल के सीजन की शुरुआत हुई थी। दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स का मुकाबला सीजन का 58वां मैच था। धर्मशाला में खेले जा रहे इस मैच को बीच में रोकना पड़ा। लीग में कुल 74 मुकाबला होने हैं। इसमें चार मैच प्लेऑफ के हैं।

10 टीमों में 74 विदेशी खिलाड़ी

आईपीएल में कुल 10 टीमों हिस्सा ले रही है। इसमें 7 देशों के 72 विदेशी खिलाड़ी हैं। एक टीम में अधिकतम 8 विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं। ये खिलाड़ी लीग रुकने के बाद अब अपने-अपने देश वापस जा सकते हैं। इनमें कई खिलाड़ी तो अभी-अभी रिप्लसमेंट के रूप में आईपीएल से जुड़े हैं। इससे पहले 8 विदेशी खिलाड़ी चोट या अन्य वजहों से सीजन से बाहर हो चुके हैं।

मिचेल ओवन अभी पाकिस्तान में

आईपीएल में शामिल विदेशी खिलाड़ियों में एक नाम अभी पाकिस्तान में है। यह ऑस्ट्रेलिया के मिचेल ओवन है। वह पीएसएल में खेल रहे हैं। पंजाब किंग्स ने ओवन को ग्लेन मैक्सेवल को रिप्लेसमेंट के रूप में अपने साथ जोड़ा था।

आईपीएल 2025 में विदेशी खिलाड़ी

ऑस्ट्रेलिया- नाथन एलिस, स्पेंसर जॉनसन, ट्रेविस हेड, पैट कमिंस, टिम डेविड, जोश हेजलवुड, जैक फ्रेजर मैकगर्क, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, आरोन हार्डी, जोश इंगलिस, जेवियर बार्टलेट, मिचेल मार्श, मिचेल ओवन।

इंग्लैंड- सैम करन, जिमी ओवर्टन, जोफ्रा आर्चर, मोइन अली, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, फिल साल्ट, विल जैक्स, रीस टॉप्ले, जोस बटलर।

न्यूजीलैंड- डेवोन कॉन्वे, रचिन रविंद्र, बेवोन जैकब्स, मिचेल सेंटनर, ट्रेंट बोल्ट।

साउथ अफ्रीका- डेवाल्ड ब्रेविस, लुआन ड्रे प्रीटोरियस, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डिकॉक, एनरिक नोर्तजे, वियान मुल्डर, हेनरिच क्लासेन, लुंगी एनगिडी, फाफ डु प्लेसिस, ट्रिस्टन स्टब्स, डेबोन फेरेरा, मार्को यानसेन, कॉर्बिन बॉश, रेयान रिकेल्टन, गेराल्ड कोएट्जे, कागिसो रबाडा, डेविड मिलर, मैथ्यू ब्रीट्जके।

वेस्टइंडीज- शिमरोन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल, आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, रोमारियो शेफर्ड, शेरफेन रदरफोर्ड, निकोलस पूरन, शमार जोसेफ।

श्रीलंका- मथीशा पथिराना, वानिंदु हसरंगा, महीश तीक्ष्णा, कमिंदु मेंडिस, ईशान मलिंगा, नुवान थुसारा, दुष्मंथा चमीरा, दासुन शनाका।

अफगानिस्तान- नूर अहमद, फजलहक फारुकी, रहमनुल्लाह गुरबाज, सेदिकउल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजाई, मुजीब उर रहमान, राशिद खान, करीम जनत।

चोट या अन्य कारणों से बाहर हो चुके खिलाड़ी

हैरी ब्रूक (इंग्लैंड), ग्लेन फिलिप्स (न्यूजीलैंड), लिजार्ड विलियम्स (साउथ अफ्रीका), अल्लाह गजफर (अफगानिस्तान), ग्लेन मैक्सवेल

'पाकिस्तान कभी नहीं भूलेगा...', सहवाग ने पड़ोसी को जमकर लताड़ा; कोहली ने सेना को सराहा

पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भारत के साथ तनाव बढ़ाने के लिए पाकिस्तान को जमकर लताड़ा है। दोनों देशों के बीच पिछले कुछ दिनों से तनाव की स्थिति बनी हुई है। पाकिस्तान ने गुरुवार की रात जम्मू, पठानकोट सहित कई सीमवर्ती शहरों में ड्रोन से हमले किए थे जिसका भारतीय सेना ने जवाब दिया था। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के हर हमले को नाकाम किया और जवाबी कार्रवाई की थी। वहीं, स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने भारतीय सेना के पराक्रम को सराहा है।

सहवाग बोले- पाकिस्तान ने युद्ध का रास्ता चुना

पाकिस्तान के साथ चल रहे तनाव के बीच सहवाग ने पड़ोसी देश को जमकर लताड़ा और कहा कि हमारी सेना पाकिस्तान को ऐसा जवाब देगी कि वो कभी नहीं भूलेगा। सहवाग ने एक्स

पर लिखा, पाकिस्तान ने युद्ध का रास्ता चुना, जब उसके पास चुप रहने का मौका था। उसने अपने आतंकी ठिकानों को बचाने के लिए तनाव बढ़ा दिया, इससे बहुत कुछ पता चलता है। हमारी सेनाएं इसका उचित तरीके से जवाब दे रही हैं जो पाकिस्तान कभी नहीं भूलेगा।

कोहली ने सेना को किया सलाम

कोहली ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट कर सेना को सलाम किया। उन्होंने लिखा, हम इस कठिन समय में हमारे देश की रक्षा करने के लिए हमारे सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता से खड़े हैं और उन्हें सलाम करते हैं। हम अपने नायकों के हमेशा ऋणी रहेंगे। उनकी अडिग बहादुरी के लिए और उनके और उनके परिवारों के बलिदान के लिए हार्दिक आभार। जय हिंद।

वेंकटेश प्रसाद ने लिखा, 'पाकिस्तान कितना दुष्ट देश है। भारत ऐसे ही उसे जवाब देगा।' प्रज्ञान ओझा ने लिखा, ऐसे समय में, दुनिया देखती है कि भारत वास्तव में कितना मजबूत और एकजुट है। हम अपने सशस्त्र बलों के साथ मजबूती से खड़े हैं क्योंकि वे हमारे देश की रक्षा करते हैं।पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह और शिखर धवन ने भी भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाया और उनकी सराहना की। हरभजन ने लिखा, जय भारत। जय जवान। हर हर महादेव।

शीर्ष पांच में तीन टीमें ऐसी, जो कभी नहीं जीतीं आईपीएल

क्या नया विजेता मिलेगा

इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) 2025 अपना आधे

से ज्यादा सफर पूरा कर चुका है। इस साल 22 मार्च से शुरू हुए 18वें संस्करण की ट्राफी 25 मई को अपने नाम करने के लिए सभी 10 टीमों के बीच जोर आजमाईश जारी है। लेकिन अभी तक आधे से ज्यादा सफर के मैचों के जीत हार के आंकड़ों पर निगाहें डालें तो अंक तालिका में प्रथम पांच टीमों में खिताब अपने नाम कर चुकी गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस को छोड़ कर बाकी तीन टीमों दिल्ली कैपिटल्स, रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स में से कोई भी अभी तक खिताब नहीं जीत पाई है।

पांच बार की विजेता मुंबई दूसरे स्थान पर है, लेकिन सबसे बुरा हाल तो पांच बार की विजेता और 10 फाइनल खेल चुकी चेन्नई सुपर किंग्स का है जो नौ मैचों में केवल दो मैच जीतकर पदक तालिका में अंतिम स्थान पर है और इस सीजन में खिताब की दावेदारी से लगभग बाहर ही हो चुकी है। इसके पीछे जो कारण है उनमें टीम चयन में चूक, कप्तान गायकवाड़ का चोट के कारण बाहर होना और बीच में धोनी को कप्तानी संभालना और रचिन रविंद्र, रविचंद्रन अश्विन और सैम करन से टीम को अच्छे प्रदर्शन का भरोसा था, उनका विफल रहना रहा।

कुछ ऐसा ही हाल तीन बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स का है, जो आधे सफर में अपने 10 मैचों में से केवल चार जीत के साथ सातवें स्थान पर है। ऐसे में कोलकाता पर भी खिताबी दौड़ से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। अगर बाकी बचे सारे मैच टीम जीत जाती है तो ही 'कुछ गुंजाइश प्रथम चार में स्थान बनाने की है। लेकिन इसके लिए जो अभी प्रथम चार में है, उनकी हार भी जरूरी है। दो बार की पूर्व विजेता हैदराबाद और एक बार की राजस्थान भी जीत के लिए जूझ रही है। अंक तालिका में राजस्थान के आठवें और हैदराबाद के नौवें नंबर की स्थिति ने इन दोनों टीमों को भी लगभग खिताबी दौड़ से बाहर कर दिया है। ऐसे में बेंगलुरु, मुंबई और गुजरात के प्लेआफ में पहुंचने की संभावना प्रबल है। चौथी टीम के लिए दिल्ली, लखनऊ और कोलकाता में कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

इस बार के आइपीएल में जो अन्य आंकड़े सामने आ रहे हैं उनमें रनों की गति में भी विराम लगा है। जहां पिछले सीजन में 40 मैचों के बाद रनरेट 10.29 थी वहीं इस बार 8.73 की औसत से ही रन बने हैं। बात करें छक्कों की तो पिछली बार इतने ही मैचों में 712 छक्के लगे इस बार 678 ही। चौके 1231 लगे तो इस बार 1203 लगे। औसत रन दर भी 9.55 की तुलना में 9.41 रही है। इससे स्पस्ट है इस बार कि गेंदबाज बल्लेबाजों पर पकड़ बनाए हुए हैं। एक कमी इस बार आइपीएल में आधे सफर में चर्चा बनी हुई है वो क्षेत्ररक्षक को लेकर भी है। 40 मैचों में इस बार 111 कैच खिलाड़ियों ने टपकाए, जो अब तक आइपीएल इतिहास में सबसे खराब क्षेत्ररक्षण का आंकड़ा है। सबसे ज्यादा इस विषय में निराश चेन्नई और राजस्थान ने किया, जो कैच छोड़ने में सबसे आगे रहे। यही कारण भी रहा कि ये दोनों अंक तालिका में भी अंतिम तीन पायदान पर हैं।

इस सीजन में युवा खिलाड़ी वरिष्ठ पर भारी पड़ रहे हैं। आधे सफर में टीमों को अनुभवी खिलाड़ी हार्दिक पांड्या, रविचंद्रन अश्विवन, रविंद्र जडेजा, मिचेल सेंटनर राशिद खान व अक्षर पटेल कुछ खास योगदान अपनी टीमों को नहीं दे पाए हैं। जबकि युवा वैभव सूर्यवंशी, प्रियांश आर्य, दिग्वेश राठी, अनिकेत वर्मा और विपराज निगम बेहतरीन प्रदर्शन कर सबको लुभा रहे हैं।

आधे सफर में आरेंज कैप और पर्पल कैप के दावेदारों में भी भारत के प्रमुख खिलाड़ी नदारद हैं। हाल ही में बीसीसीआइ ने 2024-25 के लिए 34 खिलाड़ियों को केंद्रीय अनुबंध दिए हैं।

इनमें रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को ग्रेड ए प्लस में रखा है। वहीं ग्रेड ए में ऋषभ पंत, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल और हार्दिक पांड्या को शामिल कर सात करोड़ और पांच करोड़ वेतन देने का फैसला किया है, लेकिन सबसे रोचक बात यह है कि इस सूची में शामिल ज्यादातर खिलाड़ी आइपीएल में अपने प्रदर्शन से निराश कर रहे हैं, जबकि मजे की बात यह है कि इन खिलाड़ियों को बीसीसीआइ के साल भर के अनुबंध राशि से ज्यादा तो दो महीने के आइपीएल में कमजोर खेल के बाद मिल रही है।

वहीं, दूसरी और नए व आम क्रिकेट प्रेमी के लिए अनजाने खिलाड़ी घरेलू व आइपीएल में पिछले कुछ साल में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद भी केंद्रीय अनुबंध में व भारतीय टीम में आने का अपना सपना पूरा नहीं कर पा रहे हैं। इन खिलाड़ियों में राहुल तेवतिया, संदीप शर्मा, सिद्धार्थ कौल, करुण नायर, मेनन वोहरा, मंदीप सिंह, रजत भाटिया और प्रभसिमरन सिंह शामिल है, जो अच्छे खेल के बाद भी भारतीय टीम में जगह नहीं बना पा रहे है। इसके लिए आइपीएल में भी ये सभी अपना जलवा दिखा रहे हैं।

इस सीजन में कुछ अलग हटकर भी देखने को मिला। गेंदबाजों को गेंद पर लार लगाने की छूट मिली, जिसका फायदा उन्हें मिला और बल्लेबाज खुलकर गेंद को हिट करने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। वहीं सुनील नरेन और एनरिक नार्किया के बल्ले जांच में बड़े पाए गए, जिससे इनकी विश्वसनियता पर प्रश्नचिन्ह लगे। कुल मिलाकर इस बार के आइपीएल में पूर्व विजेता टीमों की दयनीय स्थिति को देखते हुए हो सकता है कि 18वें संस्करण की ट्राफी पर नए विजेता का नाम देखने को मिले।

लेकिन फिर भी इसमें कोई दो राय नहीं कि पूर्व विजेता मुंबई उलटफेर कर प्लेआफ में जगह बना कर छठी बार खिताब को चूम ले या फिर गुजरात दूसरी बार यह खिताब अपने नाम कर ले। अगर यह दोनों विफल रहते हैं तो पक्का है इस बार पंजाब, दिल्ली या विराट की बेंगलुरु पहली बार नए विजेता के रूप में हमारे सामने 25 मई को होंगी। खैर, देखते हैं बाकी बचे मैचों में टीमें क्या गुल खिलाती हैं।

एशियाई खेलों में भी शामिल होगा क्रिकेट, सितंबर में होगा आयोजन

क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने पुष्टि की है कि क्रिकेट को आगामी 2026 ऐची नागोया एशियाई खेलों में बरकरार रखा गया है। यह फैसला हाल ही में ओसीए और आयोजन समिति के बीच हुई एक महत्त्वपूर्ण बैठक में लिया गया, जो जापान के नागोया सिटी हाल में संपन्न हुई। इस बैठक में क्रिकेट और मिक्स्ड मार्शल आर्ट को औपचारिक रूप से खेल कार्यक्रम में शामिल करने की मंजूरी दी गई।

परिषद का मानना है कि क्रिकेट को शामिल रखने का निर्णय सिर्फ दक्षिण एशियाई देशों में इसकी लोकप्रियता के कारण नहीं है, बल्कि इसलिए भी कि यह खेल 2028 लास एंजिलिस ओलंपिक में भी शामिल किया जाएगा।

एशियाई खेलों का आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्तूबर 2026 के बीच जापान में किया जाएगा। क्रिकेट का आयोजन टी-20 फार्मेट में होगा और

मुकाबले जापान के ऐची प्रांत में खेले जाएंगे। हालांकि, अभी क्रिकेट के सटीक स्थलों का निर्धारण नहीं हुआ है।

क्रिकेट अब चौथी बार एशियाई खेलों का हिस्सा बनेगा। इससे पहले इसे 2010 (ग्वांग्झू), 2014 (इंचियोन) और 2023 (हांग्झाउ) एशियाई खेलों में शामिल किया जा चुका है।

वर्ष 2023 में भारतीय पुरुष और महिला दोनों क्रिकेट टीमों ने स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया था। इस बार भी भारत से उम्मीदें काफी ऊंची रहेंगी। ओसीए के अनुसार, 2026 के एशियाई खेलों में 41 खेल स्पर्धाएं होंगी, जिनमें 45 देशों के लगभग 15,000 खिलाड़ी और अधिकारी भाग लेंगे। क्रिकेट का इस महाकुंभ में बने रहना इस बात का संकेत है कि अब यह खेल सिर्फ उपमहाद्वीप तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।

आईएमएफ पाकिस्तान को 11,113 करोड़ देगा या नहीं

भारत बोला- अपने भीतर झांककर डिसीजन ले आईएमएफ, लोन-राहत पैकेज से आतंकवाद फैलाता है पाकिस्तान

मुंबई, 9 मई (एजेंसियां)। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) का एग्जीक्यूटिव बोर्ड आज यह तय करेगा कि पाकिस्तान को 1.3 बिलियन डॉलर (करीब 11,113 करोड़) का नया लोन देना है या नहीं। पाकिस्तान को यह पैकेज क्लाइमेट रेजिलिएंस लोन प्रोग्राम के तहत दिया जाना है। बोर्ड की मीटिंग में भारत इसका विरोध कर सकता है, क्योंकि पहलगाम में हुए आतंकी हमले और भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर के चलते दोनों देशों के बीच युद्ध जैसे हालात हैं। ऐसे में भारत नहीं चाहेगा कि पाकिस्तान को कोई भी फंड मिले और वह इसका इस्तेमाल भारत में आतंकवाद फैलाने पर करे। आईएमएफ की मीटिंग से एक दिन पहले गुरुवार (8 मई) को भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि पाकिस्तान को राहत देने से पहले आईएमएफ के बोर्ड को अपने अंदर गहराई से देखना चाहिए और तथ्यों को ध्यान में रखना चाहिए। पिछले तीन दशकों में आईएमएफ ने पाकिस्तान को कई बड़ी सहायता दी है। उससे चलाए गए कोई भी कार्यक्रम सफल नतीजे तक नहीं पहुंच पाए हैं। मिस्री ने कहा कि भारत के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर 9 मई को आईएमएफ बोर्ड की बैठक में देश का पक्ष रखेंगे। बोर्ड का फैसला क्या होगा यह एक अलग मामला है, आप जानते हैं कि आईएमएफ के फैसले लेने के तरीके क्या हैं। लेकिन, मुझे लगता है कि पाकिस्तान के मामले में उन लोगों को फैक्ट्स पता होने चाहिए, जो इस देश को बचाने के लिए आराम से अपना खजाना खोल देते हैं।

7 बिलियन डॉलर के पैकेज की पहली समीक्षा

आईएमएफ के आज की मीटिंग में एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (ईएफएफ) के तहत पाकिस्तान को मिल रहे 7 बिलियन डॉलर (करीब 59 हजार करोड़ रुपए) की मदद की पहली समीक्षा भी होनी है। मीटिंग में यह तय होगा कि पाकिस्तान को इस पैकेज की अगली किस्त देनी है या नहीं। पाकिस्तान और आईएमएफ ने जुलाई 2024 में तीन साल के लिए 7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सहायता पैकेज पर सहमति जताई थी, जिसके तहत नए कार्यक्रमों से पाकिस्तान को आर्थिक मजबूती देने पर काम किया जाना है। 37 महीने के ईएफएफ कार्यक्रम (सहायता कार्यक्रम) में पूरा पैसा मिलने तक छह समीक्षाएं होनी हैं। पाकिस्तान की परफॉर्मेंस के आधार पर लगभग 1 बिलियन डॉलर की अगली किस्त रिलीज की जानी है। भारत ने पाकिस्तान को दिए जाने वाले 1.3 बिलियन डॉलर के ऋणों पर आपत्ति जताई थी और कहा था कि इस पर दोबारा विचार किया जाए, क्योंकि पाकिस्तान को मिलने वाला पैसा आतंक को बढ़ावा देने में इस्तेमाल हो सकता है।

क्या शेयर बाजार को नहीं भा रहा भारत-पाक टेंशन?

दो दिन में 1200 अंक से ज्यादा टूटा सेंसेक्स

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच इस समय युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। इस तनावपूर्ण माहौल में देश का शेयर बाजार निवेशकों की टेंशन बढ़ा रहा है। हफ्ते के आखिरी दिन बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50 में प्री-ओपन सेशन से ही गिरावट का रुख देखा गया। शाम को कारोबार बंद होने पर सेंसेक्स 880.34 अंक गिरकर 79,454.47 अंक पर बंद हुआ है। जबकि निफ्टी 50 भी 265.80 पॉइंट टूटकर 24,008 अंक पर बंद हुआ। इसने निवेशकों का भारी मात्रा में नुकसान कराया है।

गुरुवार को भी शेयर बाजार में गिरावट देखी गई थी। बीएसई सेंसेक्स 411.97 पॉइंट टूटकर 80,334.41 और निफ्टी 140.60 अंक गिककर 24,273.80 अंक पर बंद हुआ था। इस तरह 2 दिन में सेंसेक्स 1,200 अंक से ज्यादा टूट गया है।

कारोबार शुरू होने से पहले प्री-सेशन में ही सेंसेक्स ने 4500 पॉइंट तक का गोता लगाया। हालांकि बाजार खुलते ही मार्केट संभल गया। लेकिन मार्केट में ये रौनक ज्यादा देर तक नहीं रही। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में ही पहले सत्र के कारोबार के दौरान गिरावट शुरू हो गई और बाजार गिरकर बंद हुए।

भारत-पाकिस्तान का बढ़ता तनाव, क्या सोचता है बाजार?

जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने 6 और 7 मई की मध्यरात्रि में पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई की। इसके बाद से ही दोनों देशों के बीच तनाव नई ऊंचाई पर पहुंच चुका है। पाकिस्तान की ओर से भारत पर लगातार जो हमले किए गए, उसे भारत ने नाकाम किया। लेकिन इस तनाव का असर बाजार पर बना हुआ है। हालांकि जियोजित इंवेस्टमेंट्स लिमिटेड के हेड ऑफ रिसर्च विनोद नायर का कहना है कि

भारत-पाक के बीच संघर्ष की संभावना भले बनी हो, बाजार को इस हालात के और ज्यादा गहराने की आशंका नहीं है। बाजार को लगता है कि ये स्थिति शॉर्ट टर्म में बनी रह सकती है।

विदेशी अब भी लगा रहे भारत में पैसा

विनोद नायर का कहना है कि भारत में गुरुवार तक भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने निवेश किया है। ये भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था में दुनिया के भरोसे को दिखाता है। गुरुवार को एफआईआई ने 2007.96 करोड़ रुपये की शेयर खरीदारी की थी। सेंसेक्स में शामिल आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, अलट्राटेक, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, अडानी पोर्ट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एनटीपीसी में गिरावट का रुख रहा।

वहीं टाटा ग्रुप की लाइफस्टाइल कंपनी टाइटन का शेयर 4 प्रतिशत तक चढ़ गया। कंपनी को जनवरी-मार्च तिमाही में 871 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड प्रॉफिट हुआ है, ये पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले 13 प्रतिशत अधिक है। बाजार में टाटा मोटर्स, एसबीआई और एशियन पेंट्स का शेयर टॉप गेनर में से एक रहा है।

इस बीच एशियाई बाजार जैसे कि कोस्पी (दक्षिण कोरिया), शंघाई कंपोजिट इंडेक्स (चीन) गिरकर और निक्की (जापान), हेंग सेंग (हांगकांग) ग्रीन जोन में बंद हुए हैं। ग्लोबल ऑयल मार्केट में ब्रेंच क्रूड ऑयल का दाम 1.53 प्रतिशत बढ़कर 63.80 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

सोना 383 गिरकर 96,647 पर आया

चांदी 461 बढ़कर 95,686 किलो बिक रही, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज यानी 9 मई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 383 गिरकर 96,647 पर आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 97,030 थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 461 बढ़कर 95,686 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 95,225 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,500 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,350 रुपए है।

कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 90,150 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 98,350 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,350 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने

की कीमत 98,400 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 98,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 90,150 रुपये है।

इस साल अब तक 20,485 रुपए महंगा हो चुका है सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 20,485 रुपए बढ़कर 96,647 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 9,669 रुपए बढ़कर 95,686 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

'सिंधु जल संधि मसले पर विश्व बैंक की भूमिका मध्यस्थ से ज्यादा कुछ नहीं', अध्यक्ष अजय बंगा का बयान

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। विश्व बैंक के प्रमुख अजय बंगा ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि में विश्व बैंक की मध्यस्थ बनने के अलावा कोई भूमिका नहीं है। बंगा ने यह भी स्पष्ट किया अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से समझौते के निलंबन को ठीक करने के लिए कोई कदम नहीं उठाएगा। भारत और पाकिस्तान ने नौ साल तक बाचतीत के बाद 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इस संधि में विश्व बैंक की मदद ली गई थी। विश्व बैंक ने भी इस पर हस्ताक्षर किए थे। प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने बंगा के हवाले से कहा, हमारी भूमिका केवल मध्यस्थ की है। मीडिया में इस बारे में बहुत अटकलें लगाई जा रही हैं कि विश्व बैंक किस तरह से इस समस्या का

समाधान करेगा। यह सब बकवास है। विश्व बैंक की भूमिका केवल एक मध्यस्थ की है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 22 अप्रैल को हमला किया। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई, जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। इसके बाद भारत ने सिंधु जल संधि को तब तक के लिए निलंबित कर दिया, जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन देना बंद नहीं कर देता। बंगा ने गुरुवार शाम राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसके तुरंत बाद ऐसी अटकलें लगाई जाने लगीं कि विश्व बैंक मामले में दखल देगा। इसके अलावा, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने गुरुवार शाम इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान ने पिछले कई वर्षों में जानबूझकर कानूनी बाधाएं पैदा करके सिंधु जल संधि का बार-बार उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि यह भारत का ही धैर्य है कि पिछले 65 वर्षों से भारत संधि का पालन कर रहा है। मिस्री ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, भारत लगातार सिंधु जल संधि में बदलाव पर चर्चा करने के लिए बातचीत करने की कोशिश कर रहा है। पिछले ढाई वर्षों से भारत पाकिस्तान सरकार के साथ संवाद कर रहा है। हमने संधि में संशोधन पर चर्चा करने के लिए बातचीत का अनुरोध करते हुए उन्हें कई नोटिस भेजे हैं। भारत छह दशकों से अधिक समय से संधि का सम्मान करता रहा है।

एलन मस्क की कंपनी को भारत में मिली हरी झंडी

स्टारलिंक पर सुरक्षा चिंता क्यों?

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक (स्टारलिंक) ने भारत में सैटलाइट इंटरनेट सेवाएं शुरू करने की दिशा में पहला कदम बढ़ा लिया है। कंपनी को दूरसंचार विभाग से 'लेटर ऑफ इंटेंट' मिल गया है। अमेरिकी एयरोस्पेस निर्माता स्पेसएक्स ने इसे डिवेलप किया है। ये मंजूरी कंपनी की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी शर्तों को मानने के बाद जारी की गई है। माना जा रहा है कि भारत सरकार की ओर से स्टारलिंक को हरी झंडी में तेजी का फैसला अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ता में मदद। कर सकता है। बता दें कि स्टारलिंक को लेकर सरकार की तरह से पहले भी ये कहा जा रहा था कि सुरक्षा से जुड़े सारे क्लीयरेंस देखनी होगी, उसके बाद ही उन्हें लाइसेंस मिलेगा। हालांकि स्टारलिंक की एंट्री को लेकर चिंताएं भी जताई जा रही हैं। साइबर कानूनों के एक्सपर्ट विराग गुप्ता कहते हैं कि कई साल पहले ऑपरेशन प्रिज्म के जरिए अमेरिकी एजेंसी एनएसए ने

इंटरनेट की 9 बड़ी कंपनियों के डिजिटल डेटा तक पहुंच बना ली थी। इससे एजेंसी के लिएयूजर्स के ई मेल, तस्वीरें विडियो वगैरह तक पहुंचना काफी आसान हो गया था। ऐसे में सवाल सिर्फ निजता के हनन का ही नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े डेटा का भी है। इसकी वजह ये है कि अतीत में कैंब्रिज एनालिटिका और पेगासस जैसे मामले सामने आ चुके हैं स्टारलिंक जैसी टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों को इंटरमीडिरीज माना जाता है। सवाल ये क्या स्टारलिंक भी इससे जुड़े कानूनों को मानते हुए यहां ग्रीवांसेज अफसर की नियुक्ति करेगा?टेक एक्सपर्ट कनिष्क गौर का कहना है कि टेलीकॉम भारत में बहुत संवेदनशील क्षेत्र है।

ऑपरेशन सिंदूर के चलते आपकी भी फ्लाइट हुई कैंसिल, ऐसे मिलेगा रिफंड

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। पहलगाम अटैक के ठीक 15 दिन बाद भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादियों से ऑपरेशन सिंदूर के तहत अपना बदला ले लिया है. इसी को देखते हुए भारत सरकार ने अस्थायी हवाई क्षेत्र पर रोक लगा दिया है. जिस वजह से कई फ्लाइट्स कैंसिल भी हुई हैं. इसमें अगर आपकी भी फ्लाइट कैंसिल हुई है तो यह खबर आपके की हो सकती है. क्योंकि इंडिगो ने श्रीनगर आने-जाने वाली सभी उड़ानों के लिए टिकट बदलने और कैंसिल करने के फीस पर पूरी छूट दे दी है. यह छूट अब 22 अप्रैल, 2025 को या उससे पहले की गई बुकिंग के लिए 22 मई, 2025 तक के ट्रैवल पर लागू होगी. एयरलाइन ने एक बयान में कहा, "अपने ग्राहकों की मदद करने के लिए और उनकी ट्रैवल प्लान में बदलावों के प्रयासों को जारी रखते हुए, हम 22 अप्रैल 2025 को या उससे पहले की गई बुकिंग के लिए श्रीनगर से और श्रीनगर के लिए यात्रा में बदलाव और कैंसिल फीस की पूरी छूट 22 मई 2025 तक दे रहे हैं. सबसे पहले आपको कंपनी की वेबसाइट https://www.goindigo.in/plan-b.html पर जाना है. इसके बाद पीएनआर डिटेल्स भरनी है.अपना पीएनआर/बुकिंग नंबर और ईमेल आईडी/ लास्ट नेम भरें. फिर आप चेंज फ्लाइट या फिर कैंसल फ्लाइट के ऑप्शन को सेलेक्ट करें. इसके बाद आप अपनी फ्लाइट का टाइम और डेट बदल सकते हैं या कैंसिल कर

सकते हैं और रिफंड का प्रोसेस फॉलो कर सकते हैं.एयर इंडिया ने घोषणा की है कि जिन रक्षा कर्मियों ने एयर इंडिया या फिर एयर इंडियाए एक्सप्रेस में 31 मई 2025 तक की यात्रा के लिए टिकट बुक किए हैं. वो अगर इस टिकट को कैंसिल करते हैं तो उन्हें पूरा पैसा वापस मिलेगा. अगर सेना के जवान या फिर जवान यात्रा को रिशेड्यूल करके डेट बदलना चाहते हैं तो उन्हें 30 जून 2025 तक एक बार ये बदलाव करने वो भी बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के बदलने की सुविधा दी जाएगी. एयर इंडिया ने कहा ये कदम देश की सेना की निस्वार्थ सेवा और कर्तव्य के प्रति उनके समर्पण के सम्मान में उठाया है. बता दें, एयर इंडिया ने ये घोषणा उस समय कि जब भारतीय सेना ने बुधवार को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए.

स्पाइसजेट ने 10 मई तक उड़ानें रद्द कीं

स्पाइसजेट ने पुष्टि की है कि लेह, श्रीनगर, जम्मू, धर्मशाला, कांडला और अमृतसर के लिए उसकी उड़ानें 10 मई, 2025 को सुबह 5:29 बजे तक रद्द कर दी गई हैं.

भारत-पाक टेंशन के बीच पेट्रोल-डीजल को लेकर लग रही लंबी कतारें

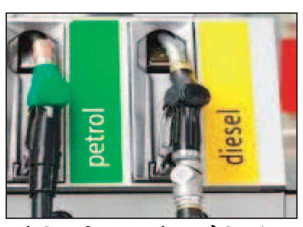

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान युद्ध के मुहाने पर है। दोनों देशों के बीच पिछले कुछ दिनों से तनाव चरम पर है। इस बीच लोगों के बीच चिंता है कि अगर युद्ध शुरू हुआ को देश में कई चीजों की किल्लत हो सकती है। इसलिए लोग घरों में सामान और राशन जमा करने लग गए हैं। इसके अलावा लोगों को फिक्र है कि अगर युद्ध हुआ तो पेट्रोल-डीजल की कमी हो सकती है। इसलिए कई जगह पेट्रोल पंपों पर भी लंबी लाइन देखी गई हैं। सोशल मीडिया पर भी कुछ लोग ऐसा दावा कर रहे हैं। लेकिन ऐसा कुछ नहीं होगा। तेल कंपनियों इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम ने हाल ही में सोशल मीडिया के जरिए देश को लोगों को पर्याप्त स्टॉक होने का आश्वासन दिया है। कंपनियों ने कहा कि तनाव के बीच देश में तेल की किसी तरह की कमी नहीं होगी और ना ही सप्लाई प्रभावित होगी। कंपनियों ने कहा कि "घबराहट में खरीदारी करने की कोई ज़रूरत नहीं है" और पेट्रोल, डीजल साथ ही एलपीजी सहित ईंधन सभी दुकानों पर आसानी से उपलब्ध है।

24 घंटों में तनाव बढ़ा

यह घोषणा भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे संघर्ष के मद्देनजर की गई है। पिछले 24 घंटों में दोनों पक्षों की ओर से जवाबी गोलीबारी के साथ तनाव बढ़ गया है। हाल ही में मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पंजाब राज्य के कुछ हिस्सों में खासकर पाकिस्तान की सीमा के करीब के इलाकों में जहां भंडारण सबसे अधिक था वहां घबराहट में खरीदारी की जा रही है। लोग तेल को स्टॉक करने के लिए लाइनों में लगे हुए हैं।

तेल कंपनियों ने क्या कहा

एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में आईओसीएल ने लिखा, "इंडियन ऑयल के पास पूरे देश में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक है और हमारी आपूर्ति लाइनें सुचारू रूप से चल रही हैं। घबराकर खरीदारी करने की कोई ज़रूरत नहीं है। हमारे सभी आउटलेट पर ईंधन और एलपीजी आसानी से उपलब्ध है। शांत रहकर और अनावश्यक भीड़ से बचकर हमें आपकी बेहतर सेवा करने में मदद करें। इससे हमारी आपूर्ति लाइनें निर्बाध रूप से चलती रहेंगी।" इसी तरह भारत पेट्रोलियम ने भी ऐसा ही बयान जारी किया है।

फेक न्यूज से बचने की सलाह

नागरिकों के तौर पर यह महत्वपूर्ण है कि आप दहशत न फैलाएं या झूठी खबरों में न फंसें। कृपया सुनिश्चित करें कि आप किसी भी और सभी रिपोर्ट को विश्वसनीय स्रोतों से सत्यापित करें।

जरा सी हलचल से जम जाता है पाकिस्तान का खून

नेशनल हाइवे-44 पर हमेशा क्यों रहती है दुश्मन की नजर?

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। पाकिस्तान की तरफ से एलओसी पर लगातार फायरिंग की जा रही है। साथ ही उसने भारत की उत्तरी और पश्चिमी सीमा पर स्थित कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले भी किए हैं। भारत ने इन सभी हमलों को नाकाम कर दिया है। इस बीच नेशनल हाइवे संख्या 44 एक बार फिर सुर्खियों में है। यह देश के उत्तरी छोर को दक्षिणी छोर से जोड़ता है और जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से तमिलनाडु के कन्याकुमारी तक जाता है। इसकी लंबाई करीब 3,745 किलोमीटर है। यह देश के 11 राज्यों से गुजरता है। इनमें जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु शामिल हैं। यह सड़क सामरिक रूप से बेहद अहम है और पाकिस्तान से सटे कई इलाकों से गुजरती है। यही वजह है कि इस पर होने वाली गतिविधियों पर पाकिस्तान की करीबी नजर रहती है। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पठानकोट से होते हुए उधमपुर, अनंतनाग, श्रीनगर और उरी तक जाता है। पंजाब से लेकर जम्मू-कश्मीर तक जाने वाले इस हाइवे से पाकिस्तान की सीमा ज्यादा दूर नहीं है। कुछ इलाकों में तो पाकिस्तान सीमा इससे महज छह किलोमीटर दूर है। इसी वजह से पठानकोट-जम्मू हाइवे पर भारतीय सेना की हमेशा निगरानी रहती है। हर मौसम में इसकी 24 घंटे कड़ी चौकसी की जाती है। एनएच-44 देश के 21 प्रमुख शहरों को आपस में जोड़ता है। इस तरह यह न केवल देश का सबसे लंबा हाइवे है बल्कि इससे गुजरने पर आपको भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता की झलक भी देखने को मिलती है। इस हाइवे से गुजरने पर आपको बर्फ से ढके पहाड़, घास के मैदान, सुंदर झीलें और मनोरम दृश्य देखने को मिलते हैं। इस हाइवे का सबसे ज्यादा हिस्सा तमिलनाडु में है। इस दक्षिणी राज्य में एनएच-44 का 627 किमी हिस्सा है। मध्य प्रदेश में इसका 504 किमी, तेलंगाना में 504 किमी, जम्मू-कश्मीर में 304 किमी और आंध्र प्रदेश में 250 किमी हिस्सा है। इसी तरह इसका 232 किमी हिस्सा महाराष्ट्र में, 189 किमी उत्तर प्रदेश में, 184 किमी हरियाणा में, 150 किमी कर्नाटक में और 278 किमी हिस्सा पंजाब में है। यह देश के कई महत्वपूर्ण शहरों से निकलता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति	
सूर्य-	मेष मे
चंद्र-	कन्या मे
मंगल	कर्क मे
बुध-	मेष मे
गुरु-	वृष मे
शुक्र-	मीन मे
शनि-	मीन मे
राहु-	मीन मे
केतु-	कन्या मे

लग्नारंभ समय	
मेष---	04-22 बजे
वृष---	06-07 बजे
मिथुन..	08-07 बजे
कर्क---	10-20 बजे
सिंह---	12-31 बजे
कन्या--	14-38 बजे
तुला----	16-44 बजे
वृश्चिक--	18-53 बजे
धनु......	21-07 बजे
मकर...	23-14 बजे
कुंभ....	01-04 बजे
मीन....	02-42 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,**सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
सूर्योदय - 05-49
सूर्यास्त - 18-35
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**

दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी **17-30** तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - वैशाख शुक्ल , शनिवार **10 May**
नक्षत्र - चित्रा **03-15** तक उपरान्त स्वाति
योग - सिद्धि **04-00** तक उप व्यतिपात
करण- तैतिल **17-30** तक गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:59 से 10:36 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05:49 - 07:24	अशुभ	लाभ	18:35 - 20:02	शुभ
शुभ	07:24 - 08:59	शुभ	उत्पात	20:02 - 21:25	अशुभ
रोग	08:59 - 10:36	अशुभ	शुभ	21:25 - 22:49	शुभ
उत्पात	10:36 - 12:13	अशुभ	अमृत	22:49 - 00:12	शुभ
चंचल	12:13 - 13:49	शुभ	चंचल.	00:12 - 01:36	शुभ
लाभ	13:49 - 15:25	शुभ	रोग.	01:36 - 02:59	अशुभ
अमृत	15:25 - 17:02	शुभ	काल.	02:59 - 04:23	अशुभ
काल.	17:02 - 18:35	अशुभ	लाभ.	04:23 - 05:49	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आपके कार्य क्षेत्र या करियर में परिवर्तन आने के संकेत हैं। अगर आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे है, तो आज आपके अंतिम कदम उठाने की संभावना है। हो सकता है की आप अपना प्रशिक्षण संस्थान भी खोले जो की आप लंबे समय से करना चाहते थे । इस प्रक्रिया में, आपको कुछ जोखिम भी लेने पड़ सकते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): ये समय अपने सहकर्मियों का उत्साह बढ़ाने का समय है ! आप कुछ कठिन कार्य के लिए प्रयासरत है जिसमे आपके जूनियर या आपसे निचले क्रम के सहकर्मी आपका समर्थन करेंगे और आपके सच्चे समर्थक होंगे । इसलिए उन्हें खुश रखे ! जो लोग अपने कार्यालय में अग्रणी स्थिति या उच्च पद पर है , उन लोगों के लिए बेहतर करियर के अवसर आज आ सकते है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आज आपको अप्रत्याशित रूप से खोया धन मिल सकता है , जिससे आसानी से आप अपनी सभी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा कर पायेंगे । यह आपकी वर्तमान वित्तीय स्थिति को काफी राहत प्रदान करने वाला होगा , हालांकि इस धन को बहुत बुद्धिमानी से खर्च करना होगा क्योंकि हो सकता है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आपकी वित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि दिख रही है और आगे भी इसमें सुधार की संभावना है , परन्तु आप ऐसा महसूस करेंगे की आपके नियंत्रण से परे स्थितियां आपकी उत्पादकता और काम करने की क्षमता को प्रभावित कर रही है , लेकिन आपका डर निराधार हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज का दिन अपने सभी लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए एकदम सही है। आप किन्ही बाहरी कारणों से समय पर अपना काम खत्म नहीं कर पाये , इसलिए आपको शीघ्रता दिखानी होगी , क्योकि आपका काफी कार्य लंबित है । आज नयी प्रतिबद्धताओं का दबाव कम होगा।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आपकी वित्तीय जरुरतो पर अनसोची ▫ अप्रत्याशित मांगों की वजह से दिन परेशानी में रह सकता हैं। आपने अपने सभी बकाया राशि का भुगतान कर दिया है यह सुनिश्चित करने के लिए अपने सभी बिलों और अन्य दायित्वों की जाँच करें । अनदेखी में निकट भविष्य में वह राशि बड़ी मात्रा में आपको परेशान कर सकती है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): एक मालिक के रूप में, अपने अधीनस्तों के लिए आपमें एक दिल है । उन्हें ज्यादा उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए आपकी प्रशंसा की जरूरत है। उनसे बात करें और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आप किसी पार्टी का आयोजन भी कर सकते है । वे इसके लिए आप का आदर करेंगे। आप एक बड़ी परियोजना के लिए उन्हें प्रेरित भी करते रहे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आज आप एक दार्शनिक मुद्रा में रहेंगे और गहरी सोच वाली ऐसी किसी भी नौकरी में आज आप सफलता को छुएंगे । शिक्षकों, वकीलों, दार्शनिकों, प्रचारकों और राजनेताओ के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा । लेकिन आपको सांसारिक एवं जीवन के गहरे सवालों के बीच ध्यान देने की जरूरत है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आपके सभी प्रयासों को एक के बाद एक सफलता मिलने के कारण आप को ऐसा लगेगा की आप अजेय हैं । आपको अपने भाग्य के इस लाभ का पूरा फायदा उठाना चाहिए । यह उन सभी परियोजनाओं से निपटने के लिए सबसे अच्छा समय है जिससे आपको निराशा हाथ लग रही थी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आप संसाधनो से पूर्ण हैं और आज आप अगर गंभीरता से काम करते हैं तो धन कमाने का ऐसा अवसर आपको मिल सकता है जिसमे आपको ख़ुशी महसूस होती है । इस बात की भी संभावना है की आप कला की अभिरुचि को आगे बढ़ाने के लिए अपनी नौकरी छोड़ सकते हैं । आपको विवेक से कार्य करना है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आज आपको अपनी आय और व्यय का संतुलन करना मुश्किल होगा । आज अपनी आय की वृद्धि के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू करने के लिए भी ये सबसे अच्छा दिन है। आपको अपनी पसंद के हिसाब से कुछ कार्य मिल सकता है और यह अगले कुछ वर्षों में आपके प्राथमिक कार्य बनने की क्षमता रखता है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भारतीय सेना के शौर्य को सम्मान

कांग्रेस की तिरंगा यात्रा, शंकराचार्य बोले– सेना के विजय के लिए धार्मिक अनुष्ठान करेंगे

रायपुर, 9 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' में पाकिस्तान के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई के बाद पूरे देश में शौर्य और राष्ट्रभक्ति की लहर है। राजधानी रायपुर में कांग्रेस ने तिरंगा यात्रा निकाली।कालीबाड़ी में इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर कार्यकर्ताओं ने यात्रा शुरू की।

पीसीसी चीफ दीपक बैज के नेतृत्व में निकली यात्रा कोतवाली चौक, मालवीय रोड होते हुए जयस्तंभ चौक तक पहुंची। बैज ने कहा कि ये यात्रा आतंकवाद के खिलाफ है। तिरंगा देश की शान है। ये यात्रा हमने इसलिए निकाली है ताकि हमारी सेना का मनोबल बढ़े।

वहीं, ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि सभी संत समाज देश के साथ है। सभी संत सेना के विजय के लिए धार्मिक अनुष्ठान करेंगे, अगले दो महीनों तक के सभी कार्यक्रम निरस्त कर दिए है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि यह समय देश के साथ एकजुट होकर खड़े होने का है। देश का पराक्रम शत्रुओं का नाश करेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री और गृहमंत्री के साथ साथ भारतीय सेना के कार्यों की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि वे भारत की विजय के लिए धार्मिक अनुष्ठान भी सम्पन्न कराएंगे। वे स्वयं को युद्ध के लिए और सैन्य शिविर में सेवा कार्यों के लिए भी प्रस्तुत करते हैं।

यह सैन्य कार्रवाई 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 भारतीय पर्यटकों की मौत हुई थी। इसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान-ऑक्युपाइड कश्मीर (पीओके) में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइल से हमला किया। इस ऑपरेशन में कई आतंकी कैंप तबाह कर दिए गए, जिसे भारत ने दुश्मनों को सीधी चेतावनी के रूप में देखा।

जंगली सुअर का ग्रामीणों पर हमला: 5 घायल

तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल गए थे, गोमर्डा अभयारण्य में भालू के हमले से 2 जख्मी

रायगढ़, 9 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले और गोमर्डा अभयारण्य में वन्यप्राणियों के हमले से 7 लोग घायल हो गए। जहां जंगली सुअर ने तेंदुपत्ता तोड़ने गए 5 ग्रामीणों पर हमला किया, तो अभयारण्य के करीब खेत में भालू ने 2 लोगों को जख्मी कर दिया। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

पहली घटना धरमजयगढ़ वन मंडल के छाल रेंज की है। जहां छाल रेंज के देउर-मार में रहे वाले मनीराम (42), दिलीप राठिया, सुमीत्रा राठिया और ग्राम गलीमार की रहने वाले इंद्रासो (37) व राजकुमार शुक्रवार सुबह जंगल में तेंदुपत्ता तोड़ने गए थे।

तभी जंगली सुअर के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। इससे ग्रामीण चिल्लाने लगे, तो आसपास तेंदुपत्ता तोड़ रहे ग्रामीण पहुंचे और हो-हल्ला कर उन्हें खदेड़ा। जिसके बाद जंगली सुअर वापस जंगल की ओर चले गए। मामले की सूचना वन अमले को दी गई।

इस संबंध में धरमजयगढ़ एसडीओ बाल गोविंद साहू ने बताया कि शुक्रवार सुबह मामले की सूचना मिलने के बाद तत्काल वनकर्मी मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले गए। वहीं घायलों को सहायता राशि दी गई है। ग्रामीणों को अकेले जंगल जाने से मना किया जा रहा है।

दूसरा मामला सारंगढ़ जिले के गोमर्डा अभयारण्य बरमकेला रेंज का है। जहां चांटीपाली बीट के ग्राम रोहिनापाली में रहने वाले महेन्द्र बाग (30) और चनामुड़ा गांव की पूजा सिदार (21) शुक्रवार सुबह जंगल किनारे अपने खेत में धनिया लेने गए थे।

चॉकलेट खिलाने के बहाने ले जाकर बच्ची से रेप

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बोला– दोषी ठहराने के लिए पीड़िता का बयान पर्याप्त, आरोपी की अपील खारिज, उम्रकैद बरकरार

बिलासपुर, 9 मई (एजेंसियां)। कोरबा में 7 साल की बच्ची से रेप मामले में हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने कहा कि यौन उत्पीड़न के लिए पीड़िता का बयान अहम है। जिसके आधार पर आरोपी को दोषी ठहराया जा सकता है। कोर्ट ने आरोपी की अपील को खारिज करते हुए उसके मरते दम तक जेल में रहने की सजा को बरकरार रखा है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की डिवीजन बेंच ने सुनवाई की है।

दरअसल, कोरबा में सात साल की बच्ची की मां ने 16 मार्च 2022 को सिटी कोतवाली थाने में केस दर्ज कराया था। उसने बताया कि उसकी मासूम बेटी को चॉकलेट खिलाने के बहाने अपने साथ लेकर गया। जिसके बाद

मौका पाकर उसने बच्ची के साथ रेप किया। इस दौरान उसने बच्ची को डराया-धमकाया और इस बारे में किसी को कुछ भी बताने पर जान से मारने की धमकी दी।

मासूम ने मां को बताई आपबीती

किसी तरह अपने घर पहुंची मासूम ने अपनी मां को आपबीती बताई। मामला सामने आने पर वो बच्ची को लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी रितेश उर्फ पप्पू मामा को गिरफ्तार किया, जिसके बाद कोर्ट में चालान पेश किया।

इस फैसले के खिलाफ आरोपी ने हाईकोर्ट में अपील पेश की। इसमें कहा गया कि ट्रायल कोर्ट साक्ष्य का सही तरीके से परीक्षण करने में विफल रहा है। पुलिस की जांच और ट्रायल में अपीलकर्ता को गलत तरीके से दोषी ठहराया गया है। पीड़ित की आयु की पुष्टि नहीं हुई है और न ही उसके लिए अस्थिकरण परीक्षण हुआ है।

वहीं, शासन की तरफ से दलील दी गई कि अपीलकर्ता ने जघन्य अपराध किया है। इसमें किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई के बाद अपने आदेश में कहा कि पीड़ित की विश्वसनीयता पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है। इसलिए, बिना किसी पुष्टि के आरोपी की सजा के लिए पीड़िता का बयान पर्याप्त है।

छत्तीसगढ़ के 3 संभाग में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

रायपुर–दुर्ग, बिलासपुर में 60 किमी की रफ्तार से हवा चलेगी, गरज–चमक के साथ बौछारें पड़ेंगी

रायपुर, 9 मई (एजेंसियां)। वेस्टर्न डिस्टरबेंस से छत्तीसगढ़ में तीन दिन मौसम बदला रहेगा। रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग के जिलों में 3 दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। आज 9 मई से 11 मई तक मध्य छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में 50-60 किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है, बस्तर, सरगुजा संभाग के जिलों में गरज चमक के साथ कहीं-कहीं बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक मध्यप्रदेश की तरफ बारिश का एक स्ट्रॉन्ग सिस्टम बना हुआ है जो धीरे-धीरे छत्तीसगढ़ की तरफ बढ़ रहा है। इसकी वजह से प्रदेश में तीन दिन मौसम बदला रहेगा। बता दें कि पिछले दो हफ्ते से मौसम में आए बदलाव के कारण कई जिलों में दिन का तापमान सामान्य से 5 डिग्री तक कम है।

प्रदेश में अधिकतम तापमान 39 से लेकर 40 डिग्री के आसपास चल रहा है। अगले तीन दिनों में 1 से 2 डिग्री तक अधिकतम तापमान में वृद्धि होने की संभावना है। उसके बाद कोई बदलाव होने के आसार नहीं है।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) कैस्पियन या भूमध्य सागर से बनने वाले तूफान होते हैं। ये भारत के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में बारिश और ठंड लाने का काम करते हैं। असल में ये हवाएं बर्फीली होती हैं, जो अपने साथ नमी लेकर आती हैं।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) भूमध्यसागर से निकलती हैं। इसके बाद ये ईरान, इराक, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होते हुए सीधा भारत पहुंचती हैं। यहां पहुंचते ही यह मैदानी इलाकों में अपना असर दिखाने लगती हैं।

बीते 24 घंटे की बात करें तो बीजापुर, तोकापाल और नानगुर जैसे कुछ इलाकों में हल्की बारिश हुई है।

वहीं दुर्ग सबसे गर्म रहा जहां तापमान 39.5 डिग्री तक पहुंच गया और सबसे ठंडी सुबह जगदलपुर की रही, जहां न्यूनतम तापमान 21.7 डिग्री रहा। आज धूप-छांव वाला मौसम रहेगा। दिन में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

फर्जी–एनजीओ बनाकर छत्तीसगढ़ समेत देशभर में 150 करोड़ की ठगी

ठेका दिलवाने का देते थे झांसा, मास्टरमाइंड–दंपती के पास 26 फ्लैट, ढाई करोड़ की रेंज–रोवर भी

जशपुर, 9 मई (एजेंसियां)। फर्जी एनजीओ बनाकर सीएसआर फंड से करोड़ों का ठेका दिलाने के नाम पर 15 राज्यों में 150 करोड़ की ठगी करने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड रत्नाकर उपाध्याय और संस्था की डायरेक्टर अनिता उपाध्याय को जशपुर पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने दिल्ली में 'राष्ट्रीय ग्रामीण साक्षरता मिशन' नाम से एक फर्जी एनजीओ रजिस्टर कराया था।

इसके जरिए वे कई राज्यों में कारोबारियों और सप्लायर्स को झांसा देते थे कि उनकी संस्था को सरकार से सीएसआर फंड मिल रहा है, जिससे गरीब बच्चों के लिए किताबें, ड्रेस, स्वेटर, बैग और जूते की सप्लाई के लिए ठेका दिया जाएगा। झांसे में आकर कारोबारी आरोपियों को सुरक्षा राशि के तौर पर 25 लाख, प्रोसेसिंग फीस और कमीशन के नाम पर 10 लाख रुपए तक की रकम दे देते थे।

ठगी की रकम से आरोपियों ने दिल्ली में दो और लखनऊ में 24 फ्लैट खरीदे हैं, जिसकी कीमत 40 करोड़ है। इनके पास ढाई करोड़ की रेंज रोवर कार भी है। जशपुर जिले के पत्थलगांव निवासी व्यापारी अमित अग्रवाल ने 20 अप्रैल 2025 को थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसके साथ 5.70 करोड़ रुपए की ठगी हुई है। तब जाकर मामले का खुलासा हुआ। शिकायत के बाद जांच में सामने आया कि यह कोई धोखाधड़ी नहीं, बल्कि एक गिरोह की ओर से बड़े पैमाने पर किया जा रहा घोटाला है। जैसे ही पुलिस जांच में आगे बढ़ी, आरोपी अपने मोबाइल का स्विच ऑफ कर फरार हो गए। इस बीच जशपुर पुलिस की टीम ने अनिता उपाध्याय से बात की। इसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ने की योजना बनाई।

योजना के तहत एक पुलिस अधिकारी ने खुद को छत्तीसगढ़ मंत्रालय का अधिकारी बताकर उससे संपर्क किया और उसे दिल्ली के चाणक्यपुरी में मिलने बुलाया। उन्होंने आरोपियों सरकार की तरफ से 1000 करोड़ का काम दिलाने की बात कही।

पुलिस अफसर ने मुलाकात के दौरान अनिता के मोबाइल से ही रत्नाकर उपाध्याय से भी संपर्क किया। फिर उसी नंबर को ट्रेस कर पुलिस टीम ने दिल्ली के सागरपुर इलाके से दोनों आरोपियों को धर दबोचा।

गिरोह का तीसरा सदस्य सौरभ सिंह फिलहाल फरार है। पुलिस का कहना है कि उसकी तलाश तेज कर दी गई है और जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आरोपियों ने पत्थलगांव के कारोबारी अमित अग्रवाल से 5 करोड़ 70 लाख। टी-बर्ड इंटर प्राइजेज बिलासपुर और पूर्णिमा ट्रेडिंग रायगढ़ के दो कारोबारियों से 5-5 करोड़ की ठगी की है।

अवैध खनन के दौरान हादसा

चाल धंसने से 2 मजदूरों की मौत, वन विभाग जांच में जुटा, कोई शव नहीं हुआ बरामद

कोडरमा, 9 मई (एजेंसियां)। कोडरमा जिले में एक बार फिर से ढिबरा के अवैध उत्खनन करने के दौरान चाल धंसने से मौत का मामला प्रकाश में आया है। गुरुवार की देर रात कोडरमा थाना क्षेत्र के लोमचांची जंगल में ढिबरा के अवैध उत्खनन के दौरान चाल धंसने से 4 लोग मलबे के अंदर दब गए।

इसमें दो लोगों की मौत की सूचना है। इधर, घटना की सूचना मिलने पर शुक्रवार की सुबह वन प्रक्षेत्र के कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। इनके पहुंचने से पूर्व वहां काम कर रहे लोग फरार हो गए। वन कर्मियों द्वारा मौके की जांच पड़ताल की गई।

जहां एक स्थान पर यह साफ प्रतीत हुआ कि ढिबरा का बड़ा सा मलबा गिरा हुआ था। हालांकि इस दौरान वन कर्मियों को वहां से कोई भी शव बरामद नहीं हुआ। माना जा रहा है कि उत्खनन करने वाले शव को लेकर भाग गए हैं।

बताते चलें कि स्थानीय कुछ लोगों द्वारा वन प्राणी आश्रयणी के लोमचांची जंगल में इन दिनों वृहद पैमाने पर अवैध ढिबरा (एक प्रकार का माइका) का उत्खनन कराया जा रहा है। यही कारण है कि उक्त जंगली क्षेत्र को पूरी तरह से नष्ट कर बंजर भूमि में तब्दील कर दिया गया है। भारी मात्रा में ढिबरा का उत्खनन कर वहां पर रखा हुआ है। सैकड़ों बोरे अभ्रक वहां तैयार रखे हुए थे।

इधर, डोमचांच वन क्षेत्र आश्रयणी के रेंजर राम बाबू ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। एक व्यक्ति के मौत की सूचना मिली है।

थाने में किसी के द्वारा इसकी सूचना नहीं दी गई। मामले की जांच की जा रही है। अवैध उत्खनन करने वालों के विरुद्ध मामला दर्ज किया जाएगा और जो भी दोषी होंगे उनपर कार्रवाई की जाएगी।

सीएम विष्णुदेव साय का महासमुंद दौरा

अस्पताल का लिया जायजा, समीक्षा बैठक और सुशासन तिहार पर करेंगे चर्चा

महासमुंद, 9 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय महासमुंद पहुंचे। मचेवा हेलीपैड पर प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल, सांसद रूपकुमारी चौधरी, विधायक राजू सिन्हा, भाजपा नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों ने सीएम साय का स्वागत किया।

भाजपा पदाधिकारियों से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने किडनी पीड़ित मरीजों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा प्रबंधन से जानकारी प्राप्त की। जिला अस्पताल के दौरे के बाद मुख्यमंत्री जिला पंचायत के लिए रवाना होंगे। जिला पंचायत सभाकक्ष में वे सभी विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेंगे। समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री पत्रकारों से मुलाकात कर सुशासन तिहार की जानकारी साझा करेंगे।

अटेंडेंस रजिस्टर देखते ही भड़क गए डेप्युटी सीएम

गड़बड़ी मिलने पर लगाई फटकार औचक निरीक्षण पर पहुंचे थे अरुण साव

दुर्ग, 9 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय और बाकी मंत्री इन दिनों औचक निरीक्षण कर रहे हैं। शुक्रवार को उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने दुर्ग जिले की कुम्हारी नगर पालिका कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यालय की व्यवस्था, कर्मचारियों की उपस्थिति, योजना क्रियान्वयन की जानकारी, निर्माण कार्य एवं सुशासन तिहार में आवेदनों के निराकरण के संबंध में से जानकारी ली।

अरुण साव ने कहा कि निरीक्षण के दौरान जो कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए निर्देश दिया है। नगर पालिका का काम ठीक तरीके से हो, कर्मचारी कार्य दिवस में उपस्थित रहे, बिकना सूचना के कोई अनुपस्थित ना रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है।

नगरीय निकाय मंत्री ने नगर पालिका परिसर के औचक निरीक्षण के बाद बताया कि, नगर पालिका में अटल परिसर का निर्माण कार्य किया जा था है, जिसका पालिका अध्यक्ष, पार्षदों एवं अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया है। 30 में तक अटल परिसर के निर्माण पूर्ण होगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि, कुम्हारी नगर पालिका में अमृत मिशन का कार्य चल रहा है। अधिकारी को इस कार्य में गति लाने के निर्देश दिया है, ताकि अमृत मिशन योजना का लाभ कुम्हारी की जनता को मिले। उन्होंने कहा कि, राज्य सरकार नगरीय निकाय को मजबूत करने के लिए कार्य कर रही है। नगरीय निकाय के कार्य सुव्यवस्था हो, हमारा शहर स्वच्छ और सुंदर बने, इसके लिए हमारी सरकार लगातार काम कर रही है।

निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों ने उप मुख्यमंत्री को बताया कि, आपके आदेश जारी होने के बाद से अधिकारी सुबह 8 बजे वार्डों के दौरे पर निकल जाते हैं।

नक्सली संगठनों को बड़ा झटका

दो माओवादियों ने किया सरेंडर 8–8 लाख रुपये का था इनाम

कोंडागांव, 9 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। कोंडागांव जिले में दो इनामी नक्सलियों ने सेना के जवानों के सामने सरेंडर कर दिया है। माओवादी विचारधारा से परेशान होकर रैसिंग कुमेटी और उसकी पत्नी पुनाय आचला ने सुरक्षा बलों के सामने हथियार डाल दिए। दोनों के सिर पर 8-8 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। रैसिंग कुमेटी कांकेर जिले का रहने वाला है।

सरेंडर करने वाले नक्सलियों के सिर पर इनाम घोषित था। अधिकारियों ने कहा कि इनके खिलाफ अलग-अलग थानों में शिकायत दर्ज है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सरेंडर करने वाले नक्सलियों को छत्तीसगढ़ की नई सरेंडर पॉलिसी का लाभ मिलेगा।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रैसिंग 2002 से और पुनाय 2005 से माओवादी संगठन में सक्रिय थे। दोनों छत्तीसगढ़ और ओडिशा में कई हिंसक घटनाओं में शामिल रहे हैं। दोनों ने 2009 में मदनवाड़ा में पुलिस पर हमला किया था। इस हमले में राजनांदगांव के एसपी समेत 29 जवान शहीद हुए थे। 2011 में एएसपी राजेश पवार के काफिले पर हमले में भी यह शामिल थे। इस हमले में 9 जवान शहीद हुए थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, राज्य के अलग-अलग थानों में इनके खिलाफ शिकायत दर्ज है। लूटपाट की कई घटनाओं में हासिल है। बता दें कि बस्तर में सुरक्षाबल के जवान नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रहे हैं।

बीजापुर में चल रहा अभियान

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबल के जवानों बड़ा ऑपरेशन चला रहे हैं। सुरक्षाबल के जवानों ने नक्सलियों के टॉप लीडरों को घेर लिया है। बताया जा रहा है जिस पहाड़ी पर यह अभियान चल रहा है वहां करीब 500 नक्सली मौजूद हैं। जवानों ने सभी को घेर लिया है। सुरक्षाबल के इस मिशन में करीब 24000 हजार जवान शामिल हैं। इस अभियान में तेलंगाना पुलिस के जवान भी शामिल हैं।

हाइड्रा की चपेट में आने से युवक की मौत

बिजली का पोल लगाने के दौरान हादसा युवक के पास नहीं थे सुरक्षा उपकरण

बोकारो, 9 मई (एजेंसियां)। बोकारो के पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र में एनएच-32 काशीझरिया मोड़ के पास एक मजदूर की मौत हो गई। हादसा तब हुआ, जब बिजली का लोहे का पोल सड़क किनारे लगाया जा रहा था। हाइड्रा की चपेट में आने से मजदूर रशिद अंसारी (22) की मौके पर ही मौत हो गई।

चंदनक्यारी के चंद्र गांव निवासी रशिद अंसारी ए के एस वेंचर्स कंपनी में ठेका मजदूर के रूप में काम करता था। उसकी बहाली केवल दो दिन पहले ही हुई थी। उसके साथी रफीक अंसारी के अनुसार, रशिद के पास न तो हेलमेट था और न ही सेफ्टी जूते। घटना के बाद ग्रामीणों ने ठेकेदार से उचित मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया।

जाम के दौरान एंबुलेंस, स्कूल बसों और शादी की गाड़ियों को निकलने दिया गया।

पुलिस ने हाइड्रा चालक सबिर हुसैन अंसारी को हिरासत में ले लिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सेफ्टी मानकों का पालन न करने की वजह से यह हादसा हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया गया है।

सड़क हादसे में कारोबारी की मौत

बोलेरो ने बाइक में मारी थी टक्कर पांच साल पहले हुई थी पिता की मौत

पलामू, 9 मई (एजेंसियां)। पलामू जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पनीर कारोबारी की मौत हो गई। लेस्लीगंज थानाक्षेत्र के मुंदरिया गांव के पास पांकी-मेदिनीनगर मार्ग पर यह हादसा गुरुवार की दोपहर हुआ था। जख्मी पनीर कारोबारी ने घटना के करीब 12 घंटे बाद देर रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

चैनपुर के कोशिआय निवासी 33 वर्षीय कमलेश चौरसिया पनीर की डिलीवरी के लिए लेस्लीगंज जा रहे थे। इसी दौरान पांकी से मेदिनीनगर की ओर जा रही एक बोलेरो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में कमलेश के दोनों पैर गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए थे और उन्हें अंदरूनी चोट आई थी। स्थानीय लोगों ने तुरंत कमलेश को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल पहुंचाया।

हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया गया। 4-5 घंटे के इलाज के बाद रात 11 बजे कमलेश की मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। कमलेश के पिता का देहांत 5 साल पहले हो चुका था और वह घर का इकलौता कमाने वाला सदस्य था।

एक दिन में दो चेन स्नैचिंग

सुबह सोनापट्टी गली में तो रात में बाजार में खड़ी महिला से की लूट, बाइक पर आए थे बदमाश

कोडरमा, 9 मई (एजेंसियां)। कोडरमा के तिलैया थाना क्षेत्र में एक ही दिन में दो चेन स्नैचिंग की घटनाएं हुईं। पहली घटना सुबह 7 बजे सोनापट्टी गली में हुई। मॉर्निंग वॉक पर निकली अनिता देवी के गले से बाइक सवार दो युवकों ने चेन छीन ली।

दूसरी घटना बुधवार की देर रात झुमरीतिलैया के झंडा चौक पर हुई। पीड़िता रेखा देवी पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर की रहने वाली हैं। वे अपने मायके मोरियामा में छुट्टियां मनाने आई थीं। बाजार में खरीदारी के दौरान झंडा चौक पर खड़ी रेखा देवी के गले से दो बाइक सवार युवकों ने चेन छीनने का प्रयास किया। रेखा देवी की सतर्कता से चेन तो उनके हाथ में रह गई, लेकिन सोने का लॉकेट अपराधी ले गए। घटनास्थल के पास मौजूद तिलैया पुलिस के जवानों को जैसे ही सूचना मिली, वे अपराधियों का पीछा करने निकले। लेकिन तब तक अपराधी फरार हो चुके थे।

इन घटनाओं से शहर के लोगों में डर का माहौल है। व्यस्त इलाके में भी अपराधियों के साहस पर सवाल उठ रहे हैं। तिलैया थाना प्रभारी ने बताया कि झंडा चौक के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। अपराधियों की पहचान के लिए पुलिस जांच कर रही है।

तीन बच्चों के साथ कुएं में कूदी मां

तीनों मासूम की मौत, महिला गंभीर, पारिवारिक विवाद में सुसाइड के प्रयास की आशंका

गिरिडीह, 9 मई (एजेंसियां)। गिरिडीह में शुक्रवार को एक महिला अपने तीन मासूम बच्चों के साथ कुएं में कूद गई। इस घटना में महिला की जान बच गई पर तीनों बच्चों की मौत हो गई। घटना देवरी थाना क्षेत्र के खसलोडीह गांव की है। महिला ने ऐसा क्यों किया, फिलहाल स्पष्ट नहीं है।

आशंका जाहिर की जा रही है कि पारिवारिक विवाद की वजह से महिला, बच्चों के साथ आत्महत्या करना चाहती थी। मृतकों में अविनाश कुमार (6), रानी कुमारी (3) और फूल कुमारी (2) शामिल है। वहीं, बच्चों की मां आरती कुमारी की स्थिति गंभीर बनी हुई है। आरती की सास सुषमा देवी ने बताया कि उनकी बहू आरती कुमारी ने ऐसा क्यों किया, उन्हें कुछ भी पता नहीं है। घर में किसी प्रकार का विवाद नहीं हुआ था। आरती का पति सोनू हैदराबाद में रहकर ठेला चलाता है। फिलहाल वो गांव में हो रही एक शादी में शामिल होने के लिए आया हुआ है। घटना के वक्त सोनू घर पर नहीं था। सुषमा देवी ने कहा कि उन्हें पड़ोस की महिला से जानकारी मिली कि उनकी बहू शादी समारोह में न जा कर तीनों बच्चों के साथ कुएं की तरफ गई है।

भारत से तनाव के बीच पाकिस्तान के आर्मी चीफ हुए और शक्तिशाली

सुप्रीम कोर्ट ने असीम मुनीर को दिए स्पेशल अधिकार

इस्लामाबाद, 9 मई (एजेंसियां)। सेना प्रमुख असीम मुनीर ने भले ही पाकिस्तान को भारत के साथ जंग में झोंक दिया है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने पाकिस्तान में उनकी हैसियत और बढ़ा दी है। पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए पाकिस्तान के सैन्य अदालतों में नागरिकों के खिलाफ मुकदमा चलाए जाने को मंजूरी दे दी है। जिसके बाद पाकिस्तानी सेना को आम नागरिकों को सैन्य अदालतों में मुकदमा चलाने का खुला अधिकार मिल गया है। यानि पाकिस्तान की आर्मी, जिसने पहले से ही देश के लोकतंत्र को कुचल रखा है, उसे और ज्यादा अधिकार मिल गये हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से असीम मुनीर और भी ज्यादा शक्तिशाली हो गये हैं और इमरान खान के लिए ये बहुत बड़ा झटका है।

पाकिस्तान की सर्वोच्च अदालत ने 7 मई को एक फैसला सुनाते हुए सैन्य अदालतों में आम नागरिकों के खिलाफ चलने वाले फैसलों को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में सैन्य अदालतों में आम नागरिकों के खिलाफ चलने वाले मुकदमों को 'असंवैधानिक' बताया गया था। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामाबाद की शीर्ष अदालत की संवैधानिक पीठ ने फैसला सुनाते हुए 9 मई 2023 को सेना विरोधी प्रदर्शनों में शामिल इमरान खान के समर्थकों के खिलाफ सैन्य मुकदमा चलाने का रास्ता साफ कर दिया है।

आपको बता दें कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के लाखों समर्थकों ने पूर्व प्रधानमंत्री और पार्टी प्रमुख इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद 9 मई 2023 को भयानक दंगा किया था। इस दौरान इमरान खान के समर्थकों ने सैन्य ठिकानों पर भी हमला किया था और जमकर तोड़फोड़ की थी। जिसके बाद पाकिस्तान की सेना ने 1000 से ज्यादा इमरान खान के समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने 2024 में बताया था कि पीटीआई ने आरोप लगाया था कि पार्टी के सैकड़ों सदस्यों को बिना किसी सबूत के जबरन उठा लिया गया। उनके खिलाफ आर्मी कोर्ट ने 2 से 4 दिनों में फैसले सुनाने शुरू कर दिए और काफी सख्त सजा दी जाने लगी। इमरान खान के कई समर्थकों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है।

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अमीनुद्दीन खान की अगुवाई में सात सदस्यीय संवैधानिक पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के ही अक्टूबर 2023 के पहले के फैसले को पलट दिया है।

जाम्बिया की स्वास्थ्य सहायता में कटौती करेगा यूएस

ट्रंप ने कांग्रेस की लाइब्रेरियन को नौकरी से निकाला

वाशिंगटन, 9 मई (एजेंसियां)। अमेरिका जाम्बिया को दी जाने वाली 50 मिलियन डॉलर की स्वास्थ्य सहायता में कटौती करेगा। इस बारे में जाम्बिया में अमेरिकी राजदूत माइकल गोंजालेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि स्वास्थ्य सहायता में कटौती करने के पीछे का कारण यह है कि पिछले कुछ वर्षों में जाम्बिया को मुफ्त में दी गई दवाएं चोरी हो गईं और दुकानों में बेची जा रही हैं। जाम्बिया की सरकार इस पर कार्रवाई करने में विफल रही है। गोंजालेस ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि 2021 में पता चला कि जो दवाएं जाम्बिया के लोगों को मुफ्त में मिलनी चाहिए थीं, उन्हें फार्मेसियों में बेच दिया गया। 2021 से 2023 के बीच की गई जांच में लगभग 2,000 फार्मेसियों में से करीब आधी में वे दवाएं और सामग्री पाई गईं।

आतंकी रऊफ अजहर को ढेर करने पर पूर्व अमेरिकी राजदूत ने जताया भारत का आभार

वाशिंगटन, 9 मई (एजेंसियां)। भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' में कई खूंखार आतंकी भी मारे गए हैं। जिसमें से एक आतंकी अब्दुल रऊफ अजहर भी है, जिसने साल 2002 में अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की निर्ममता से हत्या कर दी थी। उसके मारे पर जाने पर अमेरिका और दुनिया भर के पत्रकार और राजदूत भारत और भारत सरकार को शुक्रिया कह रहे हैं।

अफगानितान और इराक में अमेरिका के पूर्व राजदूत एवं संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि जालमे खलीलजाद ने अब्दुल रऊफ अजहर के मारे जाने पर भारत को शुक्रिया कहा है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- पाकिस्तान के खिलाफ अपने मौजूदा सैन्य अभियान के दौरान, भारत ने क्रूर

खलीलजाद

आतंकवादी अब्दुल रऊफ अजहर को मार गिराया है, जिसने 2002 में पत्रकार डेनियल पर्ल की हत्या की थी, न्याय हुआ है। धन्यवाद, भारत।

पूर्व अमेरिकी राजनयिक ने भी जताया आभार

वहीं एक पूर्व अमेरिकी राजनयिक एली कोहनिम ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- बहुत लंबे समय तक हमें डेनियल पर्ल की हत्या के लिए न्याय नहीं मिला। मैं व्यक्तिगत रूप से भारत सरकार की आभारी हूं। डेनियल पर्ल को उनके अंतिम शब्दों के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उहोंने कहा था- मेरा पिता यहूदी थे, मेरी मां यहूदी है और मैं भी यहूदी हूं। उनके ये शब्द यहूदी इतिहास में हजारों साल तक सुनाई देते रहेंगे।'

अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल वॉल स्ट्रीट जर्नल के दक्षिण एशिया ब्यूरो प्रमुख थे, पाकिस्तान के कराची में उनकी हत्या से दुनिया भर में तहलका मच गया था। डेनियल पर्ल का जन्म 10 अक्तूबर 1963 में अमेरिका के न्यू जर्सी शहर के एक यहूदी परिवार में हुआ था। उन्होंने स्टैनफोर्ड विवि से स्नातक करने के बाद, वॉल स्ट्रीट जर्नल में अपना पत्रकारिता के करियर की शुरुआत की थी। जानकारी के मुताबिक, हत्या से पहले वे कराची में ब्रिटिश नागरिक और अल कायदा के संबंधों की जांच कर रहे थे।

हम आतंकवादियों के साथ युद्ध में

अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा का बयान

वॉशिंगटन, 9 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने कहा है कि भारत इस समय आतंकवादियों के साथ युद्ध में है और पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को न्याय दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इंसानों की शक्ल में मौजूद राक्षसों को जवाबदेय ठहराया जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी दुनिया में इन आतंकवादियों को खुली छूट नहीं दी जाएगी। विनय क्वात्रा ने कहा कि 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला सबसे जघन्य आतंकवादी घटना थी।

विनय क्वात्रा ने कहा कि 'हम आतंकवादियों के साथ युद्ध के हालात में हैं और हमारा सबसे पहला उद्देश्य पहलगाम आतंकी हमले के जिम्मेदार अमानवीय राक्षसों को जवाबदेह ठहराना और पीड़ितों को न्याय दिलाना है।' गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए भारत ने 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। इसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को भारत ने निशाना बनाया। भारत की इस कार्रवाई में कई आतंकवादियों के मारे जाने की खबर है। भारत की कार्रवाई में आम नागरिकों और पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को निशाना नहीं बनाया गया था। भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने बेशर्मी दिखाते हुए आतंकियों के समर्थन में भारत के कई शहरों पर हमले की कोशिश की। हालांकि भारत ने सारे हमलों को नाकाम कर दिया।

क्वात्रा ने कहा कि 'पूरी दुनिया से भारत को आतंकवादियों के खिलाफ इस लड़ाई में समर्थन मिल रहा है। क्वात्रा ने कहा कि 22 अप्रैल के आतंकी हमले के बाद तनाव बढ़ा। आतंकवादियों ने धर्म के आधार पर नागरिकों की हत्या की। परसों हमने जो किया, वह आतंकवाद के खिलाफ हमारी प्रतिक्रिया थी।' पाकिस्तान द्वारा भारत पर हमले को लेकर क्वात्रा ने कहा कि 'पाकिस्तान ने एक बार फिर से आतंकवादियों के समर्थन में खड़े होने का फैसला किया है। क्वात्रा ने कहा कि पाकिस्तान दुनिया को बता रहा है कि वह आतंकवादियों के साथ है और बाकी मानवता के साथ नहीं है। अलकायदा का नेता ओसामा बिन लादेन कहां मिला, अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल का हत्या कहां मिला?'

जब क्वात्रा से पूछा गया कि दुनिया को इस बात से कितना चिंतित होना चाहिए कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव परमाणु युद्ध में बदल सकता है, तो भारतीय राजदूत ने कहा, 'मुझे लगता है कि दुनिया को इस बात से चिंतित होना चाहिए कि पाकिस्तान आतंकवाद और आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन देना जारी रखता है। मुझे लगता है कि दुनिया को पाकिस्तान से यही कहना चाहिए - आतंकवाद का समर्थन करना बंद करो। सवाल का सार यही है।'

ऑपरेशन सिंदूर में '9 ठिकानों' का इशारा करने वाले पाकिस्तानी सेना के सबसे बड़े दुश्मन की नई भविष्यवाणी

काबुल/इस्लामाबाद, 9 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई में अफगानिस्तान के लोग खुलकर भारत का समर्थन कर रहे हैं। अफगानिस्तान के पूर्व उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर को अभूतपूर्व बताया है। सालेह ने पड़ोसी देश के खिलाफ भारत के जवाबी हमले को साहसिक और अभूतपूर्व करार दिया है। जबकि भारत के हमले को 'कायरतापूर्ण' कहने वाले पाकिस्तानियों को आड़े हाथों लिया। इससे पहले उन्होंने 4 मई को अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में, ऑपरेशन सिंदूर से पहले कहा था कि भारत ने अपने दुश्मन के गले में बिजली की कुर्सी का इस्तेमाल करने के बजाय एक बहुत लंबी रस्सी बांध दी है। भारत ने रस्सी को नौ गांठों से कस दिया है। यहां नौ गांठों से उनका मतलब पाकिस्तान में 9 ठिकानों पर होने वाले सटीक हमलों को लेकर था। ये 9 ठिकाने जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिज्ब-उल-मुजाहिदीन जैसे आतंकवादियों के हैं। यानि सालेह ने जो इशारा दिया था वो बिल्कुल सटीक निकला। अमरुल्लाह सालेह ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में भारत के नये ऑपरेशन को लेकर एक और इशारा किया है।

नये हमले का किया इशारा

अमरुल्लाह सालेह

उन्होंने एक नये पोस्ट में इशारा देते हुए लिखा है कि भारत की जवाबी कार्रवाई साहसिक, अभूतपूर्व और अपने वादे पर खरी उतरी। यह अभी भी एक लंबी रस्सी की रणनीति लगती है, क्योंकि इसने सबसे पहले 'असली हाथ' को निशाना बनाया। यानि वो इशारा कर रहे हैं कि भारत ने 'असली हाथ' को निशाना बना लिया है, लेकिन पीछे जिनका हाथ है उन्हें निशाना बनाया जाना बाकी है। उन्होंने पाकिस्तान की सख्त आलोचना करते हुए कहा कि भारत ने जो किया वह कायरता से बिल्कुल भी नहीं था। उन्होंने कहा कि मुझे यह हैरान करने वाला लगता है कि पाकिस्तान इसे 'बुजदिलाना' हमला कहता है, यह शब्द छिपे हुए आतंकवादी हमलों, आत्मघाती बम विस्फोटों, दूसरों का गंदा काम करने और छिपे हुए और दुर्भावनापूर्ण एजेंडे से प्रेरित होने के लिए आरक्षित है। उन्होंने कहा कि भारत ने जो किया वह कायरता से बिल्कुल भी नहीं था - यह एक साहसी, स्पष्ट हमला था। उन्होंने आगे कहा, दिल्ली ने सैन्य वर्दी में और कुरैशी नामक एक अधिकारी के माध्यम से इसे करने की जिम्मेदारी ली। आपको बता दें कि अमरुल्लाह सालेह, तालिबान के काबुल पर कब्जा करने से पहले राष्ट्रपति अशरफ गनी के उप राष्ट्रपति थे। अमरुल्लाह सालेह अभी भी तालिबान के खिलाफ अफगानिस्तान में लड़ाई लड़ रहे हैं। वो भारत के समर्थक हैं और उन्होंने आगे कहा कि जब वे सत्ता में थे, तो वे क्वेटा शूरा या अफगानिस्तान में अन्य आतंकी संगठनों के खिलाफ सिंदूर-शैली के ऑपरेशन को अंजाम देना चाहते थे।

म्यांमार और बांग्लादेश सीमा पर कुछ बड़ा होने वाला है

यूएस एयरफोर्स के अफसरों ने ढाका में डाला डेरा, विशाल कार्गो का इंतजार

ढाका, 9 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी एयरफोर्स (यूएसएएफ) के अधिकारियों की एक टीम बांग्लादेश की राजधानी ढाका पहुंची है। चार सदस्यों की यह टीम कतर एयरवेज की फ्लाइट ओआर-641 से 8 मई को ढाका के शाह जलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंची। इस टीम की आमद का मकसद 'एक भारी कार्गो विमान' के ढाके आने से पहले व्यवस्था देखना है। इन अधिकारियों के डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (डीआईए) से जुड़े होने का दावा किया जा रहा है। ढाका में जो विशाल कार्गो आ रहा है, उसे कथित तौर पर बांग्लादेश सीमा के जरिए म्यांमार में भेजा जाएगा। इसमें खतरनाक हथियार होने का अंदेशा है। हाल ही में ये रिपोर्ट भी सामने आई थी कि अमेरिका की ओर से बांग्लादेश की सीमा के जरिए म्यांमार के विद्रोही गुटों को सैन्य मदद भेजी जा रही है।

नार्थईस्ट न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यूएसएएफ के जो सदस्य ढाका पहुंचे हैं। उनमें तारा लिन एलेग्जेंड्रिया स्ट्राइडर (लॉजिस्टिक्स डायरेक्टर), डेविड थॉमस रीफेनबर (डीएफएस ग्रुप लिमिटेड में प्रोडक्ट सेल्स मैनेजर) माइकल कोडी थैकर (लॉजिस्टिक्स और फ्लीट मैनेजमेंट के सीनियर डायरेक्टर) और स्टाफ सार्जेंट मार्टिन लुकास वैननोर्सडॉल हैं। ये सभी ढाका के गुलशन इलाके में वेस्टिन होटल में ठहरे हैं। बांग्लादेश की सुरक्षा सेवा के सूत्रों का कहना है कि ढाका आए यूएसएएफ अधिकारी अल उदेद एयर बेस से जुड़े हैं। यह एयर बेस दोहा से 65 किलोमीटर दूर है। अल उदेद एयर बेस को अबू नखला एयरपोर्ट भी कहा जाता है। यहां कई सैन्य संसाधन और गठबंधन सेनाएं मौजूद हैं। यह इराक में अमेरिकी अभियानों के लिए मुख्यालय और लॉजिस्टिक्स बेस के रूप में काम करता है। यहां खाड़ी क्षेत्र की सबसे लंबी हवाई पट्टी है। अल उदेद में यूएसएएफ का 379वां एयर एक्सपेडिशनरी विंग है।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना में छह सैन्य कर्मियों की मौत

कोलंबो, 9 मई (एजेंसियां)। श्रीलंका में शुक्रवार को एक सैन्य हेलीकॉप्टर जलाशय में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार छह सशस्त्र बल कर्मियों की मौत हो गई। श्रीलंकाई रक्षा मंत्रालय ने बताया कि श्रीलंकाई वायु सेना का बेल 212 हेलीकॉप्टर, मदुरू ओया के उत्तर मध्य क्षेत्र में स्थित जलाशय में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हेलीकॉप्टर सेना की स्पेशल फोर्स ब्रिगेड की पासिंग आउट परेड में शामिल होने के लिए जा रहा था। मृतकों में वायु सेना के दो और स्पेशल फोर्स के चार सैनिक शामिल हैं। श्रीलंकाई वायु सेना ने कहा कि दुर्घटना की जांच के लिए नौ सदस्यीय पैनल नियुक्त किया गया है।

भारत से बढ़ते तनाव के बीच इमरान खान को जेल से रिहा करने की मांग

इस्लामाबाद, 9 मई (एजेंसियां)। भारत के साथ बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान की अदियाला जेल में भ्रष्टाचार मामले में सजा काट रहे पूर्व पीएम इमरान खान को जेल से रिहा करने की मांग की गई है। इसे लेकर पूर्व पीएम की पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

याचिका में दावा किया गया है कि लंबे समय से हिरासत में रहने के कारण पूर्व पीएम की जान को खतरा है। साथ ही भारत के साथ मौजूदा स्थिति चलते उनकी जान को खतरा है।

चीन की खतरनाक पीएल-15 मिसाइल के अब खुलेंगे राज

पाकिस्तान की एक गलती ने भारत को दिया मौका, अमेरिका-ताइवान भी होंगे खुश

इस्लामाबाद/बीजिंग, 9 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान और पीओके में घुसकर आतंकी कैंपों को मिसाइल से तबाह करने की भारत की सैन्य कार्रवाई के बाद पाकिस्तान के साथ तनाव चरम पर है। बृहस्पतिवार और गुरुवार को दोनों के बीच जंग जैसे हालात बन गए। एक दूसरे के खिलाफ ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ, बस अंतर ये रहा कि भारत ने एस-400 मिसाइल डिफेंस से पाकिस्तानी हमले को नाकाम कर दिया, वहीं भारतीय हथियार पाकिस्तान में अपने लक्ष्य पर गिरे। इस बीच भारतीय अधिकारियों ने पाकिस्तान से दागी गई मिसाइलों के मलबे बरामद किये हैं। इसमें सबसे अहम मलबा चीन में बनी पीएल-15ई बियांड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल (बीवीआरएएएम) का है।

चीनी मिसाइल के मलबे की यह बरामदगी इसलिए और खास हो जाती है क्योंकि यह लगभग पूर्ण अवस्था में मिला है। इसका मतलब है कि अब भारत को इस चीनी मिसाइल के राज पता लग सकते हैं। पंजाब के होशियारपुर से बरामद किए गए मलबे में अधिकारियों को महत्वपूर्ण चीजें बरामद हुई हैं, जिसमें प्रपल्शन सिस्टम, डेटालिंक और इनर्शियल रेफेरेंस यूनिट शामिल है।

रूस की तरफ से दोस्त की रक्षा के लिए

पुतिन ने विक्ट्री डे परेड में किया भारत के 'रक्षक' एस-400 सिस्टम का शानदार प्रदर्शन

मॉस्को, 9 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के मिसाइल और ड्रोन हमलों से भारत की सीमा की सुरक्षा करने वाले एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम का मॉस्को में रूस की विक्ट्री डे परेड में शानदार प्रदर्शन किया गया है। रूस की विक्ट्री डे परेड एक बार फिर रूसी सेना की ताकत, टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन और स्ट्रैटजी का प्रदर्शन करते हुए मॉस्को ने पश्चिमी देशों को संदेश देने की कोशिश की है।

मॉस्को के रेड स्क्वायर पर आयोजित इस परेड में जहां रूस ने अपने एडवांस टैंक्स, परमाणु मिसाइलों और हाइपरसोनिक हथियारों का प्रदर्शन किया है, वहीं इस दौरान एस-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम पर दुनिया की नजर रही। ये वही एयर डिफेंस सिस्टम है, जिसने पाकिस्तानी हमलों से भारत की सीमा की सुरक्षा की रक्षा करने में काफी अहम भूमिका निभाई।

आपको बता दें कि साल 2018 में भारत ने रूस से एस-400 एयर डिफेंस खरीदने के लिए समझौता किया था। इस सौदे के तहत भारत ने एस-400 के 5 स्क्वार्डन खरीदने के लिए रूस से समझौता किया था। ये डील करीब 35 हजार करोड़ यानि 5.5 अरब डॉलर की थी। रूस ने अभी तक भारत को इसके 4 स्क्वार्डन सौंप दिए हैं, लेकिन यूक्रेन युद्ध की वजह से सप्लाई चेन में आई दिक्कतों की वजह से एक स्क्वार्डन की सप्लाई रूस ने अभी तक नहीं की है। सुरक्षा कारणों से हम इसका खुलासा नहीं करना चाहते कि भारत ने इन स्क्वार्डन को कहां कहां तैनात किया हुआ है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद एस-400 की भूमिका काफी बढ़ गई थी। एस-400 के कंधे पर भारत की सुरक्षा की जिम्मेदारी थी और उसने बहुत कामयाबी के साथ अपनी भूमिका निभाई है। एस-400 ने पाकिस्तान के दर्जनों मिसाइलों और ड्रोन हमलों को नाकाम कर दिया था। 2018 में रूस के साथ सौदा करने के बाद ये पहली बार था जब एस-400 का भारत ने इस्तेमाल किया है। इसने पाकिस्तान के ड्रोन स्वार्म्स हमलों को नाकाम कर दिया, जिसके निशाने पर भारत के हाई वैल्यू डिफेंस टारगेट्स थे।

एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को दुनिया के सबसे ताकतवर डिफेंस सिस्टम में से एक माना जाता है। ये 400 किलोमीटर के रेंज में किसी भी लक्ष्य को भेदने की क्षमता रखता है।

ये आकाश में 30 किलोमीटर की ऊंचाई तक किसी भी टारगेट को भेदने की क्षमता रखता है।

पाकिस्तान आतंकवाद का सिर, उस पर वार जरूरी

अमेरिकी विशेषज्ञ ने भारत का खुलकर किया समर्थन

माइकल रुबिन

वॉशिंगटन, 9 मई (एजेंसियां)। भारत के साथ जारी तनाव के बीच पाकिस्तान दुनिया में अलग-थलग पड़ गया है। यही वजह है कि उसकी उकसावे वाली कार्रवाई की कई देश आलोचना कर रहे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के पूर्व शीर्ष अधिकारी माइकल रुबिन ने एक बड़ा बयान देते हुए पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला है। माइकल रुबिन ने साफ शब्दों में कहा कि पाकिस्तान ही दुनिया में आतंक का गढ़ है और इस पर वार करना जरूरी है।

न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में माइकल रुबिन ने कहा कि 'अमेरिका ने लश्कर ए तैयबा को आतंकी संगठन घोषित किया था, लेकिन हमने पाकिस्तान को आतंक को वित्त पोषित करने वाला देश करार नहीं दिया। अब समय आ गया है कि हम ऑक्टोपस के बाजुओं पर कार्रवाई करने के बजाय उसके सिर पर हमला करें। अमेरिका को एकमत होकर भारत का समर्थन करना चाहिए।' माइकल रुबिन ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन करते हुए कहा कि 'किसी भी लोकतांत्रिक देश के नेता का कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा करे। पीएम मोदी और भारत का पूरा राजनीतिक नेतृत्व ये समझ रहा है कि सभी भारतीय खतरे में हैं। इस सब की शुरुआत, तब हुई जब आसिम मुनीर ने कहा कि हिंदू और मुस्लिम एक साथ नहीं रह सकते, लेकिन भारत में दोनों साथ मिलकर रह रहे हैं। पाकिस्तान में ऐसा नहीं हो रहा है क्योंकि पाकिस्तान व्यवस्थागत तरीके से अपने अल्पसंख्यकों को देश से बाहर कर रहा है।' पाकिस्तान की कार्रवाई की वजह बताते हुए माइकल रुबिन ने कहा कि 'पाकिस्तान जब भी आर्थिक, भ्रष्टाचार या समाज के स्तर पर असफल होता है तो वह भारत के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाकर लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश करता है। यह एक असफल राष्ट्र की पहचान है। अच्छी बात ये है कि भारत में अलग कहानी है, जहां सभी लोग अपने मुद्दों पर चर्चा करते हैं।' माइकल रुबिन ने कहा कि 'पाकिस्तान ने आतंकवाद को समर्थन देने के लिए इस संघर्ष की शुरुआत की। भारत आतंकवाद के पीड़ित हैं। पहले मुझे लगता था कि पीएम मोदी ने जवाब देने में लंबा समय लिया, लेकिन अब साफ है कि भारतीय सेना ने पूरी योजना के तहत सुनियोजित तरीके से कार्रवाई की है और ये दिखाया है कि भारतीय सेना कितनी सक्षम है। पाकिस्तान घिर गया है और अपना चेहरा बचाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन आसिम मुनीर को यह समझना चाहिए कि अगर आप गड्ढा खोदोगे तो एक दिन उसी में गिरोगे।

रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट नए पोप बने

अमेरिका से पोप बनने वाले पहले कार्डिनल, पोप लियो-14 के नाम से जाने जाएंगे

वेटिकन, 9 मई (एजेंसियां)। वेटिकन में आज पैपल कॉन्क्लेव के दूसरे दिन नए पोप का चयन हो गया। 69 साल के रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट को नया पोप चुन लिया गया है। वो अमेरिका से पोप बनने वाले पहले कार्डिनल हैं। उन्होंने अपने लिए पोप लियो-14 नाम चुना है। 133 कार्डिनल्स ने वोटिंग के जरिए दो-तिहाई बहुमत (89 वोट) से उन्हें पोप चुना। 1900 के बाद से यह पांचवां मौका है जब नए पोप को दो दिनों में चुन लिया गया। वोटिंग के दूसरे ही दिन रोमन कैथोलिक चर्च के सिस्टीन चैपल पर स्थित चिमनी से सफेद धुआं निकला, जिससे पता चलता है कि नए पोप का चयन हो गया है। नए पोप का चयन होते ही वेटिकन में मौजूद 45 हजार से ज्यादा लोगों ने जोरदार तालियां बजाई और एक दूसरे को बधाई दी। इससे पहले 7 मई को वोटिंग के पहले दिन किसी को भी पोप नहीं चुना गया था। कल सिस्टिन चैपल में औपचारिक जुलूस और हर कार्डिनल की तरफ से गोपनीयता की शपथ लेने के बाद, बुधवार रात करीब 9:15 बजे वोटिंग का पहला दौर शुरू हुआ था। पोप चुने जाने के बाद पोप लियो-14 ने सेंट पीटर्स बेसिलिका की बालकनी से स्पेनिश भाषा में लोगों को संबोधित किया। उन्होंने लोगों से दूसरों के लिए दया दिखाने और प्रेम के साथ रहने की अपील की।

उन्होंने कहा- मैं सभी कार्डिनल्स को शुक्रिया करना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे फ्रांसिस के उत्तराधिकारी के तौर पर चुना है। मैं उन पुरुषों और महिलाओं के साथ काम करने की कोशिश करूंगा जो मिशनरी बनकर बिना किसी डर के यीशु का प्रचार करते हैं और उनके लिए वफादार हैं।

पोप लियो का जन्म 14 सितंबर 1955 को अमेरिका के इलिनोय में हुआ था। वे पोप फ्रांसिस के करीबी सहयोगी माने जाते थे और उनकी विचारधारा भी पोप फ्रांसिस से मेल खाती है। उन्होंने पोप फ्रांसिस के उस फैसले का समर्थन किया जिसमें तलाकशुदा और दोबारा शादी करने वाली महिलाओं को त्योहार मनाने की इजाजत दी गई थी। जब एक कार्डिनल को पोप चुना जाते हैं तो उनसे पूछा जाता है कि वह किस नाम से बुलाए जाना चाहते हैं। यह परंपरा 6वीं सदी से चली आ रही है। पोप के पास आजादी है कि वह कोई भी नाम चुन सकते हैं, लेकिन आमतौर पर वे पहले के पोप या संतों के नाम चुनते हैं। 7 मई को वोटिंग शुरू होने से लगभग 90 मिनट पहले सभी सिग्नल बंद कर दिए थे।

लीक को रोकने के लिए कॉन्क्लेव क्षेत्र को सख्त लॉकडाउन में रखा गया था।

जैसलमेर में बम मिला, नौ घंटे ब्लैक आउट

> यहां रातभर बजा सायरन, राजस्थान में कैसे हालात?

जैसलमेर, 9 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की ओर से राजस्थान में ड्रोन से उत्तरलाई, फलोदी, नाल और जैसलमेर-पोकरण में हमले किए गए। भारतीय सेना ने इन हमलों को नाकाम कर दिया है। बाड़मेर में रात नौ बजे से सुबह चार बजे तक ब्लैकआउट रहा। इसी तरह जैसलमेर में सुबह 6 बजे तक ब्लैकआउट रहा। जानें, कहां कैसे हालात हैं और क्या तैयारी है? पहलगाम आतंकी हमले और फिर भारत के पाकिस्तान पर किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के बीच तनाव के हालात हैं। पाकिस्तान लगातार सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है। पाकिस्तान की ओर से देश के सैन्य ठिकानों पर लगातार हमले किए जा रहे हैं, जिन्हें भारत नाकाम कर रहा है। पाक की ओर से राजस्थान के सैन्य ठिकानों पर भी हमले किए गए हैं। यह हमले ड्रोन से उत्तरलाई, फलोदी, नाल और जैसलमेर-पोकरण में किए गए। भारतीय सेना ने सभी ड्रोन हवा में गिराकर नाकाम कर दिया। हालांकि, हालात को देखते हुए राजस्थान के छह जिले जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, पाली और श्रीगंगानगर में ब्लैकआउट रहा। गुरुवार रात बाड़मेर पूरी तरह अंधेरे में डूबा रहा। यहां रात नौ बजे से सुबह चार बजे तक ब्लैकआउट रहा। इसी तरह जैसलमेर में भी रात 9 से सुबह 6 बजे तक ब्लैकआउट रहा। इसके अलावा शहर के सूली डूंगर के पास पाकिस्तानी ड्रोन का मलबा और किशनघाट में एक बस्ती में जिंदा बम मिला है। सूचना पर सेना और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है। इन्हें लेकर जांच की जा रही है। आइए, जानतें हैं कहां कैसे हालात हैं और क्या तैयारी है?

सरकार अलर्ट, बॉर्डर इलाकों में रातोंरात पोस्टिंग

पाकिस्तान और भारत के बीच चल रहे तनाव के कारण राजस्थान सरकार भी अलर्ट मोड पर है। हलात को देखते हुए सीएम भजनलाल शर्मा ने गुरुवार देर रात हाईलेवल बैठक की। जिसमें मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक, डीजी इंटेलिजेंस और एडीजी कानून व्यवस्था शामिल हुए। साथ ही, सरकार की ओर से बॉर्डर इलाके वाले जिलों के विभागों में खाली पदों पर रातोंरात अधिकारियों-कर्मचरियों की पोस्टिंग कर भर दिया। सरकार की ओर से नौ आरएएस अधिकारियों को नियुक्त किया है। इनमें महेश चंद्र मान को एसडीएम भणियाणा (जैसलमेर), प्रभजोत सिंह गिल एसडीएम मूंडवा, लाखाराम - एसडीएम पोकरण, संदीप चौधरी - एसडीएम बज्जू (बीकानेर), कुणाल राहड़ - एसडीएम बीकानेर उत्तर, भरतराज गुर्जर - एसडीएम फतेहगढ़, कविता गोदारा - सहायक कलेक्टर सीकर, रामलाल मीणा - एसडीएमगडरा रोड (बाड़मेर) को नियुक्त किया गया है। साथ ही, नगर परिषद आयुक्त, अधिशाषी अधिकारी, राजस्व अधिकारी, अग्निशमन अधिकारी और फायरमैन की नियुक्ति भी की गई है। इसके अलावा अलग-अलग निकायों से 75 फायर ब्रिगेड को भिजवाने के आदेश भी दिए गए हैं।

ब्लैकआउट और आपातकालीन का असरः बाड़मेर की चार ट्रेनें रद्द, जोधपुर-वाराणसी एक्सप्रेस 3 घंटे लेट

जोधपुर, 9 मई (एजेंसियां)। प्रदेश में ब्लैकआउट जैसी आपातकालीन परिस्थितियों का असर अब रेल यातायात पर भी दिखने लगा है। उत्तर पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए कई ट्रेनों को रद्द या री-शेड्यूल करने का निर्णय लिया है। इस कारण जहां कुछ ट्रेनें पूरी तरह से रद्द की गई हैं, वहीं कुछ आंशिक रूप से रद्द रहेंगी। साथ ही, कुछ ट्रेनों के समय में परिवर्तन भी किया गया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण ने बताया कि गाड़ी संख्या 14864 जोधपुर-वाराणसी सिटी एक्सप्रेस 9 मई को जोधपुर से 3 घंटे की देरी से सुबह 11:25 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन पूर्व निर्धारित समय 8:25 बजे रवाना होनी थी।

आंशिक रूप से रद्द ट्रेन :

12467 जैसलमेर-जयपुर रेल अब जैसलमेर के स्थान पर बीकानेर से चलाई जाएगी। यानी जैसलमेर से बीकानेर के बीच यह सेवा 9 मई को रद्द रहेगी, जबकि बीकानेर से जयपुर तक यह ट्रेन पूर्ववत संचालित होगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे यात्रा से पहले अपनी ट्रेनों की स्थिति की जानकारी रेलवे की वेबसाइट या हेल्पलाइन से प्राप्त कर लें।

राजस्थान में तेज बारिश, 18 जिलों में अलर्ट

टोंक, पाली, जयपुर समेत कई इलाकों में 3 इंच तक पानी बरसा; तापमान में आई गिरावट

जयपुर, 9 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में आंधी-बारिश का दौर आज (शुक्रवार) भी जारी है। सुबह अलवर, चित्तौड़गढ़ और कोटपूतली-बहरोड़ में बारिश हुई। उदयपुर में बादल छाए हैं। बीती रात जयपुर, जैसलमेर, जोधपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, पाली, टोंक समेत कई जिलों में अंधड़ के साथ तेज बारिश हुई। इन शहरों में 1 से लेकर 3 इंच तक पानी बरसा। टोंक में सबसे ज्यादा 83 एमएम बरसात दर्ज हुई। मौसम विभाग ने आज भी प्रदेश के 18 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

जोधपुर, अजमेर और जैसलमेर में बरसात

पिछले 24 घंटे के दौरान जोधपुर के शेरगढ़ में 54, टोंक के टोडारायसिंह में 15, भीलवाड़ा के आसींद में 43, हमीरगढ़ में 40, मांडल में 42, प्रतापगढ़ के छोटी सादड़ी में 24, चित्तौड़गढ़ के कपासन में 27, भोपालसागर में 45, राश्मी में 42 एमएम बारिश हुई। अजमेर शहर में 18.1, किशनगढ़ में 16, नसीराबाद में 10, बाड़मेर के सिंधड़ी में 17, गिड़ा में 15, बायतू में 16, शिव में 40, रींगस (सीकर) में 15, नागौर के रियाबाड़ी में 18, मकराना में 15, पाली के रानी में 54, बाली में 50, देसूरी में 47, सुमेरपुर में 32, मारवाड़ जंक्शन में 25 एमएम बरसात हुई। जैसलमेर के पोकरण में 26, फतेहगढ़ में 19, भानियाना में 61, जयपुर के सांभर में 58, फुलेरा में 26, जमवारामगढ़ में 20 और करौली के नादौती में 22एमएम बरसात दर्ज हुई। इन जिलों के अलावा दौसा, सवाई माधोपुर, अलवर, फलोदी, नागौर, राजसमंद समेत अन्य कई जिलों में भी हल्की बारिश हुई।

न्यूनतम तापमान गिरकर 20 डिग्री से नीचे आया

बारिश होने से कई शहरों के न्यूनतम तापमान में गिरावट हुई। सिरोही, अलवर, अजमेर, पाली में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। सबसे कम तापमान सिरोही में 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। राजधानी जयपुर में बीती रात न्यूनतम तापमान 22.8, सीकर में 20.5, बाड़मेर में 20.7, जैसलमेर में 22.6, जोधपुर में 23.6, बीकानेर में 24.4, चूरू में 25 और श्रीगंगानगर में 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

जिसका राजा व्यापारी, उसकी प्रजा भिखारी : मदन राठौड़

> प्रशिक्षण शिविर को लेकर की खुलकर चर्चा

जयपुर, 9 मई (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने संगठन और हालिया राजनीतिक घटनाक्रम पर खुलकर चर्चा करते हुए मीडिया के सामने अपनी बात रखी। गुजरात के केवड़िया में आयोजित भाजपा विधायकों और सांसदों के प्रशिक्षण शिविर से लौटकर राठौड़ ने बताया कि यह शिविर संगठन का नियमित कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य जनसेवकों को और अधिक दक्ष बनाना है। उन्होंने कहा- हम जनसेवा तभी कर पाएंगे जब सत्ता में बने रहेंगे और सत्ता में बने रहने के गुर सीखना हमारा दायित्व है। रिपोर्ट कार्ड को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि यह सबको पता है कि कौन विधायक और सांसद कैसा काम कर रहा है। हमारा सिद्धांत है 'जिसका राजा व्यापारी, उसकी प्रजा भिखारी', हम इसी भावना से काम करते हैं।

रिपोर्ट कार्ड जैसी कोई बात नहीं है, जनता जानती है कि कौन क्या कर रहा है। केंद्रीय नेतृत्व की नाराजगी के सवाल पर उन्होंने कहा, कि घर के बड़े कभी संतुष्ट नहीं होते। अगर कोई 60% लाता है तो उससे 65% की उम्मीद की जाती है।

बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल की गिरफ्तारी पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि राजनीति का स्तर इतना गिर जाएगा, यह सोचा नहीं था। सवाल पूछने के बदले पैसे लेना मर्यादा का उल्लंघन है। जब एक लाख लिया तो मजा आया, फिर 20 लाख लेने गए और आज जेल पहुंच गए। ऐसे लोग जनसेवक कहलाने योग्य नहीं हैं। भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा के मामले में राठौड़ ने स्पष्ट किया कि मामला कोर्ट में लंबित है और जो फैसला आएगा, उसी अनुसार पार्टी कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा, कि एक जुर्म के लिए दो सजा नहीं हो सकती। मदन राठौड़ के बयानों से स्पष्ट है कि भाजपा आंतरिक प्रशिक्षण और अनुशासन के माध्यम से संगठन को मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। वहीं भ्रष्टाचार और नैतिक पतन के मामलों पर भी सख्त रुख अपनाया जा रहा है।

पाकिस्तान से तनाव के बीच 9 आरएएस अफसरों के तबादले

राजस्थान के बॉर्डर इलाकों में एसडीओ के पांच खाली पद भरे, पोकरण एसडीओ का तबादला

जयपुर, 9 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के साथ चल रहे तनाव और सीमावर्ती जिलों में बने युद्ध के हालात के बीच राज्य सरकार ने बॉर्डर एरिया के पांच उपखंडों में उपखंड अधिकारियों (एसडीओ) के खाली पदों को भर दिया है। श्रीगंगानगर के घड़साना, जैसलमेर के भनियाना और फतेहगढ़, बीकानेर के बज्जू, बाड़मेर के गडरारोड में एसडीओ के खाली पदों पर पोस्टिंग दे दी है।

कार्मिक विभाग ने 9 आरएएस अफसरों के तबादले किए हैं, जिनमें से बॉर्डर एरिया में खाली चल रहे एसडीओ के 5 पदों पर पोस्टिंग दी है।

बॉर्डर एरिया में पोकरण एसडीओ को बदला है। मनोज कुमार मीणा को एसडीओ देवली से एसडीओ घड़साना, महेश चंद्र मान को राजकॉम्प एमडी जयपुर से एसडीओ भनियाना (जैसलमेर), एपीओ चल रहे संदीप चौधरी को एसडीओ बज्जू (बीकानेर), भरतराज गुर्जर को एसडीओ आसींद से एसडीओ फतेहगढ़ (जैसलमेर) और रामलाल मीणा को एसडीओ जसवंतपुरा, जालोर से एसडीओ गडरारोड (बाड़मेर) के पद पर लगाया है। पोकरण और मूंडवा एसडीओ के एक दूसरे की जगह तबादले किए हैं। पोकरण एसडीओ प्रभजोत गिल का तबादला करके मूंडवा एसडीओ लगाया है, जबकि लाखाराम को मूंडवा से पोकरण एसडीओ के पद पर पोस्टिंग दी गई है। कुणाल राहड़ को सहायक कलेक्टर मुख्यालय सीकर से एसडीओ बीकानेर उत्तर के पद पर लगाया है। कविता गोदारा को एसडीओ बीकानेर उत्तर से सहायक कलेक्टर मुख्यालय सीकर के पद पर पोस्टिंग दी गई है।

जेएनवीयू ने आगामी आदेश तक रद्द की परीक्षाएं मेडिकल स्टाफ की छुट्टियां रद्द, हाई अलर्ट पर प्रदेश

जोधपुर, 9 मई (एजेंसियां)। भारत-पाक सीमा पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद उपजे हालात ने राजस्थान में शिक्षा से लेकर चिकित्सा व्यवस्था तक को हिला कर रख दिया है। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर ने 9 मई से प्रस्तावित सभी परीक्षाएं अगली सूचना तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार ने चिकित्सा विभाग के डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ के सभी अवकाश तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए हैं। जेएनवीयू की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश की सीमाओं पर बने तनावपूर्ण हालात और आंतरिक सुरक्षा कारणों के चलते यह निर्णय एहतियातन लिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि मौजूदा स्थिति में परीक्षाओं का सुरक्षित संचालन संभव नहीं है। कुलसचिव ने बयान जारी कर कहा कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन से विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया है। छात्रों की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। परीक्षाओं की नई तिथियां हालात सामान्य होने के बाद घोषित की जाएंगी।

मेवात गैंग के 3 बाइक चोर गिरफ्तार

नीमराना, 9 मई (एजेंसियां)। नीमराना थाना पुलिस ने देर रात बाइक चोरी की बढ़ती घटनाओं पर बड़ी कार्रवाई करते हुए मेवात गैंग से जुड़े तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में सतवाड़ी पहाड़ी, जिला डीग निवासी जुबेर पुत्र अजीम, इरशाद उर्फ ईटा पुत्र सूबेदार और सारेकलां चौपानकी भिवाड़ी निवासी करनेल सिंह उर्फ सिंटू पुत्र दलीप सिंह शामिल हैं। आरोपियों से पूछताछ में सामने आया है कि उन्होंने नीमराना, बहरोड़, रेवाड़ी, बावल, कसोला, गुरुग्राम, खैरथल और तिजारा जैसे क्षेत्रों में करीब 150 बाइक चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है। पुलिस ने इनके कब्जे से दो बाइक बरामद की हैं।

नीमराना डीएसपी सचिन शर्मा ने बताया कि यह गिरोह चोरी की बाइकें हरियाणा और भरतपुर जिले के जुरहरा, सतवाड़ी, जमालगढ़, लोहिंगा पुन्हाना जैसे इलाकों में ले जाकर 5 से 7 हजार रुपए में साइबर ठगों, बदमाशों और तस्करों को बेच देता था। जिससे इनका पकड़ में आना मुश्किल हो जाता था। थाना प्रभारी राजेश मीणा के अनुसार, आरोपी चोरी की वारदात से 50 किलोमीटर पहले अपने मोबाइल बंद कर लेते थे और चेहरा कपड़े से ढंक लेते थे ताकि सीसीटीवी या किसी पहचान में न आएं। उनके पास से कई मोबाइल और सिम कार्ड भी मिले हैं, जिनका इस्तेमाल वारदात के दौरान किया जाता था।

पुलिस के अनुसार गिरोह में और भी सदस्य शामिल हैं। इनमें जुरहरा डीग निवासी अयूब पुत्र ईसब और माजरा पिपली शेखपुर अहीर भिवाड़ी निवासी सोना सिंह पुत्र मक्खन सिंह की तलाश की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि इनकी गिरफ्तारी के बाद बाइक चोरी के और भी मामलों का खुलासा होगा। फिलहाल पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और अन्य स्थानों से चोरी गई बाइकें बरामद करने की कार्रवाई जारी है।

बीएपी विधायक का प्रकरण सदाचार समिति को भेजा सदन में सवाल के बदले मांगी थी घूस

जयपुर, 9 मई (एजेंसियां)। सवाल के बदले घूस मांगने के आरोप में एसीबी में ट्रैप हो चुके बीएपी विधायक की विधायकी बनी रहेगी या जाएगी इसका फैसला अब विधानसभा की सदाचार समिति करेगी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने यह प्रकरण सदाचार समिति को भेज दिया है।

देवनानी ने कहा है कि राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक ने विधानसभा को सूचित किया है कि विधानसभा में लगाए गए प्रश्न को हटाने की एवज में विधायक पटेल द्वारा रिश्वत मांग किए जाने की पुष्टि होने एवं रिश्वत राशि के 20 लाख रुपए प्राप्त करते हुए रंगे हाथों पकड़े जाने बाद धारा 7,12 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (यथा संशोधित 2018) व 61(2), 238 बीएनएस-2023 में नियमानुसार यह गिरफ्तारी की गई है।

देवनानी ने कहा कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित शिकायत की जांच हेतु प्रकरण को विधानसभा की सदाचार समिति को निर्दिष्ट किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकरण की प्रथम सूचना रिपोर्ट भी विधानसभा को प्राप्त हो गई है, जिसमें रिश्वत की रकम विधायक आवास से प्राप्त करना बताया गया है। विधायक के इस कृत्य से विधानसभा की गरिमा प्रश्नगत हुई है इसीलिए विधानसभा सदस्य पटेल के कथित आचरण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की जांच किए जाने हेतु प्रकरण को विधानसभा की सदाचार समिति के पास भेजा है। सदाचार समिति द्वारा प्रकरण पर विचार करने के पश्चात अध्यक्ष देवनानी को रिपोर्ट सौंपी जाएगी, जिसे उनकी अनुमति से सदन में रखा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि किसी विधानसभा सदस्य के विरुद्ध सदन के बाहर या अंदर अनैतिक व्यवहार से संबंधित शिकायत की जांच करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष अथवा सदन द्वारा सदाचार समिति को निर्दिष्ट किया जाता है।

कंवरलाल मीणा के मामले में निर्णय शीघ्र

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि विधानसभा सदस्य कंवरलाल मीणा के प्रकरण में महाधिवक्ता और वरिष्ठ अधिवक्ताओं से राय ली जा रही है।

इस पर निर्णय समयावधि में नियमानुसार शीघ्र किया जाएगा। गौरतलब है मीणा को हाईकोर्ट ने 3 साल की सजा सुनाई है।

इसके खिलाफ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में स्टे की याचिका लगाई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

राजस्थान में एक साल में टाइगर के 25 शावक जन्मे

मंत्री बोले-सरिस्का में एमपी से नहीं लाने पड़ेंगे बाघ; 34 गांव होंगे शिफ्ट

अलवर, 9 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रदेश में 140 बाघ-बाघिन और शावक हैं। हर साल नए शावकों की क्वार्टर सेंचुरी लगने लगी है। पिछले साल सरिस्का, रणथंभौर, मुकंदरा और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में 25 शावक जन्मे थे। यही रफ्तार रही तो 2025 में करीब 30 नए शावक आएंगे। सरिस्का में मई-जून में टाइगर की हाफ सेंचुरी पूरी होने की संभावना है। ऐसा सरिस्का अभयारण्य घोषित होने के बाद पहली बार होगा। ऐसे में मध्यप्रदेश से टाइगर सरिस्का लाने की भी जरूरत नहीं होगी। हाल में सरिस्का में बाघिन एसटी-30 ने 3 शावकों को जन्म दिया था। वहीं अब जंगल के आस-पास बसे गांवों का जल्द विस्थापन (शिफ्ट) किया जाएगा। सरकार ने 2002 के पैकेज के अनुसार गांवों के विस्थापन पर सहमति दे दी है। ऐसा प्रदेश में बाघों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए किया जाएगा।

ज्वेलर्स से लूट का खुलासा : तीन आरोपी गिरफ्तार सोना-चांदी, नकदी और मोबाइल फोन लूटे थे

चित्तौड़गढ़, 9 मई (एजेंसियां)। भैंसरोड़गढ़ थाना क्षेत्र में 17 अप्रैल को रावतभाटा निवासी ज्वेलर्स से हुई लूटपाट का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर लिया गया है। घटना उस समय हुई जब रावतभाटा निवासी परेश सोनी, जो सिगोली स्थित 'भावना ज्वेलर्स' का मालिक है, दुकान बंद कर मोटरसाइकिल से रावतभाटा लौट रहा था। श्रीपुरा और पीर दरगाह के बीच चार अज्ञात बदमाशों ने उसे धक्का देकर गिरा दिया और मारपीट कर सोने-चांदी के गहनों, पांच लाख रुपये नकद और मोबाइल फोन को लूट कर फरार हो गए। इस संबंध में भैंसरोड़गढ़ थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी लक्ष्मीचंद वर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें साइबर सेल की तकनीकी मदद से आरोपियों को ट्रेस किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में बेगूं थाने के मंडावरी निवासी दिलीप कंजर, राजू मेवाड़ा और मध्यप्रदेश के नीमच जिले के धनगांव थाना क्षेत्र से बबलू चौधरी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपी न्यायालय में पेश किए गए, जहां से उन्हें रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस लूट के सामान और नकदी की बरामदगी के प्रयासों में जुटी है, जबकि शेष आरोपियों की तलाश अभी जारी है।

अजमेर में बांग्लादेशी महिला पकड़ी : पहचान छिपाकर दरगाह इलाके में 3 साल से रह रही थी

अजमेर, 9 मई (एजेंसियां)। अजमेर में पहचान छिपाकर 3 साल से दरगाह इलाके के घरों और होटल-गेस्ट हाउस में झाड़ू पोंछा करने वाली बांग्लादेशी महिला रेशमा खातून को पुलिस ने डिटेन कर लिया है। विदेशी घुसपैठियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 4 महीने में 28 बांग्लादेशी पकड़े जा चुके हैं।

दरगाह थाना पुलिस की पूछताछ में रेशमा (31) ने बताया कि वह बोनापोल बॉर्डर से भारत में घुसी थी। पति, बेटा और परिवार के अन्य लोग बांग्लादेश के जासौर जिले में हैं। वह मेदिनीपुर (प. बंगाल) में काफी समय रहने के बाद मुंबई चली गई, जहां बंगलों में साफ-सफाई का काम करती थी। वह अपना पता मेदिनीपुर बताती थी। उसने वहां से आधार कार्ड भी बनवा लिया था। 2022 में वह अजमेर आई और यहां दरगाह इलाके में खादिमों के घरों, होटलों और गेस्ट हाउस में साफ-सफाई का काम करने लगी। पुलिस रेशमा से उसके परिजन और अन्य बांग्लादेशी नागरिकों के बारे में जानकारी जुटा रही है। अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार की ओर से जारी दिशा-निर्देश के तहत अब अजमेर सहित सभी जिलों में संदिग्ध विदेशी नागरिकों को रखने के लिए होल्डिंग सेंटर बनाया जाएगा। इनकी पहचान के लिए विशेष टास्क फोर्स पहले से ही अजमेर में काम कर रही है।

पुलिस अधिकारियों को एक व्यापक कार्य योजना तैयार करनी चाहिए : डिप्टी सीएम

डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने सुझाव दिया कि पुलिस अधिकारियों को एक व्यापक कार्य योजना तैयार करनी चाहिए और युद्ध के माहौल के दौरान उत्पन्न होने वाली स्थितियों से निपटने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। डॉ.बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में एक उच्च स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। गुरुवार को सचिवालय में डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क मल्लू की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव और पोन्नम प्रभाकर, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, सीएमओ स्पेशल सीएस जयेश रंजन, डीजीपी जितेंद्र, डीजी इंटेलिजेंस शिवधर रेड्डी, हैदराबाद सीपी सीवी आनंद, साइबराबाद सीपी अविनाश मोहंती, राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू और अन्य ने भाग लिया। सीएस रामकृष्ण राव को निर्देश दिया गया कि वे लोगों में राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने के लिए सभी जिला केंद्रों में राज्य के सभी वर्गों के लोगों के साथ एकजुटता रैलियां आयोजित करें और तदनुसार कार्यक्रम तैयार करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कल हैदराबाद के नेकलेस रोड पर आयोजित एकजुटता रैली से समाज में अच्छा संकेत गया है। संवेदनशील मुद्दों पर सोशल मीडिया पर झूठे प्रचार को रोकने के लिए निरंतर निगरानी और प्रवर्तन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि झूठा प्रचार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सलाह दी कि वे 24 घंटे पहले जनता को सचेत करें तथा मॉक ड्रिल का परीक्षण करें। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक विभागों में कार्यरत कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द करने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए कि वे अपने मुख्यालय में ही रहें। साथ ही उन्होंने मीडिया प्रमुखों के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि समाचार अभियानों में उचित सावधानियां बरती जाएं। पुलिस अधिकारियों को सलाह दी जाती है कि वे युद्ध के माहौल में उत्पन्न होने वाली स्थितियों से निपटने के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार करें और आगे बढ़ें। उपमुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि हैदराबाद में सायरन अलर्ट स्थापित करने के लिए उचित कदम उठाए जाएं और जहां भी संभव हो, प्रासंगिक उपकरण खरीदे जाएं। सरकार के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने बताया कि केंद्र सरकार के आदेशानुसार राज्य में नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाने वाले रक्षा विभाग से संबंधित उपकरणों के निर्माण से जुड़े उद्योगों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है और उन सभी को मॉक ड्रिल में भागीदार बनाया गया है। सभी अस्पतालों को अस्पताल भवनों के स्लैब पर लाल प्लस चिह्न लगाने के लिए नोटिस जारी किया गया है। सीएस रामकृष्ण राव ने बताया कि केंद्र सरकार के आदेशों का क्रियान्वयन फील्ड स्तर पर किया जा रहा है, जिसमें आपातकालीन निधि उपलब्ध कराना और पुलिस कमांड कंट्रोल सेंटर से जनता को सचेत करना शामिल है। राज्य के डीजीपी जितेन्द्र रेड्डी ने बताया कि राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है तथा रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंडों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में डीआरडीए, डीआरडीओ, एनएफसी और अन्य राष्ट्रीय स्तर के उद्योगों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है तथा चौबीसों घंटे गश्त की जा रही है तथा सीसीटीवी के जरिए निगरानी की जा रही है। डीजीपी ने बताया कि सोशल मीडिया पर फर्जी खबरें फैलाने की बजाय झूठी खबरों पर अंकुश लगाने के लिए समय-समय पर साइबर टीमें गठित की गई हैं और झूठी सूचना फैलाने वालों के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं कि केवाईसी के बिना सिम कार्ड जारी न किए जाएं। बताया गया कि संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। डीजीपी ने कहा कि राज्य में उत्पन्न होने वाली किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सभी प्रबंध पहले ही कर लिए गए हैं तथा संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर पूरे राज्य में निगरानी बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि उन्होंने समय-समय पर स्थिति का आकलन और निगरानी करने के लिए हैदराबाद में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। उन्होंने उन लोगों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ा दी है जो जेल की सजा काटने के बाद रिहा हुए हैं और जिन पर पहले के मामलों में आरोप लगाए गए हैं। उनकी हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। बैठक में डीजीपी ने बताया कि यूक्रेन में युद्ध के मद्देनजर लोगों को सचेत करने के लिए विशेष रूप से एक ऐप तैयार किया गया है और राज्य में भी ऐसा ही ऐप लाने की योजना बनाई जा रही है।

अग्रवाल समाज दोमलगुडा शाखा की वार्षिक सभा 25 मई को

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं नए पदाधिकारियों का चयन 25 मई को हिमायतनगर स्थित एक होटल में होगा। चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश पंसारी, पर्यवेक्षक गिरधारी लाल अग्रवाल और सहयोगी गिरधारी लाल गुप्त तथा राजेश अग्रवाल होंगे। शाखा द्वारा संचालित क्लिनिक में संपन्न कार्यकारिणी सभा में लिए गए उक्त निर्णय के अंतर्गत वार्षिक सभा में शाखा, क्लिनिक और महिला समिति की वार्षिक रिपोर्ट और आय व्यय का लेखा जोखा भी प्रस्तुत किया जाएगा।

इस कार्यकारिणी सभा में शाखा की हेल्थ क्लिनिक, आर्थिक स्थिति, महिला समिति और अन्य विषयों पर भी चर्चा की गयी। इसके पूर्व महाराजा श्री अग्रसेन जी को नमन के पश्चात शाखा अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने स्वागत संबोधन और सह मंत्री प्रतीक अग्रवाल ने पिछली कार्यकारिणी सभा की रिपोर्ट के अंतर्गत शाखा द्वारा आयोजित किए गए होलिका दहन, फागुन गीत धमाल और माँ लक्ष्मी तथा महाराजा श्री अग्रसेन जी की रथ यात्रा स्वागत और अन्य आयोजनों की जानकारी प्रस्तुत की। विजय कुंछल ने शाखा की, अक्षय अग्रवाल ने क्लिनिक की और सरला अग्रवाल ने महिला समिति के आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। सभा में उपस्थित अनिल गर्ग, डॉ दिलीप पंसारी और विजय जिंदल ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

नरसिंह मंदिर सुल्तान बाजार में अवतार उत्सव कल

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंह मंदिर कोठी सुल्तान बाजार में 11 मई को नरसिंह भगवान अवतार उत्सव मनाया जाएगा। उक्त जानकारी मंदिर के ट्रस्टी कमल नारायण अग्रवाल एवं गोविंद नारायण राठी ने प्रेस विज्ञप्ति में दी। मंदिर के पुजारी रमेश महाराज एवं सुमित राठी ने कहा कि इस दिन रात 11:15 बजे नरसिंह पुराण कथा मध्यान्ह 12:00 बजे भगवान का जन्मोत्सव भजन संध्या 5:30 बजे हरीश दायमा सुमित राठी एवं महेश जाजू द्वारा प्रस्तुत किए जाएंगे। गोविंद राठी, रमेश व्यास, जुगल तोतला, सुमित राठी, उमेश अग्रवाल, नवल व्यास ने मंदिर में होने वाले उत्सव की तैयारी का जायजा लिया और सभी भक्तों से उत्सव में भाग लेने की अपील की।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने मुख्य सचिव, तेलंगाना सरकार के. रामकृष्ण राव से मुलाकात की

स्थानीय निकाय चुनावों के लिए तैयार रहें बीआरएस कार्यकर्ता

केटीआर का पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं को निर्देश

खम्मम, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को कांग्रेस के कुशासन के खिलाफ लड़ने के लिए लोगों के साथ मिलकर काम करने और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीआरएस एकमात्र ऐसी पार्टी है जो तेलंगाना के लोगों के कल्याण और राज्य के विकास के लिए काम करती है। विधानसभा चुनावों के दौरान झूठे वादों के साथ सत्ता में आई कांग्रेस पार्टी ने राज्य को कई मोर्चों पर विफल कर दिया है।

रामाराव ने शुक्रवार को जिले के तलदा मंडल के मिट्टापल्ली में एक सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई केसीआर किट्स, कल्याण लक्ष्मी/शादी मुबारक, रैतु बंधु, आसरा पेंशन और अन्य कई कल्याणकारी योजनाओं को कांग्रेस सरकार ने रोक दिया है। उन्होंने गांव में बीआरएस नेता स्वर्गीय रायला शेषगिरी राव की प्रतिमा का अनावरण किया, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि खम्मम में तीन मंत्री होने के बावजूद उन्होंने जिले के विकास के लिए कुछ नहीं किया। किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है क्योंकि खरीद केंद्रों पर लाए गए धान की खरीद नहीं की जा रही है। उपमुख्यमंत्री विक्रमार्क ने सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर छह गारंटी देने का वादा करते हुए जनता को बांड पेपर दिए, लेकिन सब व्यर्थ गया।

रामाराव ने कहा कि सरकार जून या जुलाई में स्थानीय निकाय चुनाव कराने जा रही है। बीआरएस को चुनावों में अपनी ताकत दिखानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि भद्राचलम विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराने की संभावना है और पार्टी कार्यकर्ताओं को सीट जीतने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से साफ कहा था कि कांग्रेस पार्टी पर भरोसा मत करो। जो जनता बदलाव चाहती है, उसे देखना चाहिए कि कांग्रेस सरकार ने उनके जीवन में किस तरह का बदलाव लाया है।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी सबसे ज़्यादा दिवालिया मानसिकता वाले मुख्यमंत्री हैं। रामाराव ने कहा कि यह दुखद है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जनता से कह रहे हैं कि जब वे आर्थिक मदद मांगने दिल्ली गए तो उनके साथ चोरों जैसा व्यवहार किया गया। सांसद वड्डीराजू रविचंद्र, बीआरएस जिला अध्यक्ष टाटा मधुसूदन, पूर्व मंत्री वनमा वेंकटेश्वर राव और पुव्वाडा अजय कुमार, पूर्व विधायक एस वेंकट वीरैया, के उपेंद्र रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

खराब प्रतिक्रिया के बीच मई के अंत तक बढ़ाई जाएगी एलआरएस रियायत की समय-सीमा

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने लेआउट नियमितीकरण योजना (एलआरएस) शुल्क पर 25 प्रतिशत की छूट को एक बार फिर 31 मई तक बढ़ाने का फैसला किया है। यह निर्णय जनता की ठंडी प्रतिक्रिया और कार्यान्वयन में तकनीकी बाधाओं का सामना करने के बाद लिया गया। इस संबंध में आधिकारिक आदेश अगले कुछ दिनों में जारी होने की उम्मीद है। 2020 में शुरू की गई एलआरएस योजना के तहत 25.67 लाख आवेदन प्राप्त हुए। पिछली बीआरएस सरकार ने लगभग नौ लाख आवेदनों को मंजूरी दी थी, जबकि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद शेष आवेदनों पर विचार किया गया। हालांकि, 30 अप्रैल तक केवल 5.19 लाख आवेदकों ने ही भुगतान पूरा किया।

रियायत की समय-सीमा दो बार बढ़ाने के बावजूद (पहले 30 अप्रैल तक और फिर 3 मई तक) सरकार 20,000 करोड़ रुपये के अपने राजस्व लक्ष्य के मुकाबले केवल 1,863 करोड़ रुपये ही एकत्र कर सकी।

अब तक एलआरएस शुल्क का भुगतान करने वाले 40 प्रतिशत लोगों को कार्यवाही जारी की गई है। परिचालन चुनौतियों और कम भागीदारी का हवाला देते हुए, आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की कि जल्द ही एक बार फिर औपचारिक रूप से समय सीमा बढ़ाने के लिए नए आदेश जारी किए जाएंगे। इस कदम का उद्देश्य आवेदकों को अपने भूखंडों को नियमित करने के लिए एक और अवसर प्रदान करना है।

सरस्वती पुष्करम आने का दिया निमंत्रण

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। धर्मस्व विभाग के निदेशक वेंकट राव ने राज्य धर्मस्व विभाग की प्रधान सचिव शैलजा रामअय्यर को सरस्वती पुष्करम आने का निमंत्रण दिया। सरस्वती पुष्करम 15 मई से 26 मई तक आयोजित होगा। राज्य धर्मस्व विभाग की प्रधान सचिव शैलजा अय्यर को सरस्वती पुष्करम में भाग लेने के लिए निमंत्रण दिया। विभाग के निदेशक वेंकट राव ने शुक्रवार को सचिवालय में उनसे मुलाकात की और निमंत्रण सौंपा। तेलंगाना सरकार के तत्वावधान में इस महीने की 15 से 26 तारीख तक सरस्वती पुष्करम का आयोजन किया जाएगा।

जीवनदान के तहत ब्रेन डेड हेडमास्टर के अंग किए गए दान

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी के मलकाजगिरी के हनुमानपेट निवासी 64 वर्षीय सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक वी राम मोहन (जिन्हें डॉक्टरों की टीम ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया था) के परिवार के सदस्यों ने जीवनदान अंग दान पहल के तहत जरूरतमंद मरीजों को उनके अंग दान करने का फैसला किया है। 4 मई को राम मोहन को चक्कर आने की शिकायत हुई और वह अपने घर में गिर पड़ा। परिवार के लोग उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले गए, जहां उसका आपातकालीन उपचार किया गया लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। डॉक्टरों की टीम ने 8 मई को उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया।

पीड़ित की पत्नी विजया लक्ष्मी ने उनके अंग दान करने की सहमति दे दी। निजी अस्पताल के उपस्थित सर्जनों ने लीवर (01), किडनी (02) और कॉर्निया (02) कुल 5 अंग निकाले, जिन्हें अंग दान दिशानिर्देशों के आधार पर पांच जरूरतमंद मरीजों को आवंटित किया गया। जीवनदान तेलंगाना ने वी राम मोहन परिवार के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है, जिनके नेक फैसले ने लोगों की जान बचाई है और प्रेरणा दी है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि जीवनदान पहल ने अब तक इस साल 78 ब्रेन-डेड डोनेशन दर्ज करके एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है और आज 79वां डोनेशन था।

राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बम की अफवाह के बाद दहशत

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) और उसके आसपास के क्षेत्र में शुक्रवार को उस समय अफरातफरी मच गई जब हवाई अड्डे के अधिकारियों को बम की धमकी वाला एक मेल मिला। हवाईअड्डा प्राधिकारियों से सूचना मिलने के बाद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवान, स्थानीय पुलिस और बम निरोधक दस्ते हवाईअड्डे पर पहुंचे और विस्फोटक पदार्थ की मौजूदगी की जांच शुरू की।

जानकारी के अनुसार, प्रशासनिक विंग के अधिकारियों को आधिकारिक आईडी पर एक अज्ञात व्यक्ति से धमकी भरा ईमेल मिला था, जिसमें दावा किया गया था कि वह आतंकी स्लीपर सेल है। कॉल करने वाले ने किसी भी समय एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी दी और राज्य सरकार को सूचित करने की हिम्मत की। हवाई अड्डे के अधिकारियों, कर्मचारियों और आम जनता ने राहत की सांस ली जब पुलिस ने व्यापक जांच के बाद पुष्टि की कि वहां कोई बम नहीं है। आरजीआईए पुलिस सभी संभावित कोणों से जांच कर रही है। उन्हें संदेह है कि यह एक शरारती कृत्य है।

हैदराबाद पुलिस ने विश्वास बहाली और क्षेत्र पर नियंत्रण के लिए की गश्त

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने शुक्रवार को आसिफनगर डिवीजन में विभिन्न आवासीय कॉलोनियों में विश्वास निर्माण और क्षेत्र वर्चस्व के लिए पैदल गश्त की। यह पहल भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा स्थिति के मद्देनजर चल रहे विश्वास-निर्माण उपायों और क्षेत्र प्रभुत्व प्रयासों का हिस्सा थी। हैदराबाद पुलिस आयुक्त के निर्देशों के बाद, मेहदीपट्टनम और आसिफनगर पुलिस स्टेशनों के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) और सब-इंस्पेक्टर (एसआई) ने सशस्त्र रिजर्व (एआर) कर्मियों के साथ मिलकर मेराज 'एक्स' रोड से मल्लेपल्ली 'एक्स' रोड तक सभी संवेदनशील और प्रमुख स्थानों पर पैदल गश्त की।

संशोधित फसल नुकसान सूची से किसान सदमे में

सिद्दीपेट, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इस साल यासांगी सीजन के दौरान सिद्दीपेट के किसानों को बेमौसम बारिश का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन कृषि अधिकारियों द्वारा नुकसान के आकलन से उन्हें और भी परेशानी हो रही है। कृषि विभाग ने 10 अप्रैल को बारिश और ओलावृष्टि के कारण 9,150 एकड़ में फसल खराब होने की घोषणा की थी, लेकिन अब जब सरकार इनपुट सब्सिडी जारी करने की तैयारी कर रही है, तो उसने आंकड़ों में संशोधन करके इसे घटाकर 4,686 एकड़ कर दिया है।

मार्च, अप्रैल और मई के दौरान, जब फसलें कटाई के लिए तैयार थीं, जिले में छह बार बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाएं चलीं, जिससे कृषि अधिकारियों को छह बार फसल नुकसान की गणना करनी पड़ी। हालांकि, कृषि अधिकारियों ने 10 अप्रैल को 9,150 एकड़ में फसल नुकसान की घोषणा की, लेकिन यह आंकड़ा घटाकर 4,686 एकड़ कर दिया, जिससे किसान सदमे में हैं।

अधिकारियों ने कहा कि अगर फसल 33 प्रतिशत से ज़्यादा गिरी होगी तो वे फसल को बर्बाद मानेंगे। 21 मार्च, 3, 10 और 21 अप्रैल और 1 और 4 मई को जिले में बारिश हुई थी। हालांकि, उन्होंने पहली पांच घटनाओं में कुल मिलाकर सिर्फ़ 5,877 एकड़ फसल का नुकसान बताया है। फिर से, अधिकारियों ने घोषणा की कि प्रारंभिक गणना के बाद 4 मई को बारिश के कारण 9,368 एकड़ फसलें बर्बाद हुई हैं।

हालांकि, किसानों को डर है कि अधिकारी फिर से इस संख्या में संशोधन कर देंगे और उनके नाम लाभार्थी सूची से हटा देंगे। हालांकि, खरीद केंद्रों पर धान लेकर आए किसानों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी।

इस बीच, बीआरएस कृषि विभाग की विफलताओं को उजागर करने की तैयारी कर रहा है कि कैसे किसानों के नाम लाभार्थी सूची से बाहर करके उनके साथ धोखाधड़ी की जा रही है। बीआरएस इसे राज्य के खजाने पर बोझ कम करने के प्रयास के रूप में देख रहा है।

तैराकी का अभ्यास करते समय कुएं में डूब गए दो चरवाहे

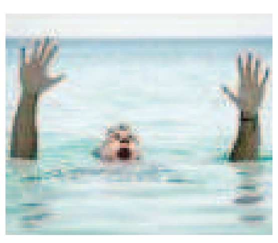

सूर्यापेट, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हुजूरनगर कस्बे के पास शुक्रवार को एक कुएं में दो चरवाहे डूब गए। पीड़ितों की पहचान नारायणपेट जिले के शेखर (14) और लक्ष्मण (21) के रूप में हुई है। वे हर साल गर्मियों के महीनों में अपनी भेड़ों को चराने के लिए इलाके में डेरा डाले हुए थे। रिपोर्ट के अनुसार, शेखर ने कुछ दिन पहले स्थानीय जल निकायों में तैरना सीखना शुरू किया था। अभ्यास जारी रखने के लिए वह आज फिर कुएं में उतरा। जैसे ही वह डूबता हुआ पाया गया, लक्ष्मण भी उसे बचाने के लिए कुएं में कूद गया। घबराहट में शेखर लक्ष्मण से लिपट गया, जिससे दोनों का तैरना मुश्किल हो गया। दुर्भाग्य से, इस प्रक्रिया में दोनों डूब गए। स्थानीय लोगों के अनुरोध पर एक बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचा और शवों को बाहर निकाला।

सिबिल स्कोर पर विचार करने के निर्णय से दिव्यांग हो जाएंगे अयोग्य

संगारेड्डी, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय विकलांग अधिकार मंच के तेलंगाना राज्य सचिव एम. अदावैया ने राजीव युवा विकासम योजना के तहत लाभार्थियों का चयन करते समय सिबिल स्कोर पर विचार करने के राज्य सरकार के फैसले की निंदा की। सरकार इस योजना के तहत राज्य भर में 5 लाख बेरोजगार युवाओं को 6,000 करोड़ रुपये का रियायती ऋण देना चाहती थी। सरकार को इन सब्सिडी वाले ऋणों की मांग करने वाले 16 लाख बेरोजगार लोगों से आवेदन प्राप्त हुए। हालांकि, अदावैया ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी का सिबिल स्कोर पर विचार करने संबंधी बयान, अधिकांश दिव्यांगों को लाभ के लिए अयोग्य बना देगा।

खराब अंकों से परेशान बी.टेक छात्र ने की आत्महत्या

जगतियाल, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अपने शैक्षणिक प्रदर्शन से परेशान बी.टेक छात्र कन्नवेनी संजना (18) ने जगतियाल में आत्महत्या कर ली। जगतियाल कस्बे के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की निवासी संजना हैदराबाद के एक निजी कॉलेज में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही है और बुधवार को घर आई थी। उसी दिन रात को जब परिवार के अन्य सदस्य सो रहे थे, उसने छत के पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली। परिजनों के अनुसार इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष में कम अंक आने के कारण संजना ने यह कदम उठाया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सरोजिनी क्रिकेट अकादमी औरंगाबाद क्रिकेट लीग में उपविजेता

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सरोजिनी क्रिकेट अकादमी (हैदराबाद) वाईएएस स्पोर्ट्स क्लब, कन्नड़, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित औरंगाबाद क्रिकेट लीग (अंडर-16 श्रेणी) के उद्घाटन संस्करण में उपविजेता रही। फाइनल में, एससीएफए विद्या वैली इंग्लिश स्कूल (वीवीईएस), जिंतूर से 23 रनों से हार गया। एससीएफए के जयदीप रमन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' तथा अनुज मिश्रा को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुना गया।

3.25 लाख की संख्या वाले अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ' में ट्रांसफर आदेश रोके गए, 'ऑपरेशन सिंदूर' है इसकी वजह

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की है। जम्मू कश्मीर और राजस्थान से लगते पाकिस्तान के बॉर्डर पर सीमा पार से हमला करने का प्रयास किया गया। भारतीय सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान के हमले को नाकाम कर दिया। सरकार की तरफ से कहा गया है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' आगे बढ़ सकता है। ऐसे में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की अतिरिक्त कंपनियों को जम्मू की तरफ रवाना किया गया है। देश के विभिन्न हिस्सों में सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा हो रही है। इसी के चलते 3.25 लाख की संख्या वाले देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ' में फिलहाल ट्रांसफर आदेशों को रोक दिया गया है। ऐसे अधिकारी और कर्मचारी, जो अभी रिलीव नहीं हुए हैं, उन्हें आगामी आदेशों तक अपने पहले वाले स्थान पर ही रहना है।

बता दें कि सीआरपीएफ में इस वक्त समर चेन ट्रांसफर होते हैं। विशेष स्थिति के दौरान भी तबादला किया जाता है। अब 'ऑपरेशन सिंदूर' के चलते ट्रांसफर पर रोक लगाई गई है। देश के मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य में यह निर्णय लिया गया है कि जो जिस स्टेशन पर भी तैनात है, उसे वहीं पर रखा जाए। पाकिस्तान के साथ जारी तनाव में किसी भी वक्त जवानों की मूवमेंट हो सकती है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच बीसीसीआई का बड़ा फैसला

> आईपीएल 2025 का सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच शुक्रवार को बड़ा फैसला लिया है। बीसीसीआई ने तनाव को देखते हुए आईपीएल 2025 का सत्र बीच में ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया है। इससे पहले, आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने गुरुवार रात बताया था कि मौजूदा स्थिति में आईपीएल का 18वां सत्र जारी रहेगा, लेकिन अब बोर्ड में इसे स्थगित करने का फैसला किया है। इससे पहले, धर्मशाला में दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया मुकाबला रद्द कर दिया गया था। फ्लड लाइट्स में खराबी के कारण मैच को रोका गया था और दर्शकों तथा खिलाड़ियों को मैदान से बाहर ले जाया गया था। बीसीसीआई ने बताया था कि धर्मशाला में तकीनी खामी के चलते मैच रद्द किया गया है। हालांकि, गुरुवार से ही आईपीएल 2025 को लेकर संशय चल रहा था।

पाकिस्तान के हमले को भारतीय सेना ने किया नाकाम

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ पाकिस्तान में चलाए गए भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने गुरुवार की रात भारत के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, जिसे भारतीय सेनाओं ने पूरी तरह नाकाम कर दिया। लड़ाकू विमानों, ड्रोन, रॉकेट व मिसाइलों के जरिए पाकिस्तान ने रात 8 से 10 बजे के बीच जम्मू, पठानकोट, फिरोजपुर, कपूरथला, जालंधर व जैसलमेर के सैन्य ठिकानों और आयुध केंद्रों पर हमले की कोशिश की थी। भारत ने जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के चार लड़ाकू विमान मार गिराए। इनमें अमेरिका निर्मित दो एफ-16 और चीन निर्मित दो जेएफ-17 हैं। जैसलमेर में गिराए एफ-16 और अखनूर में गिराए गए अन्य विमान के दो पायलटों को सैन्य बलों ने हिरासत में ले लिया। पाकिस्तान के दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देते हुए भारत ने पड़ोसी देश के लाहौर, इस्लामाबाद, पेशावर व सियालकोट समेत सात शहरों पर एकसाथ जवाबी कार्रवाई की थी। थल व वायुसेना के बाद नौसेना भी इसमें जुड़ गई।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की स्थिति पर थी नजर

इससे पहले, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भी बयान जारी कर कहा था कि वो भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव पर अपनी नजर रखे हुए है। ऑस्ट्रेलिया के कई खिलाड़ी आईपीएल 2025 में हिस्सा ले रहे थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी कर कहा था, हम पाकिस्तान और भारत की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई सरकार, पीसीबी, बीसीसीआई और स्थानीय सरकारी अधिकारियों से नियमित सलाह और अपडेट प्राप्त करना और क्षेत्र में मौजूद हमारे खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ संवाद बनाए रखना शामिल है।

दिहाड़ी मजदूर की बेटी सबीना ने तीन पदक जीते

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। सबीना कुमारी ने झारखंड के चतरा जिले में एक साधारण ट्रैक पर साइक्लिंग शुरू की , जो इनडोर वेलोड्रोम से दूर था। शुक्रवार को, एक दिहाड़ी मजदूर और एक गृहिणी की 18 वर्षीय बेटी ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स में अपने पदार्पण में साइक्लिंग में तीन पदक जीते। सबीना ने लड़कियों की केरिन और टीम स्प्रिंट स्पर्धाओं में क्रमशः स्वर्ण पदक जीते, साथ ही 200 मीटर स्प्रिंट में कांस्य पदक जीता। नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की प्रशिक्षु ने साई मीडिया को बताया, यह मेरा पहला खेलो इंडिया यूथ गेम्स है और मैं अपने प्रदर्शन और तीन पदकों से बहुत खुश हूं। उनमें से, व्यक्तिगत केरिन मेरा सर्वश्रेष्ठ था।

सबीना की कहानी शांत दृढ़ संकल्प, फोकस और कड़ी मेहनत की कहानी है। 18 वर्षीय खेलो इंडिया एथलीट ने कहा, "मैंने हमेशा ध्यान केंद्रित किया है और कड़ी मेहनत की है। ग्रामीण इलाकों में कई लड़कियां हैं जो जीवन में कुछ करना चाहती हैं, लेकिन उन्हें अवसर नहीं मिल पाता। मैं उनसे कहना चाहती हूं कि वे कड़ी मेहनत करें। जो आप चाहते हैं, उसका पीछा करें, चाहे वह खेल हो या कुछ और।" सबीना का खेलों में प्रवेश संयोग से हुआ।सबीना ने कहा, "मुझे तब खेलों के बारे में भी नहीं पता था।

रोहित शर्मा की देशवासियों से अपील

फर्जी खबरों से बचें, जिम्मेदार नागरिक बनें

नई दिल्ली । भारतीय वनडे क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एक महत्वपूर्ण संदेश साझा करते हुए देशवासियों से एकजुटता और जिम्मेदारी की अपील की।

यह संदेश ऐसे समय में आया है, जब भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत 7 मई को पाकिस्तान और पाक-अधिकृत कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों पर सफल कार्रवाई की। इसके बाद पाकिस्तान ने भी भारत पर ड्रोन और मिसाइल से हमले किए, जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया। इस ऑपरेशन को 26 भारतीय नागरिकों की हत्या के जवाब में अंजाम दिया गया। दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने से अफवाहों का दौर भी शुरू हो गया है। रोहित शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए अपने संदेश में भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना की बहादुरी की सराहना की, जो देश की सुरक्षा के लिए अडिग खड़े हैं।

उन्होंने लिखा, हर पल, हर फैसले के साथ मुझे हमारी थलसेना, वायुसेना और जलसेना पर गर्व है। हमारे योद्धा अपने देश के गर्व के लिए मजबूती से खड़े हैं। देश के हर नागरिक को जिम्मेदार बनना होगा और फर्जी खबरों से बचना होगा। सुरक्षित रहें! इसके बाद रोहित ने जयहिंद और ऑपरेशन सिंदूर के हैशटैग भी पोस्ट में लगाए। रोहित का यह बयान तब आया जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत में सुरक्षा अलर्ट बढ़ा दिया गया। हवाई अड्डों पर सतर्कता, सायरन और ब्लैकआउट की स्थिति बनी हुई है। पाकिस्तान की उकसाहट जारी रही, तो भारतीय सेना भी इसका करारा जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है।

रोहित शर्मा इस समय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का हिस्सा हैं। वह मुंबई इंडियंस टीम की ओर से खेल रहे हैं। पांच बार की चैंपियन एमआई की टीम ने सीजन में शुरुआती लड़खड़ाहट के बाद लगातार छह जीत दर्ज करके अंक तालिका में फिलहाल चौथा स्थान बनाया हुआ है। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव भरे हालातों को देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से आईपीएल 2025 को स्थगित कर दिया गया है। गुरुवार को धर्मशाला में खेले जा रहे पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच का मैच भी 10.1 ओवर के बाद ही रद्द कर दिया गया। इसके बाद सभी खिलाड़ियों, स्टाफ, मैच अधिकारियों, कमेंटेटरों, प्रसारण दल और अन्य जरूरी लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए एक विशेष ट्रेन की व्यवस्था की गई थी।

गिल टेस्ट कप्तान की रेस में सबसे आगे

रोहित ने बुधवार को संन्यास लिया था; सिलेक्शन कमेटी चाहती है युवा कप्तान

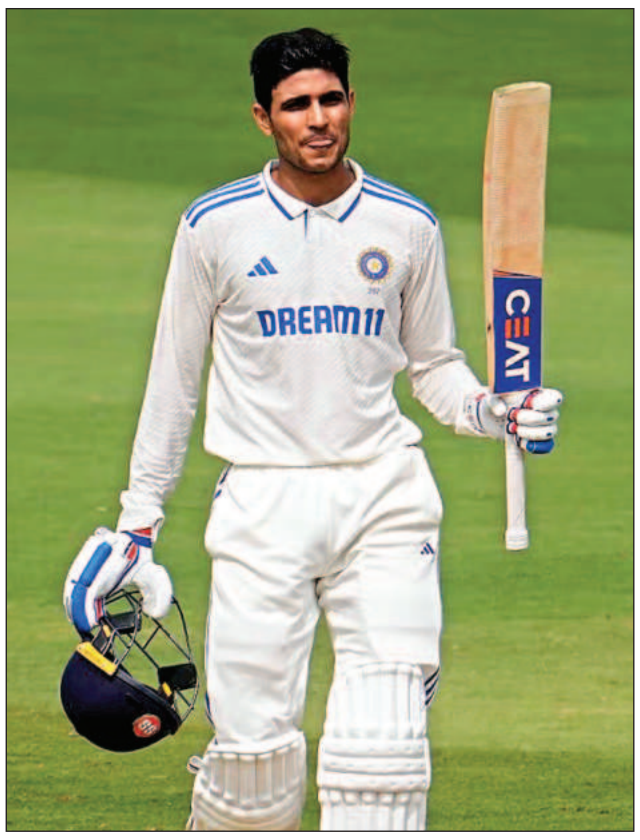

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद शुभमन गिल का नाम टेस्ट कप्तान के लिए सबसे आगे चल रहा है। रोहित ने सोशल मीडिया पर टेस्ट से संन्यास की घोषणा की थी। आईपीएल खत्म होने के बाद टीम इंडिया को इंग्लैंड दौरे पर जाना है। भारत का इंग्लैंड दौरा 20 जून से शुरू हो रहा है। पांच टेस्ट मैचों की सीरीज की शुरुआत हेडिंग्ले से होगी। क्रिकेट वेबसाइट क्रिक इंफो की रिपोर्ट के मुताबिक गिल का कप्तान बनना तय है। सिलेक्शन कमेटी की इस महीने के आखिर में मीटिंग है। उसमें गिल के नाम पर आखिरी फैसला लिया जा सकता है।

बुमराह का फिटनेस की वजह से सभी टेस्ट मुकाबले खेलना मुश्किल

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट टीम के लिए जसप्रीत बुमराह को टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था। रोहित के दो टेस्ट में नहीं खेलने पर उन्होंने टीम की अगुआई की थी। बुमराह की दावेदारी में उनकी फिटनेस बाधा बन रही है।

ऐसा माना जा रहा है कि बुमराह 2025-2027 के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के साइकल में कुछ टेस्ट खेलने से चूक सकते हैं। बुमराह पीठ के दर्द से परेशान हैं। उनकी पीठ की सर्जरी भी हो चुकी है। वह पीठ की दर्द की वजह से चैंपियंस ट्रॉफी में भी नहीं खेल सके थे। ।

सिलेक्शन कमेटी भविष्य को ध्यान में रखकर कप्तान चुनना चाहती है

शुभमन गिल 25 साल के हैं। अजीत अगरकर की अगुआई वाली सिलेक्शन कमेटी भविष्य को ध्यान में रख कर कप्तान चुनना चाहती है। टीम इंडिया की 2025-2027 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत इंग्लैंड सीरीज से शुरू होगी।

गिल टी-20 में कर चुके हैं टीम इंडिया की कप्तानी

गिल ने कभी टेस्ट मैचों या वनडे में कप्तानी नहीं की है, लेकिन उन्होंने पांच टी 20 मैचों में टीम का नेतृत्व किया है। उन्होंने 2024 के मध्य में जिम्बाब्वे के दौरे पर खेले गए सभी मैचों में टीम की कप्तानी की। 5 टी-20 मैचों की सीरीज को टीम इंडिया ने 4-1 से जीत लिया था। हालांकि, उस टीम में टी-20 वर्ल्ड कप जीत चुके अधिकांश खिलाड़ी उस दौरे में शामिल नहीं किए गए थे। वहीं, वह अभी वर्तमान में टी-20 और वनडे में टीम इंडिया के उप कप्तान हैं।

गुजरात टाइटंस के दो साल से कप्तान

गिल पिछले दो सीजन से आईपीएल में गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान हैं। 2024 में गुजरात टीम कुछ खास नहीं कर पाई और पॉइंट टेबल में 8वें स्थान पर थी। वहीं, आईपीएल के इस सीजन में गुजरात प्ले ऑफ में पहुंचने की प्रमुख दावेदारों में शामिल है। गुजरात पॉइंट टेबल में नंबर वन पर काबिज है। 11 मैच के बाद उसके 16 पॉइंट हैं। उसे 8 मैचों में जीत और 3 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

एक महीने में ही यशस्वी जायसवाल का यू टर्न

> गोवा के लिए नहीं खेलना चाहता युवा ओपनर

मुंबई, 9 मई (एजेंसियां)। युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने मुंबई को छोड़कर गोवा के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने का फैसला किया था। आईपीएल 2025 के बीच ही उन्होंने यह फैसला लिया था। अप्रैल में जायसवाल ने गोवा जाने के लिए एनओसी मांगकर मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों को चौंका दिया था। उन्होंने इसके पीछे व्यक्तिगत कारण बताए थे। गोवा रणजी ट्रॉफी के नॉक-आउट चरण के लिए क्वालीफाई कर चुका है।

यशस्वी ने एनओसी वापसी लिया

यशस्वी जायसवाल अब गोवा के लिए नहीं खेलना चाहते। वह मुंबई के लिए ही खेलना जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने एमसीए से एनओसी वापस लेने का फैसला किया है। पारिवारिक योजनाओं में बदलाव के कारण उन्होंने यह निर्णय लिया है। 23 वर्षीय जायसवाल अब अगले घरेलू सत्र में मुंबई का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपलब्ध हैं। हालांकि अभी तक एमसीए ने अभी तक अपना फैसला नहीं लिया है। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भारत के लिए खेलते हुए टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत की है। उन्होंने पिछले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक शतक और दो अर्धशतक बनाए थे। उन्होंने कहा कि गोवा ने उन्हें नेतृत्व की भूमिका की पेशकश की थी, जिसके कारण उन्होंने यह बदलाव करने का फैसला किया था।

यशस्वी ने एमसीए को ईमेल किया

इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार यशस्वी जायसवाल ने एमसीए को लिखे ईमेल में कहा, 'मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि मुझे दिए गए एनओसी को वापस लेने के मेरे अनुरोध पर विचार करें। मेरी कुछ पारिवारिक योजनाएं गोवा में स्थानांतरित होने की थीं, जो फिलहाल टल गई हैं। इसलिए मैं एमसीए से अनुरोध करता हूं कि मुझे इस सत्र में मुंबई के लिए खेलने की अनुमति दें। मैंने एनओसी को बीसीसीआई और गोवा क्रिकेट एसोसिएशन को नहीं सौंपा है।' जायसवाल 11 साल की उम्र में क्रिकेट खेलने के लिए उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के सुरियावां गांव से मुंबई चले गए थे।

उन्होंने अंडर-19 के दिनों से ही भारत का प्रतिनिधित्व किया है। कुछ साल पहले विजय हजारे ट्रॉफी में दोहरा शतक बनाकर वह सुर्खियों में आए थे। मुंबई के लिए किए गए प्रदर्शन के कारण ही उन्हें राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की नजरों में आए और आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के साथ अनुबंध मिला। 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान, उन्होंने पांच टेस्ट मैचों में 43.44 की औसत से 391 रन बनाए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था।

धर्मशाला में मैच रद्द होने के बाद वंदे भारत ट्रेन से दिल्ली भेजे गए खिलाड़ी

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों को धर्मशाला से दिल्ली भेजने के लिए विशेष व्यवस्था की। बीसीसीआई ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों के साथ ही ब्रॉडकास्ट की पूरी टीम को वंदे भारत ट्रेन से दिल्ली रवाना किया। दिल्ली और पंजाब के बीच आईपीएल 2025 का मुकाबला रद्द कर दिया गया था। मैच को रद्द कराने का फैसला भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच लिया गया। हालांकि, बोर्ड ने बताया था कि धर्मशाला में तकनीकी खामी के चलते मैच नहीं हो सका। खिलाड़ियों और स्टाफ को वंदे भारत से भेजे जाने का यह निर्णय मौजूदा स्थिति और दोनों टीमों के बीच आईपीएल 2025 के मुकाबले को अचानक रद्द करने के बाद उत्पन्न लॉजिस्टिक्स चुनौतियों के मद्देनजर लिया गया। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, बीसीसीआई सूत्रों ने बताया कि करीब 300 लोग जिसमें खिलाड़ी, सहायक स्टाफ और ब्रॉडकास्टिंग टीम के सदस्य शामिल थे, उन्हें इस हाई स्पीड ट्रेन से रवाना किया गया। पंजाब किंग्स ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। बारिश के कारण मैच निर्धारित समय से देरी से शुरू हुआ था।

भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों को घर भेजने के बारे में सलाह का इंतजार कर रही हैं फ्रेंचाइजी

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2025 सीजन को तत्काल प्रभाव से अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने के बाद, सभी दस फ्रेंचाइजी अब इस बारे में आगे की सलाह का इंतजार कर रही हैं कि वे भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों के साथ-साथ सहयोगी स्टाफ और अन्य क्रू सदस्यों को शुक्रवार शाम को विदेश मंत्रालय (एमईए) द्वारा ब्रीफिंग के बाद कैसे अपने-अपने घरों को वापस भेजना शुरू कर सकती हैं। "हां, आईपीएल फ्रेंचाइजी को अब बीसीसीआई द्वारा आईपीएल 2025 को तत्काल प्रभाव से अनिश्चित काल के लिए निलंबित करने की सूचना दी गई है। जो फ्रेंचाइजी अपने-अपने ठिकानों पर हैं, वे अब तीन से चार घंटे तक वहीं रहेंगी।" सूत्रों ने कहा, "फ्रेंचाइजी अब शुक्रवार शाम को विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग के बाद आगे की सलाह का इंतजार कर रही हैं कि वे भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों के साथ-साथ सहयोगी स्टाफ और अन्य क्रू सदस्यों को अपने-अपने घरों को वापस कैसे भेज सकती हैं।" आईपीएल 2025 को तत्काल प्रभाव से अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने का निर्णय भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पार तनाव के कारण लिया गया, खासकर पाकिस्तान की ओर से हवाई और ड्रोन हमलों के बाद गुरुवार शाम को जम्मू, पठानकोट और उधमपुर में ब्लैकआउट हो गया, ये सभी धर्मशाला के करीब हैं।

इसके परिणामस्वरूप पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच एचपीसीए स्टेडियम में मैच पहली पारी के आधे समय के बाद रद्द कर दिया गया। धर्मशाला और अन्य उत्तर भारतीय शहरों में हवाई अड्डे बंद होने के कारण, दोनों टीमों के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों के साथ-साथ मैच अधिकारियों, कमेंटेटरों, प्रसारण दल के सदस्यों और आईपीएल से जुड़े अन्य प्रमुख कर्मियों को शुक्रवार सुबह टूर्नामेंट द्वारा एक विशेष ट्रेन से धर्मशाला से निकाला गया और उनके नई दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। आईएएनएस को यह भी पता चला है कि आईपीएल में भाग लेने वाला ऑस्ट्रेलियाई दल, जिसमें खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ दोनों शामिल हैं, शनिवार सुबह से ही भारत से उड़ान भर सकता है, खासकर यह देखते हुए कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) और क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) दोनों ने अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा और भलाई के संबंध में बयान जारी किए हैं।

इस सीजन हो चुके थे 58 मुकाबले, फाइनल सहित 16 मैच थे शेष

स्थगित होने तक ऐसा रहा अंक तालिका का हाल

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 का सीजन अपने आखिरी चरण में चल रहा था। इस सीजन अब तक कुल 58 मुकाबले खेले जा चुके थे जिसमें पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच रद्द हुआ मैच भी शामिल है। आईपीएल के 18वें सीजन में फाइनल सहित अब कुल 16 मुकाबले शेष थे।

भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव को देखते हुए आईपीएल 2025 सीजन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ पाकिस्तान में चलाए गए भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने गुरुवार की रात भारत के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, जिसे भारतीय सेनाओं ने पूरी तरह नाकाम कर दिया था। दोनों देशों के बीच तनाव को देखते हुए आईपीएल का जारी रहना संशय में दिख रहा था और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आखिरकार इसे स्थगित करने का फैसला लिया।

क्यों लिया गया फैसला?

आईपीएल 2025 सीजन को स्थगित करने का फैसला भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए लिया गया। आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने गुरुवार रात बताया था कि मौजूदा स्थिति में आईपीएल का 18वां सत्र जारी रहेगा, लेकिन स्थिति को गंभीरता को देखते हुए अब बीसीसीआई ने इसे स्थगित करने का फैसला किया है। मालूम हो कि लड़ाकू विमानों, ड्रोन, रॉकेट व मिसाइलों के जरिए पाकिस्तान ने गुरुवार रात 8 से 10 बजे के बीच जम्मू, पठानकोट, फिरोजपुर, कपूरथला, जालंधर व जैसलमेर के सैन्य ठिकानों और आयुध केंद्रों पर हमले की कोशिश की थी। भारत ने जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के चार लड़ाकू विमान मार गिराए।

22 मार्च से हुआ था आगाज

आईपीएल 2025 सीजन का आगाज 22 मार्च को गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच कोलकाता के ईडेन गार्डेंस में हुए मुकाबले से हुआ था। सीजन की शुरुआत शानदार रंगारंग कार्यक्रम से हुई थी जिसमें बॉलीवुड की प्रसिद्ध गायिका श्रेया घोषाल, अभिनेत्री दिशा पाटनी ने प्रस्तुति दी थी। 10 टीमों के बीच 13 स्थानों पर 65 दिनों में कुल 74 मैच खेले जाने थे, इनमें नॉकआउट राउंड भी शामिल है।

आखिरी चरण में चल रहा था सीजन

आईपीएल 2025 का सीजन अपने आखिरी चरण में चल रहा था। इस सीजन अब तक कुल 58 मुकाबले खेले जा चुके थे जिसमें पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच गुरुवार को रद्द हुआ मैच भी शामिल है। आईपीएल के 18वें सीजन में फाइनल सहित अब कुल 16 मुकाबले शेष थे।

ग्रुप चरण का अंतिम मैच 18 मई को होना था। इस दिन सीजन का आखिरी डबल हेडर भी था। दोपहर में लखनऊ सुपर जाएंट्स का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से लखनऊ में होना था, जबकि शाम को गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच अहमदाबाद में होने वाले मैच से ग्रुप चरण समाप्त हो रहा था। 20 मई से प्लेऑफ चरण की शुरुआत होनी थी और 25 मई को ईडेन गार्डेंस पर खिताबी मुकाबला खेला जाना था।

हैदराबाद-कोलकाता में होने थे प्लेऑफ

लीग चरण के खत्म होने के बाद, प्लेऑफ के मुकाबले हैदराबाद और कोलकाता में खेले जाने थे। हैदराबाद को 20 मई और 21 मई को क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर की मेजबानी करनी थी।

इसके बाद कोलकाता को 23 मई को क्वालिफायर 2 की और 25 मई को फाइनल की मेजबानी करनी थी। आईपीएल का पिछला सीजन बेहद रोमांचक रहा था। तब कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई के चेपॉक में खेले गए फाइनल मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को आठ विकेट से हराकर खिताब जीता था।

तालिका में शीर्ष पर गुजरात

आईपीएल 2025 सीजन स्थगित होने तक गुजरात टाइटंस की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर थी। गुजरात 11 मैचों में आठ जीत और तीन हार के साथ 16 अंक लेकर पहले स्थान पर थी। दूसरे नंबर पर आरसीबी की टीम थी जिसके इतने ही मैचों में गुजरात के समान अंक है। तीसरे स्थान पर पंजाब थी, जबकि चौथे पर मुंबई इंडियंस थी। सीएसके, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी थी, जबकि दिल्ली कैपिटल्स, केकेआर और लखनऊ सुपर जाएंट्स की उम्मीदें अभी भी बची हुई थी।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने ग्रेहाउंड कांस्टेबल वडला श्रीधर के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सरकारी सलाहकार शब्बीर अली, सांसद सुरेश शेतकर और विधायक मदन मोहन राव ने कामारेड्डी जिले के मचरेड्डी मंडल के पलवंचा निवासी ग्रेहाउंड कांस्टेबल वडला श्रीधर के पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी कल मुलुगु जिले के कर्रेगुट्टा में माओवादियों द्वारा लगाए गए बारूदी सुरंग विस्फोट में मृत्यु हो गई थी। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने ग्रेहाउंड कांस्टेबल वडला श्रीधर के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने श्रीधर के परिवार को आश्वासन दिया कि सरकार से उन्हें जो भी मिलना चाहिए, वह सब प्रदान किया जाएगा। पुलिस ने ग्रेहाउंड्स कांस्टेबल वडला श्रीधर को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर, एसपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि कामारेड्डी जिले के माचारेड्डी मंडल के पलवंचा गांव के 2020 बैच के कांस्टेबल वडला श्रीधर ड्यूटी के दौरान मुलुगु जिले के कर्रेगुट्टालो में शहीद हो गए। सरकार उनकी आत्मा की शांति की कामना करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि देने यहां आई है। उन्होंने कहा कि हम परिवार के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करते हैं तथा उन्हें मजबूत बने रहने में मदद करने के लिए सरकार के साथ खड़े हैं। वडला श्रीधर अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अनुशासन के साथ काम करते हुए वहां हुई लड़ाई में शहीद हो गए। मुख्यमंत्री के आदेश पर सरकार की ओर से मैं, सरकारी सलाहकार शब्बीर अली, सांसद सुरेश शेतकर और विधायक मदन मोहन राव आए हैं। हम उस परिवार के साथ खड़े रहेंगे।

ऐसी घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों और माओवादियों द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वाला कोई भी व्यक्ति हिंसा को स्वीकार नहीं करेगा। कांग्रेस सरकार हिंसा के खिलाफ है। माओवादियों ने भी शांतिपूर्ण वार्ता की घोषणा की। जान-माल की हानि को रोकने के लिए शांति और सुरक्षा बनाए रखी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री और तेलंगाना सरकार की ओर से हम अनुरोध करते हैं कि शांति बनी रहे। पूर्व मंत्री जना रेड्डी और केशव राव के साथ केंद्र सरकार से बातचीत करने की कोशिश की जा रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह घटना घटी है।

वडला श्रीधर का निधन दुखद, सरकार उनके परिवार के साथ खड़ी रहेगी। शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को 2.17 करोड़ रुपये मुआवजा, 900 गज जमीन और सरकारी नौकरी देने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने राज्य में शांति सुनिश्चित करने के लिए इस मुद्दे पर भी चर्चा की।

मंत्री और सीपी ने शहीद जवान को पुष्पांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्त ने मेडचल निर्वाचन क्षेत्र के घटकेसर के मूल निवासी राचकोंडा एआर जवान टिक्का संदीप के पार्थिव शरीर का दर्शन किया, जो नक्सली गोलीबारी में वीरतापूर्वक मारे गए थे। सीपी के साथ, राज्य के आईटी, उद्योग, वाणिज्य और विधायी मामलों के मंत्री और जिला प्रभारी मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू, टीपीसीसी उपाध्यक्ष मेडचल निर्वाचन क्षेत्र कांग्रेस प्रभारी थोटाकुरा वज्रेश यादव, पूर्व विधायक मल्लीपेड्डी सुधीर रेड्डी और डीसीसी अध्यक्ष सिंगीरेड्डी हरिवर्धन रेड्डी ने राचकोंडा एआर जवान टिक्का संदीप के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की और परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। बाद में, राचकोंडा के पुलिस आयुक्त ने उप्पल के पूर्व विधायक बंडारू राजीरेड्डी के पार्थिव शरीर के दर्शन भी किए और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

12 से 18 मई तक अन्नामाचार्य की 617वीं जयंती समारोह

तिरुपति, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संत कवि तल्लापका अन्नामाचार्य की 617वीं जयंती समारोह टीटीडी द्वारा 12 से 18 मई तक भव्य तरीके से मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम उनके जन्मस्थान तल्लापका में ध्यान मंदिरम और 108 फीट ऊंची प्रतिमा के पास और तिरुपति में अन्नामाचार्य कलामंदिरम में भी आयोजित किए जाएंगे। तल्लापका में 12 मई को सुबह 10:30 बजे ध्यान मंदिरम के सामने श्रीनिवास कल्याणम का प्रदर्शन किया जाएगा। 12 से 14 मई तक शाम 6 बजे से 8 बजे तक अन्नामाचार्य की 108 फीट ऊंची प्रतिमा के पास भक्ति संगीत और नृत्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। तिरुपति में अन्नामाचार्य कलामंदिरम में 13 से 17 मई तक सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक साहित्यिक संगोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। 12 से 18 मई तक सुबह और शाम को प्रख्यात कलाकारों द्वारा संगीत और नृत्य प्रस्तुतियों सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ये कार्यक्रम टीटीडी के अन्नामाचार्य प्रोजेक्ट के तत्वावधान में भक्ति संगीत और साहित्य के प्रति संत-कवि के अपार योगदान के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे हैं।

पीड़ित मरीज की किडनी ट्यूमर हटाने की रोबोटिक सर्जरी

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (एआईजी) के मूत्र रोग विशेषज्ञों ने शुक्रवार को क्रोनिक लिवर रोग (सीएलडी) से पीड़ित 45 वर्षीय महिला पर सफल रोबोटिक आंशिक नेफरेक्टोमी की घोषणा की, जिसमें संपूर्ण किडनी निकालने के बजाय ट्यूमर युक्त किडनी के एक हिस्से को निकाला गया। मरीज को दाएं हिस्से में दर्द, लगातार थकान और सामान्य कमजोरी की शिकायत के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एआईजी हॉस्पिटल्स के यूरोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांटेशन के निदेशक और प्रमुख डॉ. बिपिन चंद्र पाल ने बताया कि जांच में दाएं गुर्दे में कैंसर का ट्यूमर पाया गया। उन्होंने सर्जरी का नेतृत्व किया।

डॉ. बिपिन चंद्र ने कहा, यह पहली बार था कि दो तेलुगु भाषी राज्यों में इस तरह की प्रक्रिया सफलतापूर्वक की गई थी। एसिटिक द्रव, नाजुक यकृत और आसपास की आंतों की संरचनाओं के लिए जोखिम के कारण पारंपरिक उदर लेप्रोस्कोपिक या रोबोटिक मार्ग को खारिज कर दिया गया था। हालांकि, रेट्रोपेरिटोनियल दृष्टिकोण में, हम मुख्य उदर गुहा में प्रवेश किए बिना, शरीर के किनारे से गुर्दे तक पहुंचते हैं। उन्नत रोबोटिक प्रणालियों का उपयोग करते हुए, हमने इस सीमित क्षेत्र में सावधानीपूर्वक ऑपरेशन किया और आस-पास के अंगों की रक्षा करते हुए ट्यूमर को सफलतापूर्वक हटा दिया। सर्जरी के बाद मरीज को बहुत कम दर्द हुआ, कोई जटिलता नहीं हुई और 48 घंटों के भीतर उसे छुट्टी दे दी गई। हेपेटोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. मिथुन शर्मा ने बताया कि गुर्दे की कार्यप्रणाली सुरक्षित रही और पैथोलॉजी ने ट्यूमर को पूरी तरह से हटाने की पुष्टि की।

राज्य के वित्त पर रेवंत रेड्डी की टिप्पणी से तेलंगाना कांग्रेस में मतभेद

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की वित्तीय संकट के बारे में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की बार-बार की गई टिप्पणियों ने न केवल विभिन्न हलकों से आलोचना को जन्म दिया है, बल्कि तेलंगाना कांग्रेस के भीतर आंतरिक असंतोष को भी जन्म दिया है। कुछ कैबिनेट मंत्रियों को छोड़कर, जिन्होंने मुख्यमंत्री के बयानों का बचाव करने का असफल प्रयास किया, अधिकांश कांग्रेस नेता उनकी टिप्पणियों से खुद को दूर रख रहे हैं। हालांकि इस बात पर आम सहमति है कि राज्य की वित्तीय स्थिति खराब है, लेकिन पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि स्थिति उतनी गंभीर नहीं है, जितनी बताई जा रही है। गांधी भवन के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि कर्मचारी यूनियनों को मनाने के लिए उन्होंने कुछ पहलुओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया।

नेता ने कहा कि कर्मचारी यूनियनों पर भावनात्मक दबाव बनाने की कोशिश में मुख्यमंत्री अत्यधिक भावुक हो गए। बैंकों द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों को चोर समझने जैसे बयान अनुचित हैं। जब उनसे पूछा गया कि पार्टी हाईकमान इस पर क्या प्रतिक्रिया दे सकता है, तो वरिष्ठ नेता ने कहा कि एआईसीसी निजी तौर पर इस टिप्पणी पर अपनी असहमति व्यक्त कर सकती है। नेता ने कहा कि हाईकमान तेलंगाना की जाति जनगणना की सराहना कर रहा है और केंद्र को इसका अनुकरण करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। ऐसे समय में, राज्य के वित्त पर इस तरह के बयान एआईसीसी को शर्मिंदा कर सकते हैं। सूत्रों ने संकेत दिया कि मुख्यमंत्री की हताशा स्पष्ट रूप से दिख रही है। पार्टी के भीतर असंतोष के अलावा, वरिष्ठ नौकरशाह, विशेष रूप से आईएएस अधिकारी कथित तौर पर उनके निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं - एक तथ्य जिसे उन्होंने खुद कई मौकों पर स्वीकार किया है।

हाल ही में मुख्यमंत्री कार्यालय में हुए फेरबदल और प्रमुख विभागों में वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के स्थानांतरण भी प्रशासनिक टकराव की ओर इशारा करते हैं। मुख्यमंत्री ने इससे पहले विधायकों और अन्य जन प्रतिनिधियों को 16 अप्रैल से 2 जून तक व्यापक जमीनी स्तर पर संपर्क अभियान चलाने का निर्देश दिया था, जिसका उद्देश्य कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों का प्रचार करना था। कांग्रेस विधायक दल की बैठक में उन्होंने 1 मई से जिलों का दौरा शुरू करने की योजना की भी घोषणा की। हालांकि, केवल कुछ विधायकों ने ही इसका पालन किया। हालांकि भीषण गर्मी एक कारक है, लेकिन कई विधायकों को कथित तौर पर अधूरे चुनावी वादों के लिए जनता की नाराजगी का डर है।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन को नया वित्तीय झटका

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन एक बार फिर गलत कारणों से खबरों में है। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के वित्त पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है, पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश और अब एचसीए के अतिरिक्त प्रभार के नैतिक अधिकारी और लोकपाल ने 7 मई, 2025 को एचसीए को आम सभा के प्रस्ताव (दिनांक 13-9-2015) को लागू करने और 2017-18 से प्रत्येक निजी क्लब को प्रति वर्ष 3 लाख रुपये का विकास शुल्क देने का निर्देश दिया है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि लोकपाल ने निर्देश दिया कि भुगतान यथाशीघ्र आठ सप्ताह की अवधि के भीतर किया जाए। यह याचिकाकर्ता एचसीए से संबद्ध क्लब महमूद क्रिकेट क्लब के सचिव इमरान महमूद द्वारा बताए गए उस कथन के जवाब में था कि 13-9-2015 को एजीएम में, क्रिकेट विकास निधि के रूप में सभी संबद्ध क्लबों को वर्ष 2014-15 के लिए 4 लाख रुपये का भुगतान करने का संकल्प लिया गया था।

यह भी निर्णय लिया गया कि आम सभा इस भुगतान को अनुमोदित कर सकती है तथा सम्बद्ध क्लबों को 4 लाख रुपये का भुगतान स्वीकृत कर सकती है। इमरान महमूद ने बताया कि एचसीए ने प्रस्तावों पर कोई विवाद नहीं किया है और इसलिए 2017-18 से प्रति वर्ष 3 लाख रुपये का भुगतान न करने का कोई कारण नहीं है।

लोकपाल ने आदेश में कहा कि तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए एचसीए को 13 सितम्बर, 2015 के वार्षिक आम बैठक के प्रस्ताव को लागू करने का निर्देश दिया जाता है। यह लोकपाल तेलंगाना उच्च न्यायालय के हाल के आदेश के मद्देनजर आया है, जिसमें क्रिकेट संचालन और खेल विकास (एचसीए) के सलाहकार के रूप में पूर्व भारतीय स्टार बीके वेंकटेश प्रसाद की नियुक्ति सहित महत्वपूर्ण नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया है।

उच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि एचसीए सार्वजनिक कार्यों का निर्वहन कर रहा है और दैनिक प्रशासन में सार्वजनिक धन का उपयोग किया जाता है, इसलिए वेंकटेश प्रसाद, हैदराबाद रणजी कोच विनीत सक्सेना और अन्य के मानदेय के लिए भुगतान की गई राशि एचसीए अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष और सीईओ से और उनके व्यक्तिगत खातों से वसूल की जाएगी।

"मेरा जीएचएमसी" ऐप शहर के लोगों की ज़रूरतों को पूरा करेगा

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए "मेरा जीएचएमसी ऐप" का उपयोग समस्याओं को हल करने और आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने के लिए किया जा सकता है। इस ऐप के माध्यम से सफाई, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य, स्ट्रीट लाइट, सड़क, नाली सफाई और रोड स्वीपिंग से संबंधित शिकायतें फोटोग्राफ और जियो-लोकेशन के माध्यम से प्रस्तुत की जा सकेंगी और समाधान के लिए सीधे संबंधित अधिकारी को भेज दी जाएंगी। वे फीडबैक प्रस्तुत कर सकते हैं और साथ ही यह भी देख सकते हैं कि उनकी समस्या का समाधान हुआ है या नहीं। अधिक से अधिक लोगों को भी सेवाएं मिल सकेंगी। ट्रेड लाइसेंस, संपत्ति कर और निर्माण अपशिष्ट हटाने के लिए वाहन बुकिंग एक क्लिक से की जा सकती है। यह ऐप आपको क्रेडिट, डेबिट कार्ड और यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने की अनुमति देता है। इनके साथ ही, आप जीएचएमसी कार्यालयों का स्थान, मौसम अलर्ट और कई अन्य आवश्यक सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने आग्रह किया कि इस ऐप को अधिकाधिक जनता की सुविधा के लिए अधिक उपयोगकर्ता अनुकूल बनाया जाए, ताकि लोग इसका उपयोग कर सकें और सेवाओं के साथ-साथ अपनी व्यक्तिगत और सामाजिक समस्याओं का समाधान भी प्राप्त कर सकें। आयुक्त ने कहा कि आप आज ही अपने मोबाइल पर प्ले स्टोर के माध्यम से एंड्रॉइड और आईओएस के लिए माई जीएचएमसी ऐप डाउनलोड कर सकते हैं और सेवाओं और मुद्दों तक पहुंच प्राप्त कर सकते हैं। कैसे करें उपयोग : आप फोटो क्लिक करके अपनी समस्या भेज सकते हैं। आप अपनी समस्या के समाधान की स्थिति पर नज़र रख सकते हैं तथा कभी भी, कहीं भी स्थिति की जांच कर सकते हैं। समस्या का समाधान होते ही फीडबैक दिया जा सकता है। आप लोकेट वार्ड ऑफिस विकल्प पर जाकर जीएचएमसी कार्यालयों का स्थान पता कर सकते हैं। ट्रेड लाइसेंस और पालतू कुत्ते के लाइसेंस के लिए आवेदन करना अब कुछ ही क्लिक से आसान हो जाएगा। आयुक्त ने कहा कि शहर के लोगों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए।

भाजपा महिला नेता ने उत्पीड़न और पीछा करने की दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा महिला मोर्चा विंग की एक नेता ने मधुरानगर पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया कि अज्ञात व्यक्ति फोन कॉल और टेक्स्ट संदेशों के जरिए उनका पीछा कर रहे हैं और उन्हें परेशान कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, 6 मई को एक अज्ञात व्यक्ति ने जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित शिकायतकर्ता को फोन किया और उसके खिलाफ अपमानजनक और धमकी भरी टिप्पणी की। इसके अलावा बदमाशों ने उसे छेड़छाड़ की हुई तस्वीरें भी भेजीं, जिससे उसे मानसिक आघात और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। आगे और अधिक उत्पीड़न सहन करने में असमर्थ, भाजपा महिला नेता ने मधुरानगर पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच कर रही है।

तेलंगाना में मई के मौसम में बदलाव

न गर्मी की लहरें, न तापमान कम और न ही आंधी-तूफान

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और तेलंगाना राज्य के अन्य जिलों में मई का महीना शुष्क गर्मी और चिलचिलाती हवाओं के लिए कुख्यात है और इस दौरान गर्मी की लहरें भी चरम पर होती हैं। हालांकि, इस साल तापमान के मामले में यह काफी असामान्य रहा है, क्योंकि 15 मई तक तेलंगाना राज्य के किसी भी हिस्से में पारा 40 डिग्री सेल्सियस को पार करने के कोई संकेत नहीं हैं। हैदराबाद मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 15 मई तक तेलंगाना राज्य में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। इसके अलावा, अगले पूरे सप्ताह तेलंगाना राज्य में व्यापक गरज, बिजली और तेज़ हवाएँ चलने की भी संभावना है। यह एक स्पष्ट संकेत है कि इस साल लोगों को मई की कुख्यात गर्मी का अनुभव होने की संभावना कम होगी। 15 मई तक, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद ने कुछ जिलों को छोड़कर तेलंगाना राज्य के लगभग सभी हिस्सों के लिए आंधी, बिजली और तेज़ हवाओं की चेतावनी जारी की है।

ऐसा क्यों हो रहा है?

आईएमडी-हैदराबाद की प्रमुख डॉ. के नागरत्ना कहती हैं कि इस साल मई में तेलंगाना राज्य में गरज के साथ बारिश की घटनाएं बढ़ी हैं। नतीजतन, तापमान में काफी गिरावट आई है। आमतौर पर मई में गर्मी की लहरें चलती हैं, लेकिन भारी गरज के साथ बारिश की वजह से अधिकतम तापमान में गिरावट आई है। शाम और रात के तापमान में भी गिरावट आ रही है।

कुछ जिले जहां तूफान की चेतावनी जारी की गई है उनमें आदिलाबाद, आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबूबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जनगांव, सिद्दीपेट, यदाद्री भुवनगिरी, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मलकजगिरी, विकाराबाद, महबूबनगर, नगरकुर्नूल, वानापर्थी और जोगुलाम्बा गडवाल शामिल हैं।

पाकिस्तान के समर्थन में पोस्ट पर मामला दर्ज

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की एक युवती पर सोशल मीडिया पर कथित रूप से अपमानजनक, घृणास्पद और आपत्तिजनक टिप्पणी करने, विशेष रूप से पाकिस्तान पर भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' को निशाना बनाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, चंपापेट के एक निजी कॉलेज में बीबीए द्वितीय वर्ष की छात्रा किशोर ने कथित तौर पर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पाकिस्तान जिंदाबाद लिखा था।

इसके अलावा, उसने इंस्टाग्राम स्टोरीज और व्हाट्सएप स्टेटस पर भारत, राष्ट्रीय ध्वज और ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ कथित घृणित और अपमानजनक टिप्पणियां भी कीं। पोस्ट में पाकिस्तान का समर्थन करते हुए भारत के खिलाफ नफरत फैलाई गई। यह घटना कॉलेज प्रबंधन तक पहुंची, जिसने आईएस सदन पुलिस में शिकायत दर्ज कराकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की। शिकायत के आधार पर आईएस सदन पुलिस ने बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) की धाराओं 196 और 353 (2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है, जिसके बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, कॉलेज प्रबंधन ने भी छात्र को निलंबित कर दिया है और आंतरिक जांच शुरू कर दी है।

पैटनी फ़्लाईओवर पर भारतीय सेना का ट्रक खराब

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को सिकंदराबाद के पैटनी फ़्लाईओवर पर भारतीय सेना का एक ट्रक खराब हो गया। माना जा रहा है कि भारी वाहन में तकनीकी खराबी के कारण खराबी आई है। जानकारी के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब ट्रक सिकंदराबाद से बेगमपेट की ओर जा रहा था। फ़्लाईओवर के बीच में पहुंचने पर ट्रक में तकनीकी खराबी आ गई और ड्राइवर ने उसे रोक दिया। सूचना मिलने पर यातायात पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को फ़्लाईओवर से हटाया। इस घटना के कारण व्यस्त मार्ग पर यातायात जाम हो गया।

बीआरएस शासन के दौरान तेलंगाना की स्वास्थ्य सेवा में सफलता

शिशु और मातृ मृत्यु दर में गिरावट, भारत सरकार की नवीनतम रिपोर्ट

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले दशक में बीआरएस सरकार द्वारा कार्यान्वित की गई प्रगतिशील मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल नीतियों और पहलों के स्पष्ट समर्थन में, भारत सरकार द्वारा गुरुवार को जारी नवीनतम शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) आंकड़ों ने तेलंगाना राज्य को देश में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में रखा है। भारत के महापंजीयक कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा गुरुवार को जारी नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) सांख्यिकीय रिपोर्ट 2021 और भारत में मातृ मृत्यु दर (2019-2021) पर एक विशेष बुलेटिन ने मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) को कम करने में तेलंगाना राज्य को केरल के बाद शीर्ष दक्षिण भारतीय राज्यों में रखा है, जो 1 लाख जीवित जन्मों पर मातृ मृत्यु की संख्या है।

एसआरएस एमएमआर (2019-2021) विशेष बुलेटिन के आंकड़ों से पता चला है कि तेलंगाना राज्य में एमएमआर 45 है, जबकि राष्ट्रीय औसत 93 है। दक्षिणी भारत में, केरल को छोड़कर, जिसका एमएमआर 20 है, तेलंगाना राज्य ने बीआरएस शासन के दौरान बाकी दक्षिणी राज्यों से बेहतर प्रदर्शन किया। एसआरएस डेटा ने संकेत दिया कि तमिलनाडु में एमएमआर 49 है, आंध्र प्रदेश में 46 है जबकि कर्नाटक में 63 है।

शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) पर नवीनतम डेटा, जो एक वर्ष में प्रत्येक 1,000 जीवित जन्मों के लिए शिशु मृत्यु की संख्या है, तेलंगाना राज्य में 20 है, जबकि राष्ट्रीय औसत 27 है। इसके विपरीत, जब 2014 में तेलंगाना राज्य का गठन हुआ, तो आईएमआर 39 था। आईएमआर में सुधार करने में भारी प्रगति के बावजूद, अन्य प्रमुख दक्षिण भारतीय राज्यों ने तेलंगाना राज्य की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है।

एसआरएस आंकड़ों से पता चला है कि केरल में आईएमआर 06 है, तमिलनाडु में 12, आंध्र प्रदेश में 22 जबकि कर्नाटक में 17 है। दिलचस्प बात यह है कि शहरी केंद्रों में तेलंगाना राज्य का आईएमआर घटकर सिर्फ 16 (पुरुष 16 और महिलाएं 15) रह गया है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में आईएमआर 23 (पुरुष 23 और महिलाएं 24) है।

अपने गठन के बाद से, बीआरएस शासन के दौरान पिछले दशक में, तेलंगाना राज्य ने एक और महत्वपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल डेटा बिंदु में भारी सुधार दर्ज किया है: बच्चों की अंडर 5 मृत्यु दर (यू5एमआर), जिसे प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 5 वर्ष की आयु तक पहुंचने से पहले एक बच्चे की मृत्यु की संभावना के रूप में परिभाषित किया जाता है।

2014-15 में तेलंगाना राज्य का यू5एमआर 41 था, जिसका मतलब है कि हर 1000 जीवित जन्मों में से 41 बच्चे 5 साल की उम्र तक पहुँचने से पहले ही मर जाते थे। हालाँकि, 2021 तक, बीआरएस शासन के दौरान, यू5एमआर डेटा में तेलंगाना राज्य में 22 की महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की गई, जबकि देश भर में यू5एमआर का औसत 31 था।

शिक्षकों पर कक्षाओं में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध

केवल उपस्थिति और शिक्षण के लिए छूट

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूल शिक्षा विभाग ने कक्षाओं में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाते हुए अपने स्कूल शिक्षकों से कहा कि वे कार्य समय के दौरान इसे संस्था प्रमुख के पास जमा करा दें। शिक्षकों को केवल प्रधानाध्यापक की अनुमति से उपस्थिति के लिए छात्रों की चेहरे की पहचान करने के दौरान ही स्मार्टफोन का उपयोग करने की अनुमति दी गई है। सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूल प्रमुखों, केजीबीवी के विशेष अधिकारियों और टीजी मॉडल स्कूलों के प्रधानाचार्यों को छात्रों को पाठ समझाने के लिए इंटरनेट का उपयोग करने के लिए कक्षा में स्मार्ट फोन का उपयोग करने की अनुमति दी गई है।

एमएलसी कोमुरैया ने मल्लू भट्टी विक्रमार्क से शिक्षकों के लंबित वित्तीय मुद्दों का समाधान करने का आग्रह किया

यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि स्कूल के समय में शिक्षकों द्वारा कक्षा में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने के मामले सामने आए हैं। ध्यान भटकाने के अलावा, छात्र शिक्षकों की ऐसी आदतों को अपनाते हैं, जिससे कक्षा का माहौल प्रभावित होता है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियम में किसी भी तरह के बदलाव को गंभीरता से लिया जाएगा और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.